@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 8 मई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 183 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

‘अवैध रूप से रह रहे लोग वापस जाएंगे’

बांग्लादेश सरकार से सहयोग की उम्मीद: विदेश मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की वापसी, सिंधू जल संधि (आईडब्ल्यूटी) और आतंकवाद के मुद्दे पर अपना कड़ा रुख दोहराया है।

● विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में देश से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार की राय रखी।

सरकार ने कहा कि भारत में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों को कानून और द्विपक्षीय समझौतों के तहत वापस भेजा जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में देश से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार की राय रखी। बंगाल में भाजपा की बंपर जीत के बाद बांग्लादेश के दो मंत्रियों की टिप्पणियां चर्चा में हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों को वापस सीमा पार भेजने की आशंका है, तो उम्मीद है कि भारत ऐसा नहीं करेगा। बांग्लादेश के गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने पुशबैक की आशंका जताई, तो विदेश मंत्री खलीलपुर रहमान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर जबरन लोगों को हमारी ओर भेजा जाएगा तो कार्रवाई की जाएगी।

इन्हीं टिप्पणियों को लेकर पूछे सवाल पर जायसवाल ने भारत की नीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, ‘ऐसी टिप्पणियों को एक बैकग्राउंड के रूप

में समझने की जरूरत है। मुख्य मुद्दा अवैध लोगों को यहां से वापसी का है। जाहिर है, इसके लिए बांग्लादेश के सहयोग की जरूरत है। बांग्लादेश के पास नागरिकता सत्यापन के 2,860 से ज्यादा मामले लंबित पड़े हैं, और इनमें से कई मामले पांच साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। हमारी नीति है कि जो भी अवैध तरीके से रह रहे हैं, उन्हें यहां से जाना पड़ेगा। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश राष्ट्रीय सत्यापन करेगा ताकि अवैध रूप से रह रहे लोगों को वापस भेजा जा सके। ‘ वहीं, आईडब्ल्यूटी यानी सिंधु जल संधि को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा, ‘सिंधु जल संधि पर हमारा रुख हमेशा एक जैसा रहा है। पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा दिए जाने के जवाब में आईडब्ल्यूटी को फिलहाल रोक दिया गया है। पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद के समर्थन पूरी तरह और हमेशा के लिए छोड़ देना चाहिए। ‘

जायसवाल ने यह भी कहा कि आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की राज्य नीति का हिस्सा रहा है और भारत को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है। 7 मई की देर रात भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किया था; उसकी पहली वर्षगांठ पर सरकार ने कहा कि पूरी दुनिया ने पहलगाम आतंकी हमले की गंभीरता को देखा था और भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का करारा जवाब दिया था।

सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद

मालिक की नहीं हुई पहचान

एजेंसी
कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा में निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने उस मोटरसाइकिल को गुरुवार दोपहर को बरामद कर लिया, जिसका इस्तेमाल इस जघन्य हत्याकांड में किया गया था। हालांकि, जांच अधिकारी हत्या में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और चार-पहिया वाहन के मालिकों की असली पहचान को लेकर अभी भी असमंजस में हैं। शुरुआती जांच में यह पता चला कि बुधवार रात जब अधिकारी के पीए भाजपा के एक कार्यक्रम से घर लौट रहे थे, तो मोटरसाइकिल सवार उनका पीछा कर रहा था, जिसे हत्यारा चला रहा था। अधिकारी के पीए की गाड़ी जैसे ही उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यमग्राम स्थित दोहरिया क्रॉसिंग पर पहुंची, एक दूसरी चार-पहिया गाड़ी ने उनकी गाड़ी का रास्ता रोक दिया। जैसे ही रथ की गाड़ी उस चार-पहिया वाहन द्वारा रोके जाने के बाद रुकी, हेलमेट पहने हत्यारे द्वारा चलाई

जा रही मोटरसाइकिल उसके बगल में आकर रुकी और उसने बहुत करीब से अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिससे रथ की मौके पर ही मौत हो गई और उनकी गाड़ी का ड्राइवर बुद्धदेव बेरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

‘यह अंत नहीं, नई शुरुआत है’

केरल चुनाव में हार के बाद पहली बार बोले विजयन

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम । पिनराई विजयन ने केरल विधानसभा चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को मिली अप्रत्याशित हार के बाद पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जनता के जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हुए यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को जीत की बधाई दी और कहा कि एलडीएफ जनता का भरोसा दोबारा जीतने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगा। पिनराई विजयन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे एलडीएफ के लिए पूरी तरह अप्रत्याशित रहे। उन्होंने कहा कि तमाम ‘विरोधी अभियानों और हमलों’ के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने एलडीएफ के साथ मजबूती से खड़े रहकर समर्थन दिया, जो उनके लिए आत्मविश्वास की बात है। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की उम्मीद टूटने के बावजूद यह जनसमर्थन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ के लिए यह जनादेश अंत नहीं, बल्कि

निरंतर राजनीतिक कार्य का एक नया प्रारंभ है। विजयन ने भरोसा जताया कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज में बड़े बदलाव लाए हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को रुकने से बचाने और आगे बढ़ाने के लिए मजबूत जनजागरूकता की जरूरत है।

पहले सरकारों का धन कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था: सीएम योगी

‘डबल इंजन सरकार की नीतियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर व तकदीर, दोनों बदली हैं’

एजेंसी
सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अब ‘तुष्टीकरण’ नहीं, बल्कि ‘संतुष्टिकरण’ की राजनीति हो रही है। पहले सरकारों का धन कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था, लेकिन आज वही पैसा सड़क, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज, आरसीसी ड्रेन, एक्सप्रेसवे और धार्मिक-पर्यटन स्थलों के विकास में लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर, जो कभी दंगों, फतवों, पलायन के कारण बदनाम था, आज विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति की नई पहचान बन चुका है। मां शाकम्भरी धाम के पुनरुद्धार से लेकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट, स्पोर्ट्स कॉलेज, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब तक, सहारनपुर में विकास की नई धारा बह रही है। सीएम योगी गुरुवार को

सहारनपुर में 2,131 करोड़ रुपए की 325 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास/लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर व तकदीर, दोनों बदली हैं। पहले सहारनपुर से दिल्ली पहुंचने में 6 घंटे और लखनऊ पहुंचने में 12-14 घंटे लगते थे, लेकिन अब एक्सप्रेसवे और आधुनिक कनेक्टिविटी के कारण दिल्ली मात्र ढाई घंटे और लखनऊ करीब 6 घंटे की दूरी पर रह गया है। उन्होंने कहा कि जो तत्व विकास में बाधक बनते हैं, वे जाति व तुष्टीकरण की राजनीति से समाज को बांटने का प्रयास करते हैं, लेकिन अब जनता विकास, सुरक्षा और राष्ट्रवाद के साथ खड़ी है। अच्छी सरकारें चुनी जाती हैं तो परिणाम भी अच्छे आते हैं और सहारनपुर इसका जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है।सीएम योगी ने कहा कि सहारनपुर वही जनपद है, जहां वर्ष 2013 से 2016 तक दंगे, कर्फ्यू, पलायन और अराजकता का माहौल बना रहता था।

शिक्षा, खेल और उद्योग का कोई बड़ा केंद्र नहीं था। किसान परेशान था, नौजवान पलायन कर रहा था और व्यापारी भय में जी रहे थे। फतवों और कुसंस्कृति के कारण देवबंद बदनाम हो चुका था।

चारधाम यात्रा में अब तक 7.72 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी
देहरादून । उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पिछले 19 दिन से जारी है। बड़ी संख्या में लोग श्रद्धाभाव के साथ दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नतीजन, चारधाम में अब तक 7 लाख 72 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किए हैं।

जानकारी के अनुसार, चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से केदारनाथ में लगभग 3 लाख 45 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि बद्रीनाथ धाम में 1 लाख 85 हजार के करीब श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। वहीं, यमुनोत्री में तकरीबन 1 लाख 16 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि गंगोत्री में 1 लाख 15 हजार से अधिक श्रद्धालु आए हैं। चारधाम यात्रा के लिए अभी भी श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, लेकिन श्रद्धालुओं के लिए यात्रा चुनौतीपूर्ण भी बनी हुई है। 19 अप्रैल से शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक स्वास्थ्य कारणों से 29 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का हेलीकॉप्टर रास्ता भटका

पायलट की सूझबूझ से सुरक्षित लैंडिंग

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का हेलीकॉप्टर गुरुवार को रास्ता भटक गया। हालांकि, हेलीकॉप्टर के पायलट ने समय रहते सावधानी बरती और उसे मोड़कर जुहू स्थित पवन हंस हेलीपैड लाया गया, जहां हेलीकॉप्टर की सफलतापूर्वक लैंडिंग कराई गई। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ और उपमुख्यमंत्री शिंदे समेत हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। यह घटना ठाणे के ग्रामीण इलाके की बताई जा रही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार को अपने पार्टी पदाधिकारियों के परिवार के एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए मुंबई से मुरबाद जा रहे थे। उनका हेलीकॉप्टर दोपहर 3:30 बजे महालक्ष्मी रेस कोर्स स्थित हेलीपैड से मुरबाद के लिए रवाना हुआ। हालांकि, जैसे ही हेलीकॉप्टर ऐरोली पहुंचा, पायलट ने सामने से तूफान आते देखा। संभावित खतरे को भांपते हुए पायलट ने समय रहते

उपमुख्यमंत्री शिंदे को इसकी सूचना दी। उन्होंने आगे बढ़ने के बजाय वापस लौटने की बात भी कही। इसके बाद उन्होंने तुरंत हेलीकॉप्टर को वापस मोड़ने का फैसला किया। अगले कुछ ही मिनटों में हेलीकॉप्टर जुहू के पवन हंस हेलीपैड में सफलतापूर्वक उतर गया।

सबरीमाला केस: सुप्रीम कोर्ट बोला-हर धार्मिक प्रथा को चुनौती गलत

इससे धर्म और समाज दोनों टूट जाएंगे, अदालतों में सैकड़ों केस आएंगे

एजेंसी
मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म के मामलों को अदालत में चुनौती देने लगेंगे, तो इससे धर्म और समाज पर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इससे सैकड़ों याचिकाएं आएंगी और हर रिवाज पर सवाल उठने लगेंगे। यह टिप्पणी नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय का केस भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी जनहित याचिका (PIL) की वैधता पर सवाल उठाए थे।

जस्टिस नागरत्ना बोलीं- इससे कोर्ट में केस बढ़ेंगे

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाएगा, तो भारतीय समाज पर असर पड़ेगा, क्योंकि यहां धर्म

समाज से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हर अधिकार पर सवाल उठेंगे- मंदिर खुलने या बंद होने तक के मामले कोर्ट में आएंगे।

कोर्ट की यह टिप्पणी दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी याचिका पर आई। जस्टिस एमएम सुन्द्रेश ने कहा कि अगर ऐसे विवादों को लगातार अनुमति दी गई, तो हर व्यक्ति हर चीज पर सवाल उठाएगा। इससे धर्म टूट सकते हैं और अदालतों पर भी असर पड़ेगा।

धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं

सुधारवादी दाऊदी बोहरा समूह की ओर से वकील राजू रामचंद्रन ने कोर्ट में दलील दी कि अगर कोई प्रथा सामाजिक या निजी कारणों से जुड़ी है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। कोई भी प्रथा अगर मौलिक अधिकारों पर नकारात्मक असर डालती है, तो उसे सीमित किया जा सकता है। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता और सभ्यता से है, और धर्म इसमें एक स्थायी तत्व है। इसे तोड़ना सही नहीं होगा।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई हुई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है। इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

पुष्कर में विदेशी महिला ने ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में कठिन साधना का लिया संकल्प

अजमेर। पुष्कर में रूस मूल की विदेशी साधिका और नाथ संप्रदाय में दीक्षित योगिनी अन्नपूर्णा नाथ ने ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में कठिन अग्नि तपस्या का संकल्प लिया है। छोटी बस्ती स्थित श्मशान स्थल पर अघोरी सीताराम बाबा के आश्रम में उन्होंने नौ धधकती धूनियों के बीच 21 दिवसीय अग्नि तपस्या प्रारंभ की है। यह तपस्या 3 मई से शुरू हुई है, जो 25 मई तक चलेगी। इस दौरान योगिनी अन्नपूर्णा नाथ प्रतिदिन सवा तीन घंटे तक धधकती धूनियों के मध्य बैठकर शिव साधना और गुरु बीज मंत्र का जाप करेंगी। साधना के दौरान प्रतिदिन हवन, पूजन और आरती का आयोजन भी किया जा रहा है। तपस्या की पूर्णाहुति 25 मई को संत भंडारे के साथ होगी। योगिनी अन्नपूर्णा नाथ ने अपने गुरु बाल योगी दीपक नाथ रमते राम के सान्निध्य में इस तपस्या का आरंभ किया है।

‘118 विधायक लाओ, तभी होगी शपथ’

अड़े तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र

विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा

एजेंसी
कोलकाता । तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा।

टीवीके के पास कितनी सीटें?

दरअसल, 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा

हासिल किया था। हालांकि विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं और नियमों के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। ऐसे में पार्टी की प्रभावी संख्या 107 रह जाएगी।

कांग्रेस ने दिया टीवीके को समर्थन

सरकार बनाने की कोशिश में टीवीके को उस समय बड़ी राहत मिली जब कांग्रेस ने डीएमके गठबंधन से अलग होकर विजय को समर्थन देने का फैसला किया। कांग्रेस के पांच विधायक टीवीके के साथ आए, लेकिन इसके बाद भी आंकड़ा केवल 112 तक पहुंच पाया। यानी बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से अभी भी छह विधायक कम हैं। यही वजह है कि राज्यपाल ने फिलहाल शपथ ग्रहण को लेकर कोई हरी झंडी नहीं दी है।

विजय ने सरकार बनाने का दावा किया था पेश

विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नोएडा एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान, टिकट की बुकिंग शुरू

एजेंसी
नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 जून को पहली फ्लाइट बेंगलुरु के लिए जाएगी। यह फ्लाइट लखनऊ से नोएडा हवाई अड्डे होकर बेंगलुरु जाएगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। पहली फ्लाइट इंडिगो एयरलाइंस की होगी। अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने की तिथि अभी घोषित नहीं की है। नोएडा हवाई अड्डे को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी

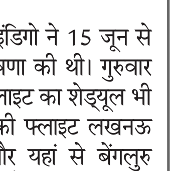

प्रोग्राम अप्रूवल मिलने के बाद इंडिगो ने 15 जून से विमान सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। गुरुवार शाम को हवाई अड्डे से पहली फ्लाइट का शेड्यूल भी घोषित कर दिया गया। इंडिगो की फ्लाइट लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट आएगी और यहां से बेंगलुरु जाएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि यह फ्लाइट सुबह आठ बजे के करीब यहां पहुंचेगी और कुछ देर नोएडा एयरपोर्ट पर रुकने के बाद बेंगलुरु के लिए रवाना हो जाएगी। देश के अन्य शहरों के लिए फ्लाइट शेड्यूल भी देर रात तक सामने आ जाएगा।

पश्चिम बंगाल में मतदान प्रक्रिया समाप्त

आयोग ने दो विशेष पर्यवेक्षकों को पद से मुक्त किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद चुनाव आयोग ने राज्य में नियुक्त दो विशेष पर्यवेक्षकों को उनके पद से मुक्त कर दिया है। आयोग ने राज्य में चुनाव की निगरानी के लिए विशेष पर्यवेक्षक के रूप में सुब्रत गुप्ता और विशेष पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में एनके मिश्रा को नियुक्त किया था। गुरुवार को आयोग ने दोनों को पत्र भेजकर उनकी जिम्मेदारी समाप्त करने की जानकारी दी।

आयोग ने अपने पत्र में कहा कि राज्य में चुनावी प्रक्रिया अब पूरी तरह समाप्त हो चुकी है, इसलिए विशेष पर्यवेक्षक के पद से उन्हें मुक्त किया जा रहा है। आयोग ने बताया कि दोनों अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी और उन्होंने अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन किया। गौरतलब है कि, पिछले वर्ष अक्टूबर में राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया शुरू होने के समय से ही सुब्रत गुप्ता को विशेष रोल पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में उनके काम को देखते हुए उन्हें बंगाल विधानसभा चुनाव का विशेष पर्यवेक्षक बनाया गया। वहीं, विधानसभा चुनाव के लिए सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एनके मिश्रा को विशेष पुलिस पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब राज्य में मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों को इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

जयपुर में रवीना टंडन ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री कल्पतरु संस्थान के 31वें वार्षिक समारोह के तहत वृक्ष मित्र सम्मान 2026 का आयोजन हुआ, जिसमें उन लोगों को सम्मानित किया गया जो धरती को हरा-भरा रखने और प्रकृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पारंपरिक अंदाज में नजर आईं रवीना टंडन ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रकृति बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ और प्रकृति मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी हैं, और इनके बिना भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। अभिनेत्री रवीना ने लोगों से अपील कर कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश हर घर तक पहुंचना चाहिए। उनके मुताबिक, विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की अनदेखी करना आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। रवीना ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ धरती देना हम सभी की जिम्मेदारी है, और विकास तथा पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उन जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया, जिनके अथक प्रयासों से वृक्षारोपण और पेड़ों के संरक्षण का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है।

आंधी-तूफान में दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, कई घायल

करनाल(एजेंसी)। करनाल में रात को आई आंधी तूफान में दो जगह अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। रात को आई आंधी तूफान में दो अलग अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। पहला हादसा घरौंडा के गुढ़ा गांव के समीप हुआ जहां एक बाइक पर चार युवक सवार थे और उनकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई और बिहार के रहने वाले मोहित (24) की जान चली गई तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरा हादसा जीटी रोड पर तरावड़ी के समीप हुआ। जहां एक कैंटर सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया, कैंटर चालक कैंटर के केबिन में फंस गया और उसकी मौत हो गई, फिलहाल कैंटर चालक कहां का है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस जांच कर रही है।

कच्छ के क्रीक इलाके में मिली लावारिस पाकिस्तानी नाव, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले के संवेदनशील तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव लावारिस हालत में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों के अनुसार यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक इलाके में पाई गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच एजेंसियां मामले की गहन पड़ताल में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें क्रीक क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में एक नाव दिखाई दी। जवानों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नाव की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच में नाव से मछली पकड़ने से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि नाव किस परिस्थिति में भारतीय सीमा तक पहुंची और इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। नाव को कब्जे में लेकर तकनीकी और फॉरेंसिक जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक क्षेत्र अक्सर घुसपैठ और अवैध गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भारतीय मछुआरों को अरब सागर के क्रीक इलाके में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारतीय सीमा में घुस आते हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा बलों की गश्ती टीम को देखकर पाकिस्तानी मछुआरे अपनी नाव छोड़कर वापस पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं। घटना के बाद समुद्री और तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

1200 करोड़ की कोडीन तस्करी मामले में 6 के खिलाफ चार्जशीट

लखनऊ (एजेंसी)। एसटीएफ ने बहुचर्चित कोडीन कफ सिरप तस्करी सिंडिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए, जीआर ट्रेडिंग के मालिक विभोर राणा सहित छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह गिरोह 2019 से सक्रिय था और इसने 1200 करोड़ रुपए से अधिक के सिरप की तस्करी को अंजाम दिया। चार्जशीट में विभोर राणा के अतिरिक्त सचिन कुमार (मारुति मेडिकोज), अभिषेक शर्मा (एबी फार्मास्यूटिकल), विशाल सिंह, बिट्टू कुमार और शुभम शर्मा के नाम शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह ने 400 करोड़ रुपए के सिरप खरीदकर उन्हें 1200 करोड़ रुपए से अधिक में बेचा। तस्करी का यह जाल नेपाल और बांग्लादेश तक फैला था, जिसके बैंक खातों और मार्गों की विस्तृत जानकारी मिली है। मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह सहित तीन अन्य पहले से जेल में हैं। एसटीएफ जल्द ही पूरक चार्जशीट दाखिल करेगी। विदेश में छिपे शुभम जायसवाल समेत तीन के पासपोर्ट निरस्त कर लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है और उन्हें वापस लाने की कवायद जारी है।

फतेहपुर गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी भूत पुलिस मुठभेड़ में घायल

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगेतर के साथ घूमने गई युवती से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत को पुलिस ने एक मुठभेड़ में घायल कर दिया है। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह पिछले 12 दिनों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खागा गैंगरेप का मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत खागा क्षेत्र में छिपा हुआ है। घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में हुई जवाबी कार्रवाई में बबलू सिंह के दोनों पैरों में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और 1600 रुपये नकद बरामद किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। दरअसल, 24 अप्रैल को खागा क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास एक युवती से उसके मंगेतर के सामने गैंगरेप किया गया था।

जनगणना-2027 का शुभारंभ: सीएम योगी बोले, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। हमारी जनगणना, हमारा विकास की भावना के साथ मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का श्रीगणेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है, और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह विकास की धारा में समाज के अंतिम व्यक्ति की समान सहभागिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल

जनगणना हो रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य होने है। आमजन को 07 से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते है। इसके उपरांत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करने वाले है। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है, साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या करीब 25 करोड़ 70 लाख है। यह व्यापक कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों सहित 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। इस सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

दिल्ली मंडल में चेन पुलिंग पर सख्त कार्रवाई: 1483 लोग गिरफ्तार, यात्रियों को चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में ही 1483 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2025 में आंकड़ा 5180 था। रेलवे ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक रूप से चेन खींचने पर रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत एक साल तक की जेल, 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, आपराधिक घटना या चढ़ते-उतरते समय हुए गंभीर हादसों जैसी वास्तविक आपात स्थितियों के लिए है। हालांकि, कई यात्री अक्सर अपनी ट्रेन छूटने या बीच रास्ते में उतरने जैसी सामान्य वजहों से इसका दुरुपयोग करते हैं। इससे न केवल संबंधित ट्रेन लेट होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली अन्य एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों का पूरा शेड्यूल भी बिगड़ता है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा होती है। दिल्ली रेल मंडल ने उन मार्गों और स्टेशनों की पहचान की है जहाँ यह समस्या सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद, गुरुग्राम, नई दिल्ली, पानीपत और रोहतक जैसे स्टेशन, और दिल्ली-मुजफ्फरनगर तथा नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेल सेक्शन मामले में सर्वाधिक प्रभावित हैं। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी समस्या के लिए चेन खींचने के बजाय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें या ऑन-ड्यूटी टीटीई से संपर्क करें। ट्रेन की चेन खींचने पर ब्रेक पाइप में हवा का दबाव कम हो जाता है, जिससे लोको पायलट को तीन बार हॉर्न बजाकर ट्रेन रोकनी पड़ती है। ट्रेनों में लगे इमरजेंसी फ्लैशर या गार्ड की जांच से तुरंत पता चल जाता है कि चेन कहाँ से खींची गई है, और रेल पुलिस बिना वजह चेन पुलिंग करने वालों को मौके पर ही पकड़ लेती है। रेलवे ने सभी यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और इस महत्वपूर्ण सुविधा का केवल वास्तविक आपातकाल में ही उपयोग करने का आग्रह किया है।

आय छिपाने का मामला: हाईकोर्ट में थलापति विजय के खिलाफ याचिका दायर

-एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बीच सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के लिए नई कानूनी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। एक ओर जहां विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और हाल ही में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है, वहीं दूसरी ओर मद्रास हाईकोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एक रिट याचिका दायर की गई है।

यह याचिका चेन्नई निवासी एम. राजकुमार द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें अभिनेता विजय पर साल 2015 के दौरान अपनी वास्तविक आय और वित्तीय लेन-देन छिपाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से उनकी फिल्म पुली की रिलीज के समय का है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आयकर विभाग विजय के खिलाफ आधिकारिक अभियोजन शुरू करे और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करें। साथ ही, यह भी अनुरोध किया गया है कि आयकर विभाग जब्त की गई सामग्रियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के संभावित पहलुओं की जांच की जा सके। मद्रास हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने बुधवार को इस रिट याचिका को नंबर दे दिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले, मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने 8 अप्रैल को रजिस्ट्री को इस याचिका को स्वीकार करने के निर्देश दिए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ता संभालने की तैयारियों के बीच विजय के खिलाफ इन पुराने मामलों का फिर से उभरना उनके भविष्य के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें हाईकोर्ट के अगले रुख पर टिकी हैं। मामले की जड़ें 30 सितंबर 2015 को आयकर विभाग द्वारा विजय के आवास और कार्यालयों पर की गई छापेमारी से जुड़ी हैं। विभाग को तलाशी के दौरान ऐसे दस्तावेज मिले थे जिनसे संकेत मिला कि पुली के निर्माताओं ने विजय को चेक के माध्यम से दी गई फीस के अलावा 4.93 करोड़ रुपये नकद दिए थे। उस समय मेकर्स ने केवल चेक की राशि पर टीडीएस जमा किया था। पूछताछ के दौरान विजय ने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये नकद लेने की बात स्वीकार की थी और उस पर टैक्स देने की सहमति जताई थी। विवादों को सुलझाने के लिए विजय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय घोषित की थी। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपनी आय का रिटर्न दाखिल किया, तो उन्होंने फैंस क्लब के खर्चों और संपत्तियों के अवमूल्यन पर छूट की मांग की। आयकर विभाग ने इन दावों को खारिज करते हुए उन पर जुर्माना लगा दिया था।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

-अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए।

इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने

अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर चेताया, भारत न भूलता है, न माफ करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2025 में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर की गई ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को आज एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना ने एक विशेष वीडियो साझा कर दुनिया और विशेष रूप से शत्रु देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अपनी सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। वायुसेना ने अपने आधिकारिक संदेश में बेहद सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि भारत न कुछ भूलता है और न ही किसी को माफ करता है। यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से दोहराता है। जारी किए गए वीडियो की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संबोधन से होती है, जिसमें उन्होंने देश की इच्छाशक्ति को प्रकट करते हुए कहा था कि भारत आतंकियों और उनके मददगारों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनका खात्मा करेगा। यह संकल्प केवल एक बयान नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य कूटनीति की आधारशिला बन गया है। पिछले साल मई में भारतीय जांबाजों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा पार सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड्स और उनके ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया था। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी सर्जिकल प्रिसिजन (सटीकता) थी, जिससे बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के केवल लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। वायुसेना ने इसे सटीक कार्रवाई और शाश्वत यादों वाला ऑपरेशन बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई ने दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को हमेशा के लिए बदल दिया है। सेना और वायुसेना का यह साझा संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो सीमा पार से अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते हैं। वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहा, बल्कि प्रो-एक्टिव होकर खतरे को उसकी जड़ में खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह ऑपरेशन साबित करता है कि भारत के पास अब ऐसी तकनीकी और सामरिक ताकत है, जिससे वह किसी भी हिमाकत का तत्काल और करारा जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की यह बरसी न केवल जवानों के साहस को नमन करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति रखता है।

बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 4,000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

-ग्राउंड के प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए करीब 30 सेक्टरों में बांटा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में

करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि जरुरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं कि मैदान के अंदर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके। आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है।

'दीदी आप हारी नहीं', ममता बनर्जी को हौसला देकर बोले अखिलेश यादव, बीजेपी के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री को भावनात्मक समर्थन दिया। अखिलेश ने ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोलकाता स्थित टीएमसी अध्यक्ष के आवास पर मुलाकात की। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के आधिकारिक सूत्रों ने अखिलेश यादव से कहा कि दीदी, आप हारी नहीं हैं।

उन्होंने आगे बताया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी से मुलाकात के दौरान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभिषेक से कहा, ''आप सभी ने कितनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है।'' अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में जो हुआ है, उससे लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता मिल गया है। शायद ही किसी ने लोकतंत्र को इतना नुकसान पहुंचाया हो जितना भाजपा ने। वे कभी किसी महिला के उत्थान को नहीं देख सकते। यहां मतदान तो हुआ है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से ज़्यादा दबाव में आकर मतदान किया है। अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का संकल्प लिया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की सीटें घटकर 80 रह गईं। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जो दशकों तक राजनीतिक हाशिये पर रहने के बाद राज्य में भगवा खेमे के सत्ता में आने का प्रतीक होगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, हालांकि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह अब भी रहस्य बना हुआ है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वप्न दासगुप्ता के नाम भी इस दौड़ में शामिल हैं।

पंजाब चुनाव में 10 महीने बचे हैं, अब नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ो

-राघव चड्ढा एपिसोड और बंगाल चुनाव नतीजे केजरीवाल को करने लगे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को याद दिलाया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं। मतलब, नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ना है। बचे हुए वक्त में सारे ही चुनावी वादे पूरे करने की कोशिश है। चुनावी वादों के हिसाब से देखें तो दिल्ली में कुछ अधूरे वादे रह गए थे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले ही अरविंद केजरीवाल ने कई चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया था। 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल ने यह भी माना था कि दिल्ली में तीन काम उनसे अधूरे रहे गए. एक- यमुना की सफाई, दो-साफ हवा और तीसरा-दिल्ली की सभी कॉलोनियों में साफ पानी पहुंचाना।

बता दें असल में राघव चड्ढा एपिसोड और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे, केजरीवाल को परेशान करने लगे हैं। दिल्ली की हार के दर्द से अभी पूरी तरह राहत भी नहीं मिली थी कि राघव चड्ढा ने नया दर्द दे दिया और पश्चिम बंगाल के नतीजे तो लगता है कुछ ज्यादा ही असर डाल रहे हैं। पंजाब के आप विधायकों से मुलाकात में केजरीवाल ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी और दिल्ली चुनाव में अपनी हार को मिलता जुलता करार दिया और अब पंजाब को लेकर भी केजरीवाल को बंगाल जैसी ही आशंका सता रही है। लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों को अभी से अलर्ट मोड में डाल दिया है।

बता दें राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से बगावत किया, और बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और बीजेपी में शामिल होने वाले सभी सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। बात सिर्फ राघव चड्ढा और साथियों के अरविंद केजरीवाल की बनाई लक्ष्मण रेखा लांघने की नहीं है, उसके आगे खतरे और भी हैं जो आप को भारी पड़ सकते हैं और जरूरी नहीं कि नुकसान आने वाले पंजाब चुनाव में ही नुकसान हो, पहले भी संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायकों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट फाइल की है। बातचीत में विधायकों ने आप के अंदर पड़ी दरार और कलह के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विधायकों के सामने चुनौतियों और उनकी समस्याओं का भी पता चला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विधायकों के मुताबिक ज्यादातर समस्याएं राघव चड्ढा और संदीप पाठक के आम आदमी पार्टी छोड़ देने के बाद पैदा हुई हैं।

आम आदमी पार्टी के एक विधायक ने संवादहीनता की तरफ इशारा किया। विधायक का कहना था, हमारे पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। हमें चुप रहने को कहा जाता है। लीडरशिप को जमीन पर क्या हो रहा है, उसकी पूरी जानकारी नहीं है। कई विधायकों का कहना है कि लीडरशिप तक अपनी बात पहुंचाना मुश्किल है। लीडरशिप तक सीमित पहुंच के कारण, पार्टी वालंटियर्स में असंतोष बढ़ा है। विधायकों की शिकायत है कि पार्टी के सत्ता में आने के फौरन बाद ही निराशा का दौर शुरू हो गया था, क्योंकि वालंटियर्स को तभी से किनारे कर दिया गया।

विधायकों का मानना है कि 7 में से सिर्फ दो सांसद ही संगठन की पृष्ठभूमि के थे, राघव चड्ढा और संदीप पाठक। विधायकों का सवाल है, बाकियों को क्यों चुना गया? और शिकायत है, सरकार बनने के बाद हुए उपचुनावों में भी जमीनी कार्यकर्ताओं के बजाय दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को टिकट दिया गया।

विधायकों की बातचीत से मालूम होता है

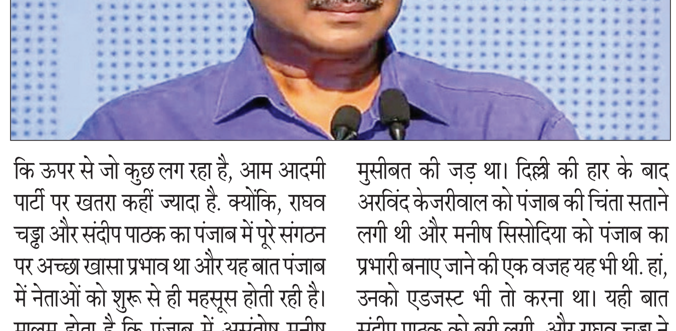

कि ऊपर से जो कुछ लग रहा है, आम आदमी पार्टी पर खतरा कहीं ज्यादा है. क्योंकि, राघव चड्ढा और संदीप पाठक का पंजाब में पूरे संगठन पर अच्छा खासा प्रभाव था और यह बात पंजाब में नेताओं को शुरू से ही महसूस होती रही है। मालूम होता है कि पंजाब में असंतोष मनीष सिसोदिया के प्रभारी बन जाने के बाद बढ़ा है। संदीप पाठक के एक सहयोगी का कहना है कि पंजाब प्रभारी के पद से उनको हटाया जाना मुसीबत की जड़ था। दिल्ली की हार के बाद अरविंद केजरीवाल को पंजाब की चिंता सताने लगी थी और मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने की एक वजह यह भी थी. हां, उनको एडजस्ट भी तो करना था। यही बात संदीप पाठक को बुरी लगी, और राघव चड्ढा ने उनके मनमाफिक सपना दिखा दिया। अरविंद केजरीवाल हाथ मलते रह गए।

मां ने की चार अबोध बच्चों की निर्मम हत्या, पति ने कर लिया था पाकिस्तान की एक महिला से दूसरा निकाह

अंबेडकर नगर। अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद में शनिवार दोपहर एक घर में चार बच्चों की किसी भारी चीज से कूचकर हत्या कर दी गई। पुलिस आशंका जता रही है कि मां गासिया खातून ने शुक्रवार रात बच्चों को खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। बेसुध होने पर चारों की हत्या कर दी। इसके बाद कमरे को अंदर से बंदकर लापता हो गई। उधर, सऊदी अरब में रह रहे बच्चों के पिता ने फोन न उठने पर अपने रिश्तेदारों को मौके पर भेजा। खबर पाकर पुलिस पहली मंजिल के रास्ते घर में दाखिल हुई तो कमरे में चारों बच्चों के शव पड़े थे। डीआईजी सोमेन वर्मा, डीएम ईशा प्रिया, एसपी प्राची सिंह ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच की। फिलहाल पुलिस को मां गासिया खातून पर ही चारों बच्चों की हत्या का शक है। घर में पड़े मिले मोबाइल की पुलिस जांच कर रही है। महरुआ के कसड़ा निवासी नियाज ने मीरानपुर में अपनी पत्नी गासिया खातून के नाम पर जमीन लेकर दो वर्ष पूर्व मकान का निर्माण कराया था। यहां गासिया अपने बड़े बेटे शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान (8) के साथ रहकर उनकी परवरिश कर रही थीं। नियाज सऊदी अरब में नौकरी करता है। एसपी प्राची सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह 7:30 बजे दूधवाले ने दरवाजा खटखटाया। कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर वह लौट गया। दोपहर तक बच्चों से फोन पर संपर्क न होने पर नियाज ने शहजादपुर निवासी भाभी बकीतुनिशा से बात की। इसके बाद रिश्तेदारों ने पुलिस को सूचना दी। दोपहर तीन बजे पुलिस पहुंची तो कमरा अंदर से बंद था। पुलिस बालकनी पर चढ़कर घर में दाखिल हुई और किसी तरह मु य दरवाजा खोला गया। घर में पहली मंजिल पर बने कमरे में त त पर बच्चों के शव खून से लथपथ मिले। एसपी प्राची सिंह ने बताया कि दीवार से लेकर बिस्तर तक पर खून की छींटे फैले थे। कमरे में बच्चों के उल्टी करने के निशान मिले हैं। शक है कि हत्या से पहले खाने में कुछ विषैला पदार्थ मिलाकर दिया गया और इसके बाद बेरहमी से हत्या की गई।आशंका है कि बच्चों के सिर पर ईंट व हथौड़े से प्रहार किया गया है। हालांकि कमरे से कुछ मिला नहीं है। पुलिस ने चारों शवों को राजकीय मेडिकल कॉलेज भिजवाया। परिवार के लोगों से पूछताछ के साथ महिला की तलाश की जा रही है। एसपी प्राची सिंह ने बताया कि नियाज ने सऊदी अरब में एक पाकिस्तानी महिला से निकाह कर लिया था। तभी से गासिया खातून से उसकी अनबन चल रही थी। वह चार साल से घर नहीं लौटा था। वह तनाव में रहती थी। आशंका है कि वारदात के पीछे भी कहीं यह वजह न हो। उन्होंने बताया कि जांच में प्रथम दृष्ट्या यह पता चल रहा है कि महिला ने ही अपने चार बच्चों की हत्या की और इसके बाद बालकनी से कूदकर भाग गई। वारदात के खुलासे के लिए पुलिस की छह टीमें लगाई गई हैं। महरुआ के ग्राम कसड़ा का नियाज अहमद पिछले चार साल से सऊदी से वापस नहीं आया था और पत्नी गासिया खातून से विवाद भी चल रहा था। चार मासूमों की बेरहमी से हुई हत्या ने पूरे मीरानपुर से लेकर पैतृक गांव कसड़ा तक हर किसी को झकझोर दिया है। घटना होने के बाद पारिवारिक विवाद भी खुलकर सामने आ रहे हैं। नियाज अहमद के सऊदी अरब में किसी पाकिस्तानी महिला से निकाह होने की बात भी कही जा रही है, जिसके चलते मियां-बीवी में आए दिन विवाद भी होता रहता है। पुलिस पति से विवाद के अलावा आशनाई और संपत्ति विवाद के एंगल पर भी छानबीन कर रही है। नियाज की शादी लगभग 17 साल पहले भीटी के स मनपुर छितौनिया की गासिया खातून से हुई थी। करीब सात साल पहले रोजी-रोटी के सिलसिले में सऊदी अरब गया था। यहां उसने ठीक-ठाक कमाई की और मीरानपुर के मुरादाबाद मोहल्ले में पत्नी गासिया खातून के नाम जमीन लेकर दो मंजिला घर भी बनवाया। काम अभी पूरा नहीं हुआ था लेकिन परिवार की सुख सुविधा के पर्याप्त इंतजाम थे। नियाज की मां और दो भाई सलीम व मुबारक गांव में ही रहते थे। भाई कलीम और करीम भी सऊदी में रहकर नौकरी कर रहे थे। करीब चार साल पहले नियाज सऊदी वापस गया तो फिर लौटकर नहीं देखा। बताया जा रहा है कि सऊदी में ही उसके किसी पाकिस्तानी महिला से संबंध हो गए हैं और उससे निकाह भी कर लिया। इसके चलते उसका अपनी पत्नी से विवाद भी होता रहता था। पड़ोसी गुड्डू ने बताया कि शुक्रवार को चारों बच्चे शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान उर्फ सादिया (8) पहितीपुर मार्ग स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल से पढ़ते और सभी पढ़ाई में बेहतर थे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार दोपहर बाद स्कूल से घर आने के बाद बाहर नहीं निकले थे। माना जा रहा है कि रात में ही महिला ने खाने में कुछ विषैला पदार्थ मिलाकर बच्चों को बेहोश कर दिया और रात में ही वारदात को अंजाम दे डाला। नियाज अहमद की पत्नी से भले अनबन चल रही हो लेकिन बच्चों से नियमित रूप से बात होती रहती थी। नियाज ने सुबह अपने घर पर फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद उसने अपने एक साथी को फोन किया तो पता चला कि बच्चे शनिवार को स्कूल भी नहीं गए थे। इसके बाद ही नियाज को अनहोनी की आशंका हो गई थी। चारों बच्चों की हत्या के बाद नियाज सऊदी अरब से वापस आने की तैयार में जुट गया है। बताया जा रहा है कि रविवार को वह वापस आ जाएगा। हत्याकांड के बाद जब बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया तो परिजनों में घटना को लेकर आक्रोश नजर आया। कोतवाल श्रीनिवास पांडेय से मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की। इसपर पुलिस से हल्की नोकझोंक भी हुई। इसके बाद सभी परिजनों को कोतवाली लाया गया जहां सभी को एक कक्ष में बैठाया गया। उनके साथ पहुंचे अन्य नाते-रिश्तेदारों कोतवाली से बाहर करने का प्रयास किया गया तो पुलिस कर्मियों से कहासुनी भी हुई। एसपी प्राची सिंह ने घटना के जल्द से जल्द खुलासे के लिए छह टीमों का गठन किया है। इनमें हर टीम को अलग-अलग जि मा सौंपा गया है। मोहल्ला मुरादाबाद के आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने की जि मेदारी सौंपी गई है। साथ ही एक टीम महिला के मोबाइल का पासवर्ड खोलने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा सीडीआर व अन्य तमाम डिटेल भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस को आशंका यह भी है कि कहीं महिला का किसी से प्रेम प्रसंग तो नहीं चल रहा था और उसी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दे दिया है। बड़े भाई सलीम अपनी पत्नी शकीला के साथ गांव में रहते हैं। इनके बच्चे अब्दुल कादिर, राजू, अरमान, गुड़िया व गुड्डू हैं। भाई मुबारक भी घर में ही अपनी पत्नी हसीरा के साथ रहते हैं। बच्चे मुस्तकीम, आजाद, नेहा व जैनब हैं। कलीम की पत्नी हसीन बानो, बच्चे खुशबू, तबस्सुम, तरन्नुम, मो. आमिर गांव में रहते हैं। करीम की पत्नी बनीतुल निशा, बच्चे शोएब अ तर, रसमतुल निशा व फातिमा भी गांव में ही रहते हैं।

घुड़चढ़ी पर पहुंची महिला, मैरिज होम से गायब हुआ लड़का; पीड़िता बोली- नपुंसक है पति

आगरा। आगरा के एत्मादपुर कस्बे के एक मैरिज होम में चल रहे विवाह समारोह में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब दूल्हे की पत्नी पुलिस और परिजन के साथ पहुंची। पत्नी को देख दूल्हा मैरिज होम के पिछले दरवाजे से भाग गया। पुलिस ने मौके से दूल्हे के भाई और पिता को हिरासत में ले लिया। रात डेढ़ बजे थाना पुलिस की मौजूदगी में आपसी सुलह समझौता होने पर शनिवार सुबह दुल्हन का विवाह उसकी बड़ी बहन के देवर संग करा दिया गया। मामला शुक्रवार रात्रि कस्बे के बरहन सड़क स्थित एक मैरिज होम का है। मैनपुरी के करहल थाना क्षेत्र के गांव की 29 वर्षीय पीड़िता को सुबह नोएडा में सूचना मिली कि उसका पति जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू हाल निवासी स्टेशन सड़क, मंगलम सिटी कॉलोनी टूंडला दूसरी शादी करने के लिए बरात लेकर जा रहा है। वह नोएडा से अपने पिता और परिजन संग पति जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू के टूंडला स्थित घर पहुंची तो वहां ताला लटका मिला। टूंडला थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने जीतू का मोबाइल सर्विलांस पर लगा दिया। देर शाम उसकी लोकेशन एत्मादपुर में मिली। इस पर पीड़ित महिला के परिजन को रात नौ बजे दुर्गा मैरिज होम में बरात आने का पता चल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उस वक्त घोड़ी और बैंड-बाजे वाले बरात चढ़ाई को तैयार खड़े थे। तभी महिला के पहुंचने पर कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान दूल्हा मैरिज होम के पिछले दरवाजे से भाग गया। पुलिस ने मौके से दूल्हे के तीन परिजन को हिरासत में ले लिया। विवाह समारोह में खलल पड़ने पर दुल्हन पक्ष सकते में आ गया। सभी थाना पहुंचे तो पुलिस ने एक-एक पक्ष से पूछताछ की। इसके बाद देर रात दुल्हन पक्ष के सभी मैरिज होम आ गए। वहीं दुल्हन की बड़ी बहन की ससुराल नगला नत्थू का बुर्ज (छलेसर) जाकर रिश्ते की बात बनने पर शनिवार सुबह बैंड-बाजे संग घुड़चढ़ी की रस्म पूरी होने पर उसके देवर के साथ दुल्हन ने सात फेरे ले लिए। पीड़िता के पिता ने बताया कि वर्ष 2018 में बेटी की शादी उन्होंने रिश्तेदारों के कहने पर जीतू के बड़े भाई के साथ की थी। शादी के दस दिन बाद पता चला कि वह नपुंसक है। इस पर सभी के समझाने पर देवर जितेन्द्र के साथ बेटी का विवाह कर दिया। वर्तमान में वह दोनों नोएडा में रहते थे। जीतू वहां से दस दिन पूर्व बहनोई की तबियत खराब होने का बहाना बनाकर टूंडला आ गया था। कल बेटी को किसी ने फोन कर बताया कि जीतू दूसरी शादी करने को बरात लेकर जा रहा है। इसके बाद वह एत्मादपुर पहुंचे। वहीं, इंस्पेक्टर ने बताया को दोनों पक्षों में आपसी समझौता हो गया है।

मुझे बचाओ, फोन पर गूंजती रहीं चीखें, जबलपुर हादसे में दिल्ली की मां-बेटे और दादी की मौत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुए क्रूज हादसे में दिल्ली के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। यह परिवार एक गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने गया था। नर्मदा नदी पर बरगी जलाशय में एक क्रूज नाव पलटने से यह हादसा हुआ। दिल्ली कैंटोनमेंट के मैसी परिवार के छह सदस्य मंगलवार को जबलपुर में एक रिश्तेदार के घर समारोह में शामिल हुए थे। गुरुवार शाम को परिवार बरगी बांध पर मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित क्रूज नाव में सवार हुआ। नाव में करीब 40 यात्री थे। तभी तेज हवाओं और लहरों के कारण नाव पलट गई। इस दुर्घटना में मरीना (39), उनका चार वर्षीय बेटा त्रिशन और मां मधुर मैसी (62) की जान चली गई। मरीना के पति प्रदीप, उनकी 14 वर्षीय बेटी सिया और पिता जूलियस मैसी (65) बच गए। मरीना के भाई कुलदीप मोहन ने बताया कि उनकी बहन वीडियो कॉल पर मुझे बचाओ चिल्ला रही थी, फिर फोन कट गया। प्रदीप ने खुद को और अपनी बेटी को बचाया, लेकिन बाकी परिवार लापता हो गया। कुलदीप मोहन ने ऑपरेटरों और अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पीले मौसम अलर्ट के बावजूद पर्यटकों को कोई चेतावनी नहीं दी गई। कुलदीप ने पर्यटक स्थल पर स्थायी आपातकालीन बचाव दल न होने पर भी सवाल उठाए। एक अन्य रिश्तेदार संगीता कोरी ने बताया कि नाव में अधिक यात्री थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीणों की चेतावनी के बावजूद ऑपरेटर ने नाव को सुरक्षित किनारे की ओर नहीं मोड़ा। शुक्रवार को बरगी बांध से पांच और शव बरामद किए गए, जिससे मरने वालों की सं या नौ हो गई। छह अन्य लापता पर्यटकों की तलाश जारी है। अब तक 28 लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। बचे हुए लोगों ने लापरवाही और लाइफ जैकेट की कमी जैसे सुरक्षा चूक का आरोप लगाया है।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client 1. Mr. Rajesh Kumar and 2. Mrs. Veena Grover in respect of **Entire First Floor without Roof/Terrace Rights, part of Freehold Property built on Residential Plot of land bearing No. WZ-31, land area measuring 150 Sq. yards, out of Khasra no. 254, 276, 277 and 278, Situated in the approved/ Regularized Colony Known as Hari Singh Park, New Delhi-110056** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Bandhan Bank Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client 1) Sh. Gurmeet Singh & (2) Sh. Satnam Singh in respect of **Third Floor with Roof rights, Built Up Property No. C-35, admeasuring 55 sq. yds. out of Khasra No. 475 and 476, Gujran Khadar, Near by IBP Petrol Main Wazirabad Road Delhi, (hereinafter referred as the "Said Property")** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Piramal Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Vaneeta Sharma W/o late Mr. Ashok Sharma alias Ashok Kumar Sharma is the owner and in possession of a Freehold Residential Entire First Floor, Property bearing MCD No.139, area measuring 39.2967 Sq. Mtrs. Situated at Hari Nagar, Ashram. New Delhi-110014. Our client acquired the said property by virtue of a Relinquishment deed dated 30.06.2023, Doc. No. 4055, Book no. 1, Vol. no. 2556, on pages No. 167-173, on this dated 30.06.2023 in SR-V (1) & Rectification deed dated 11.10.2023 Doc. No. 2023/9/I/6199, Book no. 1, Vol. no. 2727, on pages No. 161-170, on this dated 11.10.2023 in SR- South East Defence Colony. In the chain of documents, the (1) Death Certificate & SMC of Late Mrs. Kamlesh Sharma W/o Late Mr. Shambhu Nath Sharma is not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold too be of MR. KRISHNA KUMAR MISHRA the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Burari New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I hitherto known as (KUMARI) NUTAN SHARMA alias NUTAN SHARMA DALAL D/o PURAN SINGH SHARMA W/o DALIP SINGH DALAL R/o C – 1/F – 5 , Span Appartment , Near ESI Hospital , Shalimar Garden Ext – 2 , Sahibabad Ghaziabad , Uttar Pradesh , 201005 have changed my name and shall hereafter be known as NUTAN SHARMA DALAL .

NAME CHANGE
It is for general information that I SATNARAYAN YADAV S/o PUJARI YADAV R/o I - 1137, Jahangir Puri, Bhalswa Jahangir Pur, PO: N.S. Mandi, North West Delhi , Delhi - 110033 declare that the name of mine has been wrongly written as SATYA NARAYAN in my minor daughter namely PREETI aged 13 years in her School Record . The actual name of my mine is SATNARAYAN YADAV Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Monica Babbar W/O Manish Babbar R/O D-6, Soami Nagar North, Panchsheel Enclave, South Delhi - 110017 Have changed my name to Monika Babbar for all future purposes,

NAME CHANGE
I, HARMEET SINGH S/O SATPAL SINGH KALRA R/O A2-1602,UNIWORLD CITY WEST,SECTOR-30,GURGAON,HARYANA-122001, DECLARE THAT HARMEET SINGH KALRA / HARMEET S KALRA AND HARMEET KALRA THESE ARE SAME PERSON AND ONE PERSON

NAME CHANGE
I,KANWAL JYOT KAUR KALRA / KANWALJYOT KAUR / KANWALJYOT KAUR KALRA/KANWALJOT KAUR KALRA W/O HARMEET KALRA R/O A2-1602,UNIWORLD CITY WEST,SECTOR-30,GURGAON,HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO KANWALJOT KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I,BABY RANI W/O GIRIRAJ R/O 775,GROUND FLOOR,SECTOR-14,GURGAON,HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO BABY FOR ALL FUTURE PURPOSES

नाम परिवर्तन
मैं मुंतयाज अहमद पुत्र फतेह मोहम्मद निवासी ओ 498 सुंदर नगरी दिल्ली 93 घोषणा करता हूं कि मेरे पासपोर्ट M4821682 में मेरा नाम त्रुटि पूर्वक मुंतयाज दर्ज है जबकि मेरा सही नाम मुंतयाज अहमद है, भविष्य में मेरा नाम मुंतयाज अहमद ही जाना पहचाना जाय। हस्ता.

नाम परिवर्तन
मैं आस मोहम्मद(Aas Mohammad) पुत्र मुंतयाज अहमद निवासी ओ 330 सुंदर नगरी दिल्ली 93 घोषणा करता हूं कि मेरे पासपोर्ट M4821923 में मेरा नाम त्रुटि पूर्वक आस मोहम्मद(Aas Mohd) दर्ज है जबकि मेरा सही नाम आस मोहम्मद (Aas Mohammad) है, भविष्य में मेरा नाम आस मोहम्मद(Aas Mohammad) ही जाना पहचाना जाय। हस्ता.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Pratyush Nandan alias Pratyush Jha S/o Nandan Kumar Jha R/o T-17, 1504, Nirala Estate, techzone-4, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, U.P-201306 have changed my name and shall hereafter be known as Pratyush Jha.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PRADEEP KUMAR KHANNA S/O MADAN LAL KHANNA R/O FF-1, Plot No.25 , Shakti Khand-2, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh Near Cambridge School, Indirapuram, PO: Shipra Sun City, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 declare that name of mine and my father have been wrongly written as PRADEEP KUMAR and MADAN LAL in my Service Record and All Educational Documents. The actual name of mine and my father are PRADEEP KUMAR KHANNA and MADAN LAL KHANNA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ZAKIR MOHAMMAD YUSUF S/O MOHAMMAD YUSUF residing at KHASRA NO-27/19 AND 27/19/20 2ND FLOOR L-TYPE GALI NO-8 NEAR AYESHA MASJID SANGAM VIHAR DELHI-110084 have changed my name to ZAKIR for all future purpose.

NAME CHANGE
I SHESHMANI SHUKLA, FATHER OF HATESH SHUKLA, WHOSE D.O.B IS 24/09/2011, R/O H. NO. 27/3, BHULAI KA PURA TELIYARGANJ, CIVIL LINES, CAVELLARY LINES PRAYAGRAJ, U. P. - 211004, DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY MINOR SON'S NAME TO HRITESH SHUKLA FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, SAURABH KUMAR S/O KAILASH CHANDRA residing at B2-402 A BLOCK KLJ GREENS SECTOR-77 FARIDABAD HARYANA-121004 have changed my name to SAURABH KUMAR TAMRAKAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ANJUM PARVEN wife of No-15582366W, Rank-HAV, Name-KALAM AZAD Residing at VILL & PO-SEORAI, TEHSIL-SEORAI, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-232333, have changed my name from ANJUM PARVEN to ANJUM PARWEEN for all future purposes vide Affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIPIN SHARMA S/o BUDH RAM SHARMA R/o H NO-1/88, SADAR BAZAR, DELHI CANTT-110010, have changed my name from VIPIN KUMAR to VIPIN SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VIKASH KUMAR AGARWAL S/O VINOD KUMAR AGARWAL R/O G-704,AQUA FRONT TOWERS,CENTRAL PARK FLOWER VALLEY, DHUNELA,SECTOR-33,GURGAON,HARYANA-122103,HAVE CHANGED MY NAME TO VIKAS KUMAR AGARWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Neelam Saini in respect of **First Floor without Roof Terrace Rights, of Built-up Freehold Property bearing no. 107, area measuring 139.50 sq. mtrs., in Block & Pocket CP, situated in the layout plan of Pitampura Residential scheme, Delhi-110088; for lost OF Property document IN Pitampura Delhi on 26.10.2018 i.e, GIFT DEED DATED 04/08/2005 MR ASHWANI PLAHA IN FAVOR OF DOLLY PLAHA, Doc. No. 26222. FIR was registered for the same in Delhi Police vide LR No. 282965/2026**. This property is mortgaged with **Bandhan Bank Limited.** Any person(s)/Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

Date of Birth Change
I GAIKWAD DROPADI RAM legally mother of Army no - 2803817L, Rank - Hav, Name - GAIKWAD ANKUSH RAM, Presently Residing At - Chikundra, Post- Horti, Teh - Tuljapur, Dist - Dharashiv, State- Maharashtra, Pin - 413602, in my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 16/12/1967, instead of my correct date of birth as 01/06/1966, vide affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I TULSA BAI legally mother of Army no -15220031X, Rank - Hav, Name - KODAG NAVNATH BAJIRAO, At - Avandhi, Post-Avandhi Teh - Jath, Dist - Sangli, State- Maharastra, Pin - 416404 have changed my name from TULSA BAI to TULASABAI BAJIRAO KODAG for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1960 instead of my correct date of birth as 01/07/1963, Vide Affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public Delhi.

Name Change
I KAVITA legally mother Army no - 2816661X, Rank - NK, Name - TARADE TUSHAR SUNIL, Presently Residing At - 240 Bamnoli turf kudal, Post-Bamnoli Turf Kudal, Teh - medha Dist - Satara, State-Maharashtra, Pin - 415514 have changed my name from KAVITA to TARADE KAVITA SUNIL for all future purposes, Vide affidavit dated 07/05/2026 before Notary Delhi.

Date of Birth Change
I NANDA PRAKASH NIKAM legally mother of Army No-2804309F, Rank-Hav, Name-Nikam VIKAS PRAKASH, At-Kodoli, Post-kodoli Teh-Satara, Dist-Satara, State-Maharashtra Pin-415004, in my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 18/02/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I mamta D/O Satbir Singh Model Town, Bhuna (63),PO: Bhuna, DIST: Fatehabad, HARYANA-125111 UNDERTAKE THAT I Mamta CHANGE MY NAME Prince AND GENDER AS MALE. I Mamta HENCEFORTH BE KNOWN AS Prince S/O Satbir Singh. THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

PUBLIC NOTICE
I Neha dahya D/O Annand dahya R/O New Ramnagar binauli road bus stand ward number 14 Baraut DIST-(Baghpat) BARAUT-250611 UNDERTAKE THAT I Neha dahya CHANGE MY NAME Nihal dahya AND GENDER AS MALE. I Neha HENCEFORTH BE KNOWN AS Nihal dahya S/O Annand dahya . THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUBHASH CHAND S/o Attar Singh, R/o Dhaulana, PO Dhaulana, Distt. Hapur, Uttar Pradesh-245301, declare that name of mine has been wrongly written as SUBHASH in my Service Record. The actual name of mine is SUBHASH CHAND, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Sandeep Kumar S/O Mohan Mittal R/O 48, Block No-4, Tyagi Mohalla, Badshahpur Gurgaon Haryana 122101 I, Have Changed My Name To Sandeep Mittal

NAME CHANGE
I Mohammad Rabban S/o Md Gulam Rasul WZ-283 Shakurpur Village Saraswati vihar North West Delhi-110034 have changed my name to Md Rabban for all future purpose

NAME CHANGE
I Sunil Kalra s/o Asha Nand R/o SD-115 Tower Appartments Vishakha Enclave Pitampura Delhi 110034 have changed my name to Sunil Kumar for all future purpose

NAME CHANGE
I Vijay Chaudhary s/o Dharam Dev R/o D-14 Shubham Enclave Paschim Vihar Delhi 110063 have changed my name to Vijay Kumar for all future purpose

NAME CHANGE
I Bhoore Singh s/o Bhopal Singh R/o C-210 Plot No 23 Satya Shanti Appt Sector 13 Rohini-Delhi 110085 have changed my name to Bhure Singh for all future purpose

NAME CHANGE
I Bhure Singh Rajouri s/o Bhopal Singh R/o C-210 Plot No 23 Satya Shanti Appt Sector 13 Rohini-Delhi 110085 have changed my name to Bhure Singh for all future purpose

NAME CHANGE
I Ranjeeta w/o Vineet Chandani R/o L-203 Arya Appartment Sector -15 Rohini North West Delhi -110089 have changed my name to Ranjeeta Panjwani for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Mohd Salim Murtaza Qadri S/o Mr. Mujtaba Baksh R/o H.No R-7, Second Floor, Front Side Nafees Road, Batla House. New Friends Colony, South East Delhi 110025, have changed my name from Mohd Salim to Mohd Salim Murtaza Qadri for all future Purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHIWANGI D/o Manindra Kumar, R/o 903, Shiksha Niketan, Sector-5, Vasundhra, PO Vasundhra, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012, have changed my name and shall hereafter be known as SHIWANGI ROY, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NEELAM SINGH wife of No.-919796K, Rank-CPL, Name-JASVEER SINGH residing at VILL-BAUND KHURD, PO & TEH -BAUND KALAN, DIST-CHARKHI DADRI, HARYANA-127025, have changed my name NEELAM SINGH to NEELAM KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SURENDER KUMAR AGRAWAL S/O KAILASH CHAND AGRAWAL R/O Yamuna-213 Agrsen Appartment Plot No-66 Patparganj I.P Extension East Delhi Delhi-110092 declare that name of mine and my father has been wrongly written as SURENDRA KR AGARWAL AND SH K C AGARWAL in my driving licence no-P07052006374956. The actual name of mine and my father are SURENDER KUMAR AGRAWAL AND KAILASH CHAND AGRAWAL respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NANCY JAIN wife of IC- 31766, Rank-Ex-MAJ, Name- Late MUKESH BHUSHAN residing at H NO-46C, POCKET-4, PHASE-1, MAYUR VIHAR, PATPARGANJ, EAST DELHI, DELHI-110091, have changed my name from NANCY JAIN to NANCY BHUSHAN for all future purposes vide Affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, A DHEEPA wife of No.-2613474K, Rank-HAV, Name-D CHIRANJEEVI residing at VPO-T PUTTUR, PS-THAVANAMPALLY, TEHSIL- T PUTTUR, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517131, have changed my name A DHEEPA to P DEEPA for all future purposes vide Affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

Name correction
I,Dhan Singh Rawat S/o Kalam Singh Rawat, aged 57 years R/o House No 110, 1st Floor, BIK Village, Dasghara, hereby declare that my name is wrongly mentioned as Dhan Singh in my passport and that my correct/full name is Dhan Singh Rawat . Both names refer to one and the same person.

(बेदखल)
मैं, SUDESH VERMA, स्वर्गीय श्री CHANDRA SHEKHAR VERMA की पत्नी, यह बताती हूँ कि मैंने अपने बेटे SAURAV VERMA और उसकी पत्नी NEHA को उसके गलत व्यवहार के लिए अपनी सभी चल/अचल/पैतृक प्रॉपर्टी/एसेट्स से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी तरह के कामों, जैसे पैसे या लेन-देन, पुलिस केस और गैर-कानूनी/कानूनी क्रिमिनल एक्टिविटी और प्रॉपर्टी के मकसद से किए गए कामों के लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं हूँगी। मैंने अपने बेटे सौरव वर्मा और उसकी पत्नी नेहा से अपने सभी संबंधों को आज़ाद कर दिया है। उसे H.NO.w®|, ALIGANJ, KOTLA MUBARAKPUR, NEW DELHI-110003में मौजूद मेरी जगह पर आने से रोक दिया है।

PUBLIC NOTICE
Mr. Vivek Kumar Mishra and Mrs. Roli Sharma Owner of the Residential Sub Leasehold Dwelling Unit bearing No. F-308, 4th Floor as per sanction plan, in Tower No. F, having Super area 1085 sq. ft., in the complex known as "AJNARA HOMES", built up Plot bearing No. 03, Sector-16B, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Vivek Kumar Mishra and Mrs. Roli Sharma have lost Original GPA executed by Mr. Vivek Kumar Mishra in favour of Mrs. Roli Sharma Sl. No. 108 in Book No.1 Vol. No. 781 at pages 367 to 378 on 18/02/2026 of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE
In a recent development, **Hon'ble Supreme Court** Judge Justice Padriwala has recused himself from hearing a matter concerning Mr. Mahendra Goenka, a businessman based out of Raipur and a key managerial person of **Euro Pratik Ispat India Private Limited.** During the proceedings, Justice Padriwala stated that he would not hear the matter, observing "who is Mahendra Goenka," and expressing his dissatisfaction before recusing himself, indicating that the case pertains to Mr. Mahendra Goenka. Mr. Goenka & his associates has been facing allegations related to forgery and cheating involving amounts reportedly running into hundreds of crores of rupees.It is important to note that these are allegations, and the matter remains subject to judicial consideration. Further proceedings in the case are expected to be listed before an appropriate bench of the Hon'ble Supreme Court.

NAME CHANGE
I, ANKUR MEHROTRA S/o RAMESH CHANDRA MEHROTRA R/o FLAT 1538, E BLOCK , Gaur Cascade, Raj Nagar Extention, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed the name of my minor Son KABEER MEHROTRA alias DAKSH MEHROTRA aged 12 Years and he shall hereafter be known as DAKSH MEHROTRA.

NAME CHANGE
I, VAIBHAVI SINGH D/o SHIVAJI PRATAP SINGH R/o F No-1786 Aster Tower Gh 05c, Gaur Sundaryam Techzone 4, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201318, have changed my name and shall hereafter be known as VAIBHAVII SIINGH.

Date of Birth Change
I GAIKWAD RAM SHANKAR legally father of Army no - 2803817L, Rank - Hav, Name - GAIKWAD ANKUSH RAM, Presently Residing At - Chikundra, Post- Horti, Teh - Tuljapur, Dist - Dharashiv, State- Maharashtra, Pin - 413602, in my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 16/12/1957, instead of my correct date of birth as 04/07/1959, vide affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change
I PRAKASH ANANDRAO NIKAM legally father of Army No-2804309F, Rank-Hav, Name-NIKAM VIKAS PRAKASH, At-Kodoli, Post-kodoli, Teh-Satara, Dist-Satara, State - Maharashtra, Pin-415004, in my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 18/02/1953 instead of my correct date of birth as 01/06/1951 vide affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change
I MALLAPPA ASARANNAVAR legally father of Army No - JC - 461949K, Rank - Sub, Name - Prakash Asarannavar, Presently Residing, At - Sutgatti, Post- deshnur, Teh - boihongal, Dist - Belgaum, State- Karnataka, Pin - 591147, In my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 02/01/1954 instead of my correct date of birth as 01/01/1943, Vide affidavit dated 07/05/2026 before Notary Delhi.

Date of Birth Change
I GANGAVVA MALLAPPA ASARANNAVAR legally mother of Army no - JC - 461949K, Rank - Sub, Name - Prakash Asarannavar, Presently Residing, At - Sutgatti, Post-deshnur, Teh - boihongal, Dist - Belgaum State- Karnataka, Pin - 591147, In my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 02/01/1969 instead of my correct date of birth as 24/05/1951, Vide affidavit dated 07/05/2026 before Notary Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद सुल्तान, पुत्रः** मोहम्मद अनीश, **निवासीः** डी–641, जेजे कॉलोनी, बवाना, दिल्ली; एवं म. नं. 121, गली नं. 3, छोटी मस्ज़िद के पास, गांव महाराजपुर, जिला गाजियाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **FIR No. 224/2024, U/s 379/411 IPC, थानाः सदर बाजार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद सुल्तान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद सुल्तान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 224/2024, U/s 379/411 IPC, थानाः सदर बाजार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद सुल्तान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री कार्तिक टपारिया
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–06 (केन्द्रीय)
कमरा नं. 247, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5881/N/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के कॉलेजों में दाखिले शुरू, उच्चतर शिक्षा विभाग ने खोला पोर्टल

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के कॉलेजों में गुरुवार से स्नातक कक्षाओं के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यार्थी 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को ही एडमिशन प्रक्रिया में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। हरियाणा में कुल 187 गवर्नमेंट कॉलेज, 96 एडिड कॉलेज व 94 प्राइवेट कॉलेज हैं। जिनमें स्नातक में दाखिले के प्रक्रिया शुरू की गई है। इससे पहले कॉलेजों ने सीटों का ब्योरा पोर्टल पर अपडेट कर दिया है। लगभग सभी कॉलेजों में बीए के लिए सर्वाधिक सीटें उपलब्ध हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए बीकॉम, बीसीए, बैचलर ऑफ साइंस इन लाइफ साइंसिज, बैचलर ऑफ साइंस इन फिजिकल साइंसिज आदि कोर्स प्रोग्राम भी संचालित किए जा रहे हैं। विभागीय शेड्यूल अनुसार कॉलेज प्रोफाइल भरने की प्रक्रिया 17 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चली। इसके बाद 7 मई से 31 मई तक ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण किया जा सकेगा। आवेदन फॉर्म में सुधार (ओटीपी के जरिए) 1 जून तक किया जा सकेगा। सभी आवेदकों की सूची 2 जून को जारी की जाएगी। जिसमें संभावित आपत्तियां या त्रुटियां भी दर्शाई जाएंगी। कॉलेजों द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन और छात्रों द्वारा आपत्तियों का निवारण 9 मई से 6 जून तक किया जाएगा। पात्र अभ्यर्थियों की मेरिट सूची के लिए प्रारंभिक सूची 8 जून को जारी होगी।

कांस्टेबल भर्ती के लिए पीएमटी का दूसरा शेड्यूल जारी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने कांस्टेबल भर्तियों के लिए फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट (पीएमटी) के लिए दूसरा शेड्यूल जारी किया है। यह भर्ती विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत हो रही है। आयोग द्वारा गुरुवार को जारी नोटिस के अनुसार, पहले जारी नोटिस (17 अप्रैल 2026) के क्रम में शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों के लिए 11 मई से 18 मई 2026 तक पीएमटी आयोजित किया जाएगा। उम्मीदवारों को अपने रजिस्ट्रेशन नंबर के अनुसार निर्धारित तिथि और शिफ्ट में रिपोर्ट करना होगा। आयोग के अनुसार अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड आधिकारिक लिंक के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग ने सलाह दी है कि उम्मीदवार समय से पहले एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सभी निर्देशों का पालन करें।

सरकार की कर्मचारियों को हिदायत,22 मई तक दाखिल करें संपत्ति विवरण

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों को वर्ष 2025-2026 के लिए अपना वार्षिक संपत्ति विवरण (एनुअल प्रॉपर्टी रिटर्न) 22 मई, 2026 से पहले दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार हरियाणा सिविल सेवाएं (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम, 2016 के नियम 24 के तहत प्रत्येक सरकारी कर्मचारी के लिए प्रत्येक वित्त वर्ष के अंत में वार्षिक संपत्ति विवरण दाखिल करना अनिवार्य है। इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि यदि उन्होंने पूर्व वर्षों का विवरण अभी तक दाखिल नहीं किया गया है तो उसे भी निर्धारित समय सीमा तक सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन भरना सुनिश्चित करें।

लोक अदालत में दो बंदी रिहा

सिरसा। जिला जेल में लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि जेल लोक अदालत में चार मामले रखे गए जिनमें से दो मामलों का निपटारा करते हुए बंदियों को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि जेल लोक अदालत का आयोजन प्रत्येक माह दो बार किया जाता है, जो माह के प्रथम एवं तृतीय आयोजित होती है। इस लोक अदालत का उद्देश्य छोटे मामलों में लंबे समय से जेल में बंद बंदियों को शीघ्र न्याय प्रदान करना है।

पुलिस ने पंजाब की महिला को काम दिलाने के बहाने एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म करने के मामले में दो आरोपियों को पंजाब क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है जो कि मुख्य षड्यंत्रकारी है। डिंग थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की रिश्तेदार महिला और एक युवक ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि किसी को बताया तो जान से मार देंगे। घटना की शिकायत पंजाब के फरीदकोट थाना में दर्ज कर आगामी कार्रवाई के लिए डिंग थाना भेजी गई थी। पीड़िता को महिला अधिवक्ता के सामने पेश कर बयान दर्ज किए गए और मेडिकल जांच करवाई गई। पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट की पुष्टि के आधार पर आरोपी मनप्रीत सिंह व रीना कौर निवासी पंजाब को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच की जा रही है।

अनाज भंडारण के लिए शाहबाद-अंबाला के बीच बनाया जाए बड़ा साइलोः नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अनाज को खराब होने से बचाने के लिए जरूरी है कि प्रदेश में पर्याप्त संख्या में वेयरहाउस व साइलो उपलब्ध हों। इसके लिए संबंधित विभाग विस्तृत कार्ययोजना बनाकर जल्द से जल्द अनाज भंडारण की समस्या का स्थाई समाधान निकालें। उन्होंने निर्देश दिए कि अनाज भंडारण के लिए शाहबाद व अंबाला के बीच साइलो (विशाल वेयरहाउस) बनाने की योजना तैयार की जाए। नायब सिंह सैनी हरियाणा सिविल सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्रदेश में अनाज भंडारण तथा पलवल व नूंह क्षेत्रों में जलापूर्ति के प्रबंधों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसानों द्वारा अनाज उत्पादन के लिए दिन-रात मेहनत की जाती है। इस अनाज के

सुरक्षित भंडारण के लिए पर्याप्त संख्या में वेयरहाउस भी होने आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शाहबाद व अंबाला के बीच किसी ऐसे स्थान पर साइलो (विशाल वेयरहाउस) के निर्माण की योजना बनाई जाए जो रेलवे लाईन व सड़क मार्ग के बीच हो। ऐसा करने से कम खर्च में पूरे देश के साथ साइलो की कनेक्टिविटी संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि साइलो के लिए रेलवे लाईन व सड़क के बीचों-बीच आवश्यकता अनुसार 100 एकड़ तक जमीन अधिगृहीत कर ली जाए। उन्होंने अधिकारियों को जमीन अधिगृहण व साइलो निर्माण की योजना तैयार करने का कार्य एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के मद्देनजर वहां सब्जियों व फलों की काफी अधिक मांग है। इसके लिए मुख्यमंत्री ने वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को हिसार एयरपोर्ट के समीप भी एक साइलो अथवा बड़े वेयरहाउस की स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने को कहा जहां सब्जियों व फलों का सुरक्षित भंडारण किया जा सके और इन्हें हिसार एयरपोर्ट के माध्यम से मिडिल ईस्ट में सप्लाई किया जा सके। ऐसा करके प्रदेश के सब्जी व फल उत्पादक किसानों को उनके उत्पादों के अधिक दाम मिल सकेंगे। जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पलवल व नूंह क्षेत्र के 108 गांवों तथा पुन्हाना नगर में ट्यूबवेल आधारित पेयजल आपूर्ति की जाती है। इसलिए भूमिगत जलस्तर को बनाए रखने के लिए जमीन को रिचार्ज करने हेतु विभाग द्वारा 7 रैनी वेल व बूस्टिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इस कार्य पर 765 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

'अभेद्य ऐप' से साइबर अपराधों पर लगेगी रोकः एसपी

एजेंसी
सिरसा। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि अभेद्य ऐप से साइबर अपराधों पर रोक लगेगी और संदिग्ध नंबरों का डेटा बैकएंड में सुरक्षित रहने से अपराधियों तक पहुंचाना भी आसान होगा। एसपी दीपक सहारण ने गुरुवार को साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान शुरू किया गया है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक कर डिजिटल ठगी से सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा कि अभेद्य ऐप साइबर सुरक्षा की ढाल के रूप में काम करेगा। यह एप अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और मास्क किए गए संदिग्ध नंबरों से आने वाली कॉल्स व व्हाट्सएप संदेशों को उपयोगकर्ता तक पहुंचने से पहले ही ब्लॉक कर देता है।

एचडीएफसी बैंक के सहयोग से शुरू किए गए ड्यूल ओटीपी सिस्टम के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और 25 लाख रुपये से अधिक राशि वाले खातों में बड़े लेनदेन के समय दो ओटीपी की आवश्यकता होगी। एक ओटीपी खाताधारक और दूसरा परिवार के विश्वसनीय सदस्य के पास जाएगा। दोनों ओटीपी दर्ज होने के बाद ही ट्रांजेक्शन पूरा होगा। इससे जल्दबाजी और मानसिक दबाव में होने वाली ठगी पर रोक लगेगी। एसपी ने बताया कि वर्तमान समय में डिजिटल अरेस्ट नामक साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है। एसपी ने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल के माध्यम से ऐसी कार्रवाई नहीं करती। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि बैंक डिटेल्स, पासवर्ड और ओटीपी किसी भी अनजान व्यक्ति से साझा न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा लॉटरी, इनाम या डराने वाले संदेशों के झांसे में न आएं।

गुरुग्राम सोहना हाईवे पर फिर धंसी सड़क

एजेंसी
गुरुग्राम। गुरुग्राम में करीब दो हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार गुरुग्राम सोहना राजमार्ग पर एक बार फिर से सड़क धंस गई। इस मार्ग को एनसीआर की सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त सड़कों में गिना जाता है। वर्ष 2023 के बाद से इस कॉरिडोर पर सड़क धंसने की यह घटना पहली नहीं है। इसके निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और भूमिगत सीवर नेटवर्क की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सड़क का हिस्सा अचानक धंसने से यातायात प्रभावित हुआ और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। गुरुवार को पीक ऑवर्स में यह जाम लगा रहा। स्थानीय प्रशासन और निर्माण एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंची तथा प्रभावित हिस्से को बैरिकेडिंग कर यातायात को डायवर्ट किया गया। शुरुआती जांच में सड़क के नीचे मौजूद पुराने और जर्जर सीवर ढांचे को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में इस मार्ग पर बार-बार सड़क धंसने की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकाला गया। लोगों ने आरोप लगाया कि भारी निर्माण कार्य और लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव के बावजूद सीवर और ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। इससे भविष्य में बड़े हादसे होने की आशंका बनी हुई है। उधर प्रशासन का कहना है कि प्रभावित हिस्से की तकनीकी जांच कराई जा रही है और संबंधित एजेंसियों को तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं।

जेल लोक अदालत में दो विचाराधीन बंदी रिहा किए

एजेंसी
गुरुग्राम। जिला कारागार भोंडसी में जेल लोक अदालत में दो विचाराधीन बंदियों के मामलों की सुनवाई करते हुए उन्हें रिहा कर दिया गया। सचिव जिला विधिक सेवायें प्राधिकरण निशा ने जेल लोक अदालत में कैदियों, बंदियों के मामलों की सुनवाई की। उन्होंने कहा कि इस जेल लोक अदालत का उद्देश्य विचाराधीन बंदियों के मामलों का शीघ्र निपटारा कर उन्हें राहत देना है। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवायें प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा यह जेल

लोक अदालत लगाई गई। इस दौरान सचिव निशा ने जेल का निरीक्षण करते हुए बंदियों को विधिक सहायता, अधिवक्ता की सुविधा और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। सुविधाओं को लेकर दिए निर्देश उन्होंने लीगल ऐड क्लिनिक का भी निरीक्षण किया और बताया कि बंदी साधारण प्रार्थना-पत्र के माध्यम से निशुल्क अधिवक्ता की सुविधा ले सकते हैं। साथ ही मुलाकात व्यवस्था, महिला बंदियों की समस्याएं, स्वास्थ्य सेवाएं, साक्षरता, खेलकूद, स्वच्छता, रहन-सहन व खान-पान की व्यवस्थाओं को लेकर सचिव निशा ने बताया कि आपातकालीन राष्ट्रीय कानूनी सहायता हेल्पलाइन 15100 पर कॉल कर घर बैठे निशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर जेल अधीक्षक विकास कौशिक, उप-अधीक्षक अनिल, जेल स्टाफ, पैनल अधिवक्ता व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों में ज्यादा संवेदनशील बनें अधिकारी : मुख्य सचिव

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी उपायुक्तों, एसडीएम और जिला प्रशासनिक अधिकारियों से आह्वान किया है कि वे 'माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' के प्रावधानों के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील रहें तथा वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों का निपटारा पूरी प्रतिबद्धता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ करें।मुख्य सचिव आज यहां 'माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' तथा 'हरियाणा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण नियम, 2009' पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में उपायुक्तों, उपमंडल अधिकारियों (एसडीएम), विधि विशेषज्ञों तथा प्रदेशभर में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से जुड़े कई सामाजिक संगठनों ने भाग लिया। रस्तोगी ने कहा कि पुरानी पीढ़ी ने वह

दौर देखा है जब संयुक्त परिवार व्यवस्था में कई पीढ़ियां एक साथ रहती थीं और बुजुर्गों की देखभाल परिवार की स्वाभाविक जिम्मेदारी मानी जाती थी। उस समय माता-पिता की उपेक्षा सामाजिक रूप से अस्वीकार्य थी तथा परिवार के अन्य सदस्य बुजुर्गों को भावनात्मक और सामाजिक सहयोग प्रदान करते थे। लेकिन बदलती सामाजिक संरचना और संयुक्त परिवारों की जगह बढ़ते एकल परिवारों के कारण अब अनेक बुजुर्ग माता-पिता या तो केवल एक संतान पर निर्भर रह गए हैं या अकेले जीवन व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे में उनके कल्याण के लिए संस्थागत सुरक्षा व्यवस्था और निरंतर निगरानी की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है।रस्तोगी ने कहा कि यह कानून केवल बुजुर्ग माता-पिता के लिए आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने का कानूनी माध्यम नहीं है, बल्कि यह वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, गरिमा, स्वास्थ्य सेवाएं, आश्रय और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करने की सामाजिक एवं नैतिक प्रतिबद्धता भी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम और कार्यशालाएं अधिकारियों की समझ को मजबूत करने और मामलों के समयबद्ध निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन को वृद्धाश्रमों, वरिष्ठ नागरिक क्लबों, आपातकालीन आश्रय सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और जिला स्तरीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन को मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी वृद्धाश्रमों का पंजीकरण सुनिश्चित करने को भी कहा। इस अवसर पर सेवा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी. अनुपमा ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियों में कानून-व्यवस्था और दैनिक प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए प्रयासरत : आरती सिंह राव

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री द्वारा नूंह जिला के गांव खोरीकलां तथा महेंद्रगढ़ जिला के गांव खातोदड़ा में दो नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गांव खोरीकलां में उप-स्वास्थ्य केंद्र (सब हेल्थ सेंटर) तथा गांव खातोदड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्थापित किया जाएगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से आसपास के गांवों के हजारों लोगों को बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को उसके नजदीक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि लोगों को उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में न जाना पड़े। नए स्वास्थ्य केंद्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, सामान्य रोगों का उपचार, प्राथमिक जांच तथा आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आरती सिंह

राव ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर नए अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र और चिकित्सा सुविधाएं विकसित कर रही है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है, जिससे आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने विश्वास जताया कि इन नए स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से नूंह और महेंद्रगढ़ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत होगी तथा लोगों को राहत मिलेगी।

ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं के एसटीपी का एचएसपीसीबी ने किया निरीक्षण

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) की टीम ने गुरुग्राम के द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास स्थित सात ग्रुप हाउसिंग/आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य इन परियोजनाओं में स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की कार्यप्रणाली एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन की स्थिति का आंकलन करना था। एचएसपीसीबी की टीम ने सेक्टर-107 स्थित एम/एस कॉजेंट रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट, सेक्टर-102 स्थित हेरिटेज मैक्स, एम/एस नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर-106 स्थित एम/एस गोदरेज रियल व्यू डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, ईमार एमजीएफ लैंड लिमिटेड का गुरुग्राम ग्रीन्स प्रोजेक्ट, जॉयविल शेपोरजी हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड की जॉयविल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी तथा सेक्टर-104 स्थित एम/एस फ्लोरेंटाइन एस्टेट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का एमराल्ड बे प्रोजेक्ट शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान सभी परियोजनाओं में स्थापित एसटीपी के इनलेट एवं आउटलेट से नमूने लिए

गए, जिन्हें विश्लेषण के लिए एचएसपीसीबी प्रयोगशाला भेजा गया है। इन नमूनों की जांच रिपोर्ट अभी प्रतीक्षित है। निरीक्षण के दौरान दो परियोजनाओं एम/एस कॉजेंट रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड (वुडशायर प्रोजेक्ट), सेक्टर-107 तथा एम/एस नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर-102 में बिना उपचारित अपशिष्ट जल के बाईपास किए जाने की स्थिति पाई गई। इस संबंध में एम/एस कॉजेंट रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड (वुडशायर प्रोजेक्ट) को एक मई 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। एचएसपीसीबी अधिकारियों ने बताया कि पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जा रहा है तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ : नायब सैनी ने सेना के शौर्य को किया नमन

बोले– जवानों का पराक्रम राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय सेना के अदम्य साहस और वीरता को सलाम किया है। मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक दिन को देश के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक बताते हुए समस्त देशवासियों और सैन्य परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री सैनी ने एक वर्ष पूर्व के उस घटनाक्रम को याद करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' हमारे वीर जवानों के पराक्रम और अनुशासन की मिसाल है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, 'ठीक एक वर्ष पहले हमारे जांबाज सैनिकों ने

पाकिस्तान के विरुद्ध अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को सिद्ध किया था। यह ऑपरेशन भारतीय सेना की उस शक्ति का प्रमाण है, जो हर चुनौती को धूल चटाने का माद्दा रखती है।' सीएम ने अपने संदेश में सैनिकों के परिवारों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सैनिकों का त्याग, अटूट समर्पण और सर्वोच्च बलिदान ही वह नींव है, जिस पर हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और गौरव टिका हुआ है। आज हम जो सुरक्षित महसूस करते हैं, वह केवल सीमा पर तैनात उन वीरों की वजह से है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहते हैं। मुख्यमंत्री का यह संदेश न केवल सेना का मनोबल बढ़ाने वाला है, बल्कि प्रदेश और देश के युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने वाला भी है। सोशल मीडिया और आधिकारिक बयानों के माध्यम से आज पूरा हरियाणा 'ऑपरेशन सिंदूर' के नायकों को याद कर रहा है।

रेवाड़ी के बावल औद्योगिक क्षेत्र की सोलर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

एजेंसी
रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के बावल औद्योगिक क्षेत्र स्थित यूटीएल सोलर फैक्ट्री में रात भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते आग की लपटों ने फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक दर्जन से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। मिली जानकारी के अनुसार फैक्ट्री के समीप लगे बिजली के ट्रांसफार्मर में अचानक धमाका हुआ, जिसके बाद आग फैक्ट्री तक फैल गई। हालांकि प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 20 कर्मचारी मौजूद थे। आग लगते ही कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग तेजी से फैलने के कारण फैक्ट्री में रखा सामान जलकर खाक हो गया। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।फायर ब्रिगेड की करीब एक दर्जन से अधिक गाड़ियां पिछले 12 घंटे से लगातार आग

बुझाने में जुटी रही। आग इतनी भीषण थी कि हर दमकल गाड़ी को 15 से 17 फेरे लगाने पड़े। आग पर काबू पाने के लिए 180 से अधिक पानी के टैंकों का इस्तेमाल किया गया। लंबे समय तक चले अभियान के कारण बचाव दल में शामिल कर्मचारियों की शिफ्ट भी बदलनी पड़ी। जानकारी के अनुसार यूटीएल सोलर कंपनी करीब 30 साल पुरानी है। वर्ष 1996 में स्थापित यह कंपनी सोलर पैनल, इनवर्टर और बैटरी निर्माण के क्षेत्र में कार्यरत है। यह कंपनी सोलर पावर बैकअप समाधान उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनियों में गिनी जाती है।

हिसार के होटल में लगी आग, पांच किलोमीटर तक दिखा धुएं का गुबार

एजेंसी
हिसार। शहर के रेड स्कवेयर मार्केट स्थित मशहूर होटल डिजायर में आग लगने से लाखों के नुकसान का अंदेशा है। होटल की किचनसे भड़की इस आग से होटल पूरा जलकर राख हो गया।अचानक भड़की आग होटल की चौथी मंजिल तक पहुंच गई, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि होटल में लगे एसी फटने लगे। इसके अलावा होटल की पार्किंग में खड़े वाहन आग की चपेट में आ गए।आसपास खड़े लोगों नेवहां खड़ी गाड़ियों को हटाया। आग की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। होटल से सटी बिल्डिंग में एक युवती भी फंस गई, जिसे स्थानीय लोगों ने सड़क पर कंबल लगाकर दूसरी मंजिल से जंप करवाकरबचाया। होटल की बिल्डिंग से गिरी ईंट महिला के सिर में लग गई। इससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पॉश क्षेत्र रेड स्कवेयर मार्केट में स्थित यह होटल डिजायर रामपुरा मोहल्ला निवासी शुभम का बताया जा रहा है। इसमें 15 कमरे हैं। होटल में आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घबराहट में लोग इधर उधर दौड़ने लगै। यहांकई कंपनियों के शोरूम, होटल और कॉमर्शियल बिल्डिंग है।बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर बाद होटल की किचन में हुई शॉर्ट सर्किट से यह आग भड़की। उस वक्त वहां मौजूद पांच कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने शोर मचाते हुए भाग कर जान बचाई। आग तेजी से फैलती देख वहां मौजूद ग्राहक भी बाहर की तरफ भागने लगे। गनीमत रही कि जब तक आग भीषण रूप धारण करती, होटल स्टाफ और ग्राहक बाहर आ चुके थे। इसके बाद तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।इस दौरान होटल के बाहर पार्किंग में खड़े कुछ वाहन भी आग की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस बिल्डिंग में डीएसए बैंक का ऑफिस भी बना है। घटना के समय एक लड़की ऑफिस में काम कर रही थी। आग लगने के बाद युवती को कॉल किया गया, मगर कॉल वेटिंग में जा रही थी। कुछ देर बाद युवती ने कॉल पिक किया। उस समय युवती काफी घबराई हुई थी।

पश्चिम एशिया संकट से मोटरसाइकिल की मांग में आई नरमी: बजाज ऑटो

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारत के दोपहिया बाजार पर भी दिखने लगा है। शुरुआती स्तर की मोटरसाइकिलों की मांग पर दबाव आया है, जबकि इलेक्ट्रिक स्कूटर की मांग बढ़ गई है। बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। दोपहिया वाहन विनिर्माता बजाज ऑटो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने विश्लेषकों के साथ चर्चा में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़े मोटरसाइकिल बाजार के अब घटकर सात-नौ प्रतिशत की वृद्धि तक ही सीमित रह जाने का अनुमान है। उन्होंने मांग में सुस्ती के संकेतों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि पहले 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा मोटरसाइकिल उद्योग अप्रैल में सिर्फ नौ प्रतिशत की दर से बढ़ा। उन्होंने कहा कि मार्च और अप्रैल के बीच एक बदलाव का बिंदु देखने को मिला, जो पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट के विभिन्न प्रभावों के कारण हुआ। इस संकट की वजह से एलपीजी की किल्लत, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, महंगाई का दबाव और उपभोक्ता धारणा में नरमी देखी गई है।शर्मा ने कहा कि मांग कमजोर होने पर किफायती दोपहिया खंड पर ज्यादा असर पड़ता है, जबकि महंगे मोटरसाइकिल खंड में अपेक्षाकृत मजबूती बनी हुई है। यह खंड उद्योग की औसत दर से लगभग दोगुनी गति से बढ़ सकता है।उन्होंने कहा कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका ने उपभोक्ताओं का रुझान इलेक्ट्रिक स्कूटर की तरफ बढ़ाने का काम किया है। कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर 'चेतक' की बिक्री मार्च तिमाही में 40 प्रतिशत बढ़ी थी और अप्रैल में भी इसमें 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।शर्मा ने कहा कि आगे बाजार की दिशा काफी हद तक ईंधन कीमतों और महंगाई को नियंत्रित करने के सरकारी प्रयासों पर निर्भर करेगी।

प्रोंटो को 2 करोड़ डॉलर का नया निवेश, मूल्यांकन 200 मिलियन डॉलर

लैची ग्रूम के नेतृत्व में निवेश के बाद सीरीज-बी चरण 4.5 करोड़ डॉलर पर संपन्न

नई दिल्ली।

घरेलू सेवाएं प्रदान करने वाले मंच प्रोंटो ने अपनी सेवाओं के विस्तार और तकनीकी उन्नयन के लिए 2 करोड़ डॉलर (लगभग 166 करोड़ रुपये) का नया निवेश सफलतापूर्वक जुटाया है। इस नवीनतम वित्तपोषण के साथ, कंपनी का मूल्यांकन लगभग एक महीने में दोगुना होकर 20 करोड़ डॉलर हो गया है, जो इसकी तेजी से बढ़ती बाजार उपस्थिति को दर्शाता है। इस निवेश दौर का नेतृत्व एआई रोबोटिक्स कंपनी फिजिकल इंटेलिजेंस के सह-संस्थापक एवं क्विक-कॉमर्स फर्म जेप्टो के शुरुआती निवेशक लैची ग्रूम ने किया। इस ताज़ा फंडिंग के साथ प्रोंटो ने अपना सीरीज-बी वित्तपोषण चरण कुल 4.5 करोड़ डॉलर पर बंद कर दिया है। अब तक प्रोंटो लगभग 6 करोड़ डॉलर जुटा चुका है, जिसके प्रमुख निवेशकों में जनरल कैटलिस्ट, बेन कैपिटल वेंचर्स, ग्लेड ब्रूक और एपिक कैपिटल शामिल हैं। प्रोंटो शहरी परिवारों को सफाई, कपड़े धोने और भोजन बनाने जैसे दैनिक कार्यों के लिए प्रशिक्षित और सत्यापित पेशेवरों से जोड़ता है। स्टार्टअप के अनुसार, सीरीज-बी के पहले चरण के बाद उसकी दैनिक बुकिंग बढ़कर 26,000 हो गई है, जबकि चार महीने में इसका कार्यबल 6,500 पेशेवरों तक पहुंच गया है, जो इसकी तेजी से बढ़ती पहुंच और स्वीकार्यता को दर्शाता है। प्रोंटो के एक अे धिकारी ने कहा कि असंगठित श्रम को संगठित करना आने वाले दशक में सेवा क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव होगा। यह उपभोक्ता अर्थव्यवस्था की सबसे कठिन समस्याओं में से एक है। हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा श्रम संगठन मंच बनना है। यह निवेश प्रोंटो को अपने लक्ष्य की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने में मदद करेगा।

पीएम पैनल की निजी क्षेत्र में पितृत्व अवकाश की वकालत

निजी क्षेत्र में वैधानिक प्रावधान और वित्तपोषण मॉडल का प्रस्ताव

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने श्रम मंत्रालय से पितृत्व अवकाश नीतियों में चरणबद्ध सुधार लाने का आह्वान किया है। परिषद का कहना है कि वर्तमान में निजी क्षेत्र में ऐसे अवकाश के लिए कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है, जिससे देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों में असंतुलन बना हुआ है। परिषद ने अपने शोधपत्र 'रीइमैजिनिंग द केयर इकनॉमी' में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। परिषद ने सिफारिश की है कि पहले चरण में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए वैधानिक पितृत्व अवकाश का विस्तार किया जाए।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 114 अंक गिरा, निफ्टी 24,326.65 पर फिसला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114 अंक टूटकर 77,844.52 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.30 अंक नीचे आकर 24,326.65 पर बंद हुआ। आज सुबह गिफ्टी में कमजोरी दिख रही थी। बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव हावी रहा। लार्जकैप कंपनियों के शेयरों में दबाव को मिल रहा था जबकि मिडकैप स्टॉक्स में एक नई तेज़ी रही। .निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा बढ़त एचडीएफसी लाइफ में देखने को मिली, जिसमें 3.15 फीसदी की बढ़त देखने को मिली. इसके बाद, बजाज ऑटो में 2.78 फीसदी बढ़त, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.12 फीसदी की बढ़त, ग्रासिम इंडस्ट्रीज में 1.58 फीसदी की तेज़ी और एनटीपीसी में 1.40 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट क्वालिटी वॉल्स में 2.95 फीसदी की रही। इसके बाद, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.94 फीसदी की गिरावट, टीसीएस में 1.40 फीसदी की गिरावट, टेक महिंद्रा में 1.27 फीसदी की गिरावट और टाइटन कंपनी में 1.20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। जापान के निक्केई और अमेरिकी शेयर बाजारों ने रिकॉर्ड नए स्तरों को छुआ, वहीं घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में गिरावट पर दिखे। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 95 अंकों की गिरावट के साथ 77,862 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 16 अंक फिसलकर 24,314 पर पहुंच गया। आज एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 इंडेक्स जोरदार तेजी के साथ 5 फीसदी से अधिक चढ़कर पहली बार 62,000 के स्तर के पार पहुंच गया, जो एक नया रिकॉर्ड है।

तेलंगाना सरकार का स्वयं सहायता समूहों को 27,000 करोड़ ऋण देने का लक्ष्य

हैदराबाद । तेलंगाना सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इन समूहों को लगभग 27,000 करोड़ रुपये (26,621.47 करोड़ रुपये) का ऋण उपलब्ध कराने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया सीताक्का ने बृहस्पतिवार को वार्षिक ऋण योजना जारी करते हुए इस लक्ष्य की घोषणा की। यह लक्ष्य पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में बैंकों द्वारा दिए गए 25,228.89 करोड़ रुपये के ऋण से अधिक है, जो राज्य में महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तेलंगाना में वर्तमान में 67 लाख सदस्यों के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों का एक सशक्त नेटवर्क मौजूद है। सरकार एक करोड़ लोगों को करोड़पति बनाने के अपने व्यापक दृष्टिकोण के तहत इन समूहों को विभिन्न पहलों में शामिल कर रही है, जिनमें एसएचजी द्वारा संचालित सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, अम्मा आदर्श पाठशाला का प्रबंधन और स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई जैसे कार्य शामिल हैं। ये कदम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

साइबर सुरक्षा में एयरटेल का बड़ा कदम; हाइब्रिड दफ्तरों के लिए देश का पहला यूनिफाइड ज़ीरो ट्रस्ट समाधान लॉन्च

कंपनियों के सुरक्षा खर्च में होगी 30त्न तक की बचत; एआई-संचालित हमलों से निपटने के लिए बनाया अभेद्य कवच

नई दिल्ली ।

एआई-संचालित साइबर हमलों के बढ़ते खतरों और जटिलताओं के बीच, भारती एयरटेल की बी2बी इकाई एयरटेल बिज़नेस ने आज 'एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स' लॉन्च किया है। यह हाइब्रिड मॉडल पर काम करने वाले उद्यमों के लिए भारत का पहला पूर्णतः प्रबंधित और एकीकृत ज़ीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर सुरक्षा समाधान है। वर्ष 2025 में दर्ज हुई 20 लाख से अधिक साइबर सुरक्षा घटनाओं को देखते हुए, यह प्लेटफॉर्म उद्यमों के लिए एंड-टू-एंड और नियमों के अनुरूप सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराता है।

एयरटेल बिज़नेस के सीईओ शरत सिन्हा ने बताया कि यह समाधान न केवल सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करता है, बल्कि उद्यमों के साइबर सुरक्षा खर्च में 30 प्रतिशत तक की कमी भी सुनिश्चित करेगा। एयरटेल के 24×7 विशेषज्ञों की निगरानी और राष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा विशेषज्ञता संगठनों को अपने स्वयं के सुरक्षा बुनियादी ढांचे को चलाने के परिचालन बोझ से मुक्त करेगी, जिससे वे अपने मुख्य व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह समाधान उपयोगकर्ताओं, उपकरणों और नेटवर्क के हर टच पॉइंट को सुरक्षित करता है। इसका एकीकृत डैशबोर्ड उद्यमों को उनके पूरे नेटवर्क और डेटा का एक ही जगह पर सिंगल व्यू प्रदान करता है। इसके साथ ही, एयरटेल ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भी अनावरण किया है, जहाँ उद्यम इस अभेद्य सुरक्षा प्रणाली का लाइव अनुभव ले सकेंगे।

ऊर्जा बाधाओं से भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान: रिपोर्ट

विकसित भारत 2047 के लिए ऊर्जा व खाद्य सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं और बाहरी आर्थिक झटकों के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी आ सकती है।

एसएंडपी ग्लोबल और क्रिसिल ने एक संयुक्त रिपोर्ट में यह आशंका जताई, जिसमें देश की विकास दर 7.1 प्रतिशत के पिछले अनुमान से घटकर 6.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई है।

यह गिरावट वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और अस्थिर बाजार स्थितियों का परिणाम है। इंडिया फारवर्ड शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं, तेल और गैस की बढ़ती कीमतों तथा मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जैसे बाहरी आर्थिक झटकों का सामना कर रहा है।

ऐसी स्थिति में विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा से जुड़े सुधारों के साथ-साथ रणनीतिक भंडार तैयार करने के लिए एक व्यापक ऊर्जा भंडारण नीति की आवश्यकता पर बल दिया गया है। क्रिसिल के एक अर्थशास्त्री ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने से रुपए में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी अर्थव्यवस्था पर दोहरा झटका डाल रही है, जिससे वृद्धि पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने मौजूदा हालात में ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा पर तत्काल ध्यान देने की वकालत की, खासकर रबी फसलों के लिए उर्वरक की संभावित कमी को देखते हुए। हालांकि, खरीफ फसलों के लिए स्थिति अभी बेहतर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक कच्चे

तेल की ऊंची कीमतों का असर थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर अधिक दिखेगा, जबकि सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की कीमतों को स्थिर रखने के कारण खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा।

हालांकि, वाणिज्यिक एलपीजी के दाम बढ़ाए गए हैं। मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 3.4 फीसदी के एक साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जबकि थोक मुद्रास्फीति 3.88 फीसदी के 38 महीने के उच्च स्तर पर रही। अप्रैल के मुद्रास्फीति आंकड़ों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जिससे केंद्रीय बैंक की चिंताएं बढ़ सकती हैं।

पेटीएम ने एनबीएफसी लाइसेंस योजना को खारिज किया

कंपनी ने लाभ में वापसी दर्ज की, आरबीआई कार्रवाई का कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं

नई दिल्ली।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस, जिसके पास लोकप्रिय भुगतान ब्रांड पेटीएम का स्वामित्व है, ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए आवेदन करने की योजना से इनकार किया है। कंपनी ने अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए साझेदारी मॉडल पर जोर दिया है, जहां वह वितरण, प्रौद्योगिकी और वसूली का काम संभालेगी, जबकि प्रतिष्ठित ऋण साझेदार पूंजी और जोखिम का प्रबंधन करेंगे। यह घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के

खिलाफ हालिया कार्रवाई के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें नियामक मानदंडों के अनुपालन में विफलता का हवाला दिया गया था। हालांकि, वन97 कम्युनिकेशंस ने स्पष्ट किया है कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा, और उसकी सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।

कंपनी ने अपनी जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन भी दर्ज किया है, जिसमें 183 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल की इसी अवधि में 545 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम ने भारत में भुगतान के बढ़ते बाजार को एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें उसकी बाजार हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 42 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.07 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के तनाव कम करने और बातचीत फिर से शुरू करने के लिए करार पर चर्चा करने की खबरों के बाद बाजार की भावना में अचानक बदलाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 28 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया बुधवार को 69 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.49 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 98.01 पर रहा।

एलजी का मेगा 2026 धमाका अब भारत से दुनिया को जाएगी ठंडक, 22 देशों को एक्सपोर्ट होंगे मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स

एआई वाली वॉशिंग मशीन और बिना नल वाला जादुई फ्रिज लॉन्च; नोएडा बना ग्लोबल हब

नोएडा ।

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी एलजी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करते हुए वर्ष 2026 के लिए अपना फ्यूचर-रेडी होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो पेश कर दिया है। नोएडा में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने अपनी प्रसिद्ध 'एसेंशियल सीरीज' के विस्तार के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक पर आधारित प्रीमियम वॉशिंग मशीन और अत्याधुनिक फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज से पर्दा उठाया। एलजी की यह नई पहल न केवल प्रीमियम श्रेणी के ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए है, बल्कि इसके जरिए आधुनिक तकनीक को किफायती-प्रीमियम श्रेणी में लाकर मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुँचाना भी कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

इस लॉन्च की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी एलजी का 'मेक-इन-इंडिया' से 'मेक-इंडिया-ग्लोबल' की ओर बढ़ता कदम है। कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि भारत अब उनके लिए केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विनिर्माण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। इसी रणनीतिक बदलाव के तहत नोएडा और पुणे के कारखानों में निर्मित इन विश्वस्तरीय उत्पादों को साल 2026 तक एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के 22 प्रमुख देशों में निर्यात किया जाएगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जीयोन ने इस अवसर पर कहा कि उनका ध्येय ऐसी तकनीक प्रदान करना है जो भारतीय जीवनशैली को सरल और स्मार्ट बनाने के साथ-साथ वैश्विक मानकों पर भी खरी उतरे।

तकनीक के मोर्चे पर कंपनी ने कई फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स पेश किए हैं जो उपभोक्ताओं के घरेलू कामों को बेहद आसान बना देंगे। कंपनी ने भारत का पहला ऐसा फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर पेश किया है जो बिना किसी बाहरी नल कनेक्शन या प्लंबिंग के ही ऑटो आइस मेकर की सुविधा प्रदान करता है। वहीं लॉन्ड्री सेगमेंट में एआई डीडी 2.0 तकनीक को शामिल किया गया है, जो कपड़ों के वजन और उनके फैब्रिक की कोमलता को स्वयं पहचानकर सबसे सटीक धुलाई चक्र का चयन करने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, भारतीय रसोई की विशेष जरूरतों और जिद्दी मसालों के दागों को ध्यान में रखते हुए 'ट्रू स्टीम' डिशवॉशर उतारा गया है, जो एक साथ 92 बर्तनों को साफ करने की अभूतपूर्व क्षमता रखता है।

इनक्रेड होल्डिंग्स का आईपीओ से15,000 करोड़ मूल्यांकन हा सिल करने का लक्ष्य

कंपनी ने सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इनक्रेड होल्डिंग्स ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं।

कंपनी इस निर्गम के जरिए लगभग 3,000-4,000 करोड़ रुपये जुटाने और 15,000 करोड़ रुपये का मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य बना रही है। इस प्रस्तावित आईपीओ में 1,250 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 9.9 करोड़ शेयरों तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होगी

नए निर्गम से प्राप्त राशि मुख्य रूप से कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी, इनक्रेड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएफएसएल) के टियर-1 पूंजी आधार को मजबूत करने, ऋण गतिविधियों का समर्थन करने और पूंजी पर्याप्तता में सुधार के लिए डाली जाएगी। 2017 में स्थापित इनक्रेड होल्डिंग्स, आरबीआई-पंजीकृत एनबीएफसी आईएफएसएल के माध्यम से परिचालन करती है। कंपनी ने नवंबर में गोपनीय रूप से आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए नियामक की मंजूरी भी प्राप्त कर ली है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी अब उचित समय पर बाजार में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पोस्ट ऑफिस एनएससी 7.7 फीसदी ब्याज दर से पाएं सुरक्षित और टैक्स-फ्री रिटर्न

सिर्फ 10 लाख रुपए निवेश पर मिलेगा 4.49 लाख रुपए ब्याज पक्का

मुंबई ।

अपनी गाढ़ी कमाई पर सुरक्षित और आकर्षक रिटर्न पाने के इच्छुक निवेशकों के लिए पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एसएससी) स्कीम एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है। सरकार समर्थित होने के कारण इसमें निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है, वहीं मौजूदा 7.7 फीसदी सालाना ब्याज दर बैंकों की एफडी से काफी बेहतर है। यह योजना निवेशकों को न केवल चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ देती है, बल्कि आयकर की धारा 80सी के तहत टैक्स बचत का मौका भी प्रदान करती है। एनएससी में निवेश करने पर फिलहाल 7.7 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है, जो चक्रवृद्धि ब्याज के रूप में जुड़ता है। इस स्कीम का पूरा लाभ लेने के लिए 5 साल की लॉक-इन अवधि तक निवेश बनाए रखना जरूरी है। यह योजना महज 1000 रुपये से शुरू की जा सकती है और निवेश की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भी उनके नाम पर यह खाता खोला जा सकता है, जिसे माता-पिता द्वारा संचालित किया जा सकता है। टैक्स बचाने के लिहाज से भी एनएससी

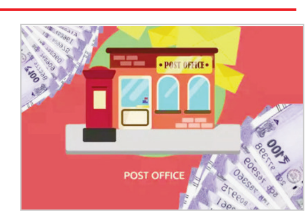

फायदेमंद है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत निवेशक सालाना 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं।रिटर्न की बात करें तो, अगर आप इसमें 10 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करते हैं, तो 7.7 प्रतिशत की दर से 5 साल बाद यह राशि बढ़कर करीब 14.49 लाख रुपये हो जाती है। इसमें लगभग 4.49 लाख रुपये सिर्फ ब्याज से प्राप्त होते हैं, जो बिना किसी जोखिम के एक मजबूत रिटर्न है। हालांकि, इस योजना में निवेश करते समय एक महत्वपूर्ण बात का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि निवेशक मैच्योरिटी से पहले अपना खाता बंद करता है, तो उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। नियमों के अनुसार एक साल बाद भी यदि खाता बंद किया जाता है, तो केवल मूल जमा राशि ही वापस मिलती है, और उस पर अर्जित ब्याज का कोई लाभ नहीं दिया जाता। इसलिए, योजना का पूरा फायदा उठाने के लिए पूरे 5 साल की अवधि तक निवेश बनाए रखना ही सबसे उचित है।

आरबीआई ने बदले विदेशी मुद्रा नियम, अब नए एफएफएमसी लाइसेंस जारी नहीं

प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार; तीन श्रेणियों में होंगे आवेदन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) लेनदेन संबंधी नियमों में बड़ा बदलाव किया है। 30 अप्रैल को जारी अधिसूचना के अनुसार, अब नए फुल फ्लेज्ड मनी चेंजर्स (एफएफएमसी) को लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य फॉरेक्स सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और अनुपालन को सुगम बनाना है। आरबीआई ने अधिकृत संस्थाओं के मौजूदा ढांचे की समीक्षा कर प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार करने का निर्णय लिया है, जिससे जांच-परख के बाद बेहतर विदेशी मुद्रा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। अब विदेशी मुद्रा से जुड़े किसी भी लेनदेन के लिए संस्थाओं को आरबीआई की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। नए आवेदनों पर तीन श्रेणियों में विचार किया जाएगा- एडी केटेगिरी-1(बैंक), एडी केटेगिरी-2 न्यूनतम 2 साल के अनुभव वाले एनबीएफसी, मौजूदा एफएफएमसी या फॉरेक्स एजेंट) और एडी केटेगिरी-3 (नए व इनोवेटिव उत्पाद देने वाली संस्थाएं)। यह बदलाव विदेशी मुद्रा सेवाओं को अधिक

व्यवस्थित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।- प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार; तीन श्रेणियों में होंगे आवेदन

जितनी बड़ी जीत भरोसे पर खरा उतरने की उतनी बड़ी चुनौती!

मनोज कुमार अग्रवाल

यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था। 2011 में वाम शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने बंगाल की राजनीति को अपनी शैली, अपनी भाषा और अपने संगठन के बल पर चलाया। लेकिन इस बार के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता। मतदाता जब बदलाव का मन बना लेता है, तो सबसे मजबूत शासन भी कमजोर पड़ सकता है। मतगणना के बाद अनुसार भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि तृणमूल कांग्रेस काफी पीछे रह कर सिर्फ 81 सीट पर जीत हासिल कर सकी है । बंगाल का राजनीतिक इतिहास संघर्ष, विचारधारा और जनभावना से भरा रहा है। कभी वामपंथी राजनीति का मजबूत किला रहे इस राज्य में बाद के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई। ममता बनर्जी ने लंबे समय तक खुद को बंगाल की जनता की आवाज के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि जनता समय-समय पर सत्ता को परखती है और आवश्यकता पड़ने पर बदलाव का निर्णय भी करती है। इस चुनाव में सामने आए रुझान बताते हैं कि जनता ने विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही के मुद्दों पर गंभीरता से मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह परिणाम अभूतपूर्व है, क्योंकि जिस राज्य में कभी पार्टी की उपस्थिति सीमित मानी जाती थी, वहां बहुमत की दहलीज तक पहुंचना संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर की तैयारी और राजनीतिक रणनीति की सफलता को दशार्ता है। भाजपा ने पिछले वर्षों में बंगाल के ग्रामीण इलाकों, सीमावर्ती क्षेत्रों, चाय बागान क्षेत्रों, मतुआ समाज, आदिवासी इलाकों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश की। इस चुनाव में उस मेहनत का असर रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय है। हकिकत यह कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए लंबे समय तक सत्ता में बने रहना एक बड़ी चुनौती होता है। समय के साथ सत्ता के प्रति जनता की अपेक्षाएं बढ़ती हैं। यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर लोगों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो असंतोष धीरे-धीरे जनादेश में बदल जाता है। बंगाल में भी एंटी-इंकंवेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रतीत होती है। तृणमूल के कई मजबूत नेताओं की हार या पिछड़ना इस बात का संकेत है कि जनता ने केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय प्रदर्शन और जनसंपर्क के आधार पर भी मतदान किया है। इस बदलाव की पहली बड़ी वजह मतदाता सूची की पुनर्समीक्षा रही। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद राज्य की मतदाता सूची से करीब 91 लाख नाम हटाए गए है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में बड़ी संख्या में नाम हटे, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस के मजबूत इलाकों में गिना जाता रहा है। चुनाव आयोग की दृष्टि से यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए थी, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इसका असर बहुत गहरा दिखाई दिया। टीएमसी का पारंपरिक सामाजिक समीकरण कमजोर पड़ा और भाजपा को इसका लाभ मिला। दूसरी अहम वजह बंगाली अस्मिता की लड़ाई रही। ममता बनर्जी लंबे समय से भाजपा को बाहरी बताकर बंगाल की की संस्कृति, भाषा और खानपान से जोड़कर राजनीति करती रही हैं। लेकिन भाजपा ने इस बार इस प्रतीक को अपने खिलाफ हथियार बनने नहीं दिया। उसने यह संदेश देने की कोशिश की कि उसका हिंदुत्व बंगाल की संस्कृति से टकराता नहीं, बल्कि बंगाल की शाक्त परंपरा, मां काली की उपासना और स्थानीय जीवनशैली के साथ चल सकता है। यही वह मोड़ था जहां ममता बनर्जी का सांस्कृतिक एकाधिकार कमजोर पड़ा। तीसरी वजह पहचान और ध्रुवीकरण की राजनीति रही। बंगाल में पहले भी धार्मिक पहचान चुनावी विमर्श का हिस्सा रही है, लेकिन इस बार भाजपा ने इसे अधिक आक्रामक ढंग से उठाया। तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए भाजपा ने हिंदू मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने की कोशिश की। काली बनाम काबा जैसे नारों ने चुनावी बहस को भावनात्मक और धार्मिक पहचान की दिशा में मोड़ दिया। यह राजनीति विवादास्पद हो सकती है, लेकिन चुनावी दृष्टि से इसका असर साफ दिखा। जिन इलाकों में हिंदू मतों का बिखराव था, वहां भाजपा ने उन्हें अपने पक्ष में संगठित करने में सफलता पई। चौथी वजह युवा मतदाताओं की आकांक्षा रही। बंगाल का एक बड़ा युवा वर्ग पिछले पंद्रह वर्षों से तृणमूल शासन के वातावरण में बड़ा हुआ। इस पीढ़ी के सामने सवाल केवल नकद सहायता योजनाओं या स्थानीय लाभों का नहीं था, बल्कि रोजगार, उद्योग, निवेश और बेहतर भविष्य का था। भाजपा ने सोनार बांग्ला और डबल इंजन सरकार के नारे के जरिए इसी आकांक्षा को छुआ। यह संदेश दिया गया कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से निवेश, आधारभूत ढांचा और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मतुआ समुदाय के बीच नागरिकता के मुद्दे को उठाकर भाजपा ने एक और महत्वपूर्ण सामाजिक आधार को अपने पक्ष में मजबूत किया। पांचवीं वजह कांग्रेस और वाम दलों की राजनीतिक अनुपस्थिति रही। बंगाल की राजनीति कभी वामपंथ का गढ़ थी। कांग्रेस भी लंबे समय तक राज्य में प्रभावशाली रही। लेकिन इस चुनाव में मुकाबला लगभग सीधे भाजपा और टीएमसी के बीच सिमट गया। जब तीसरी ताकत कमजोर हो जाती है, तो सत्ता विरोधी वोट सीधे सबसे मजबूत विपक्षी दल को मिलते हैं। भाजपा को यही लाभ मिला। 2021 में जिन सीटों पर भाजपा मामुली अंतर से हार गई थी, इस बार वोट स्विंग ने उन सीटों को उसके पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि इस जनादेश को केवल भाजपा की जीत और तृणमूल की हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह बंगाल के मतदाता का संदेश भी है कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन वे शासन की कमियों, रोजगार की कमी, भ्रष्टाचार के आरोपों और संगठनात्मक अहंकार की भरपाई हमेशा नहीं कर सकीं। ममता बनर्जी ने बंगाल को वाम शासन से बाहर निकालकर नई दिशा दी थी, लेकिन लंबी सत्ता अपने साथ थकान भी लाती है। सत्ता जब संगठन से बड़ी हो जाती है, तो जनता विकल्प तलाशने लगती है। भाजपा के लिए यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। बंगाल केवल एक चुनावी राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, बौद्धिक और राजनीतिक चेतना की भूमि है। यहां शासन करना केवल बहुमत से संभव नहीं होगा। भाजपा को यह साबित करना होगा कि वह बंगाल की भाषा, संस्कृति, विविधता और सामाजिक संतुलन का सम्मान करते हुए विकास का मौडल दे सकती है। यदि वह केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रही, तो यह जनादेश जल्द ही चुनौती में बदल सकता है। बंगाल का यह चुनाव बताता है कि लोकतंत्र में कोई भी सत्ता स्थायी नहीं होती। जनता चुप रहती है, देखती है, परखती है और समय आने पर फैसला सुनाती है। 2026 के इसी फैसले की गूंज हैं। यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।बंगाल की सत्ता में आने पर भाजपा की जिम्मेदारी है कि उसे अपने कार्यकताओं को टीएमसी सरीखा बनने से बचाना है और इस विशाल जनमत का सम्मान करते हुए प्रदेश के विकास और भविष्य की दिशा में काम करना है ताकि बंगाल के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

संपादकीय

चेतावनी के धमाके

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड ?यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड ?यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ह्यपीठ में छूरा घोंपनाह्ल बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरूआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत का संकेत दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विवेक रामास्वामी बने ओहायो गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार, केसी पुच को प्राइमरी चुनाव में हराया

कोलंबस (ओहायो), एजेंसी। भारतीय मूल के उद्यमी और डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक विवेक रामास्वामी ने मंगलवार को ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया है। प्राइमरी चुनाव के अनौपचारिक नतीजों के अनुसार, उन्होंने कार डिजाइनर केसी पुच को हराकर अपनी जगह पक्की की। अब वह रस्ट बेल्ट के इस महत्वपूर्ण प्रांत में रिपब्लिकन पार्टी का चेहरा होंगे। बायो-टेक एंटरप्रेन्योर विवेक रामास्वामी ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप के खिलाफ दावेदारी पेश की थी। हालाँकि वे प्राइमरी में हार गए थे, लेकिन उस अभियान ने उन्हें पूरे अमेरिका में एक प्रभावशाली वक्ता और नेता के रूप में पहचान दिलाई। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन किया और अब वे उनके आशीर्वाद के साथ ओहायो की राजनीति में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। आम चुनाव में रामास्वामी का सामना डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से होगा। एमी एक्टन ओहायो की पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक रही हैं और वे अपनी पार्टी की ओर से निर्विरोध चुनी गई हैं। रामास्वामी ने अपने प्रचार के दौरान एमी एक्टन की स्वास्थ्य नीतियों और 'कोविड विचारधारा' पर तीखे हमले किए हैं। ओहायो के वर्तमान गवर्नर माइक डीवाइन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और वे नियमों के कारण दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकते। रामास्वामी की इस जीत ने ओहायो की राजनीति में एक नए युग का संकेत दिया है। रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद है कि रामास्वामी की युवा ऊर्जा और ट्रंप के समर्थकों का आधार उन्हें नवंबर में होने वाले आम चुनाव में जीत दिलाएगा।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर, पारामारीबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामरिबो (सूरीनाम), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारीबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है। जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकजुटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

ट्रंप का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान, जारी रहेगी नाकेबंदी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (लोकल टाइम) को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान किया. साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि ईरान के पोर्ट्स पर नाकेबंदी जारी रहेगी. 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का मकसद खाड़ी में बढ़ते क्षेत्रीय टेंशन के बीच होर्मुज स्ट्रेट में फंसे कमर्शियल जहाजों को निकलने में मदद करना है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के अनुरोध के बाद लिया गया, जो वाशिंगटन और तेहरान और दूसरे देशों के बीच शांति समझौते के लिए मध्यस्थ के तौर पर काम कर रहा है. ट्रंप ने आगे दावा किया कि यह फैसला ईरान के खिलाफ कैंपेन के दौरान मिली बड़ी मिलिट्री बढ़त और ईरानी प्रतिनिधियों के साथ संभावित समझौते की दिशा में हुई प्रगति के बाद लिया गया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यह रोक इसलिए लगाई गई थी ताकि यह देखा जा सके कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच एग्रीमेंट को फाइनल किया जा सकता है या नहीं और उस पर साइन किया जा सकता है या नहीं. पोस्ट में कहा गया, 'पाकिस्तान और दूसरे देशों की रिक्वेस्ट के आधार पर ईरान देश के खिलाफ कैंपेन के दौरान हमें जो जबरदस्त मिलिट्री कामयाबी मिली है।

स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ीं?: स्थानीय चुनावों में भारी नुकसान का डर, पार्टी में उठे बगावत के सुर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने तो इस चुनाव में अपना खास नारा ही 'रिफॉर्म को वोट दें, स्टार्मर को बाहर करें' रख लिया है। वैसे तो अगला राष्ट्रीय चुनाव साल 2029 तक नहीं होना है, लेकिन अगर गुरुवार को लेबर पार्टी बुरी तरह हारती है, तो स्टार्मर के खिलाफ उनकी अपनी ही पार्टी में एक बड़ी बगावत शुरू हो सकती है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, भारी जीत के दो साल के अंदर ही स्टार्मर अब लोगों की निराशा का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं।

बढ़ा दी है प्रधानमंत्री की परेशानी : जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कीर स्टार्मर ने कई ऐसी गलतियां की हैं, जिससे उनकी साख को भारी धक्का लगा है। उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, खस्ताहाल बुनियादी सेवाएं सुधारने और महंगाई कम करने के अपने वादों में पूरी तरह नाकाम रही है। इसके साथ ही, ईरान के साथ अमेरिकी-इस्राइली युद्ध के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया है। इस युद्ध ने होर्मुज के रास्ते से आने वाले तेल की सप्लाई को रोक दिया है। इसके अलावा, एक दागी छवि वाले पीटर मैंडेलसन को वाशिंगटन का राजदूत बनाने के उनके अजीब फैसले से भी देश की जनता और पार्टी के नेता बहुत ज्यादा खफा चल रहे हैं। स्टार्मर की जगह कौन सा नेता लेगा? जानकारों का अनुमान है कि लेबर पार्टी इंग्लैंड की 2,500 में से आधी से ज्यादा सीटें बहुत बुरी तरह हार सकती है। यह लेबर पार्टी और प्रधानमंत्री दोनों के लिए बहुत ही खतरे की घंटी है। अगर चुनाव में इतनी करारी हार होती है, तो स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, पूर्व उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर या मेयर एंडी बर्नहैम जैसे बड़े नेता स्टार्मर को पद से हटाने के लिए सीधी चुनौती दे सकते हैं। नियम के अनुसार किसी भी नेता को ऐसा करने के लिए संसद में कम से कम 80 सांसदों के समर्थन की सख्त जरूरत होगी। जानकारों का साफ कहना है कि अब यह सवाल नहीं है कि स्टार्मर जाएंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि वह कब जाएंगे। ब्रिटेन का राजनीति बदलने वाली हैं? दशकों से ब्रिटेन में केवल दो ही मुख्य पार्टियां सत्ता के आस-पास रही हैं, लेकिन अब यहां की राजनीति पूरी तरह बदल रही है। इस बार लेबर पार्टी का वोट 'ग्रीन पार्टी' और 'रिफॉर्म यूके' जैसी पार्टियों में बंटने की पूरी उम्मीद है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ब्रिटेन अब 'पांच-पार्टी सिस्टम' की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वेल्स में एक सदी से राज कर रही लेबर पार्टी अब तीसरे नंबर पर खिसक सकती है और वहां 'प्लेड सिमरू' पार्टी चुनाव जीत सकती है। वहीं, स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' ने कड़ा ऐलान किया है कि अगर वह चुनाव जीती तो ब्रिटेन से आजादी के लिए एक नया जनमत संग्रह कराएगी। अब पुरानी राजनीति खत्म हो रही है और बदलाव तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

चेन्नई, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है। अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

टेक्सास में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 घायल, पुलिस ने हमलावर को किया अरेस्ट

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में एक माल में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 लोगों के घायल होने के बाद इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। यह दर्दनाक घटना अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को घटी है। एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक से वहां मौजूद पांच लोगों पर ताबड़तोड़ तरीके से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस भयानक और हिंसक वारदात में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस हमले के मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के अनुसार यह कोई अचानक किया गया हमला नहीं था बल्कि एक सोची-समझी साजिश लग थी। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच कोई पुराना विवाद था। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया है और पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी सुरक्षा की जा रही है। घातक हमले की क्या है असली वजह? कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने बताया कि यह सभी लोग किसी खास व्यावसायिक मीटिंग के लिए मिले थे। हमले का असली मकसद अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन आपसी रंजिश की बड़ी आशंका जताई है। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर इस हिंसक वारदात को अंजाम देने की असली वजह क्या थी। यह दिल दहला देने वाली घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध के टाउन प्लाजा में घटी है। यह प्लाजा डलास शहर से करीब 32.1 किलोमीटर दूर स्थित है और यहां हमेशा लोगों की काफी ज्यादा भीड़ रहती है। अचानक गोलीबारी की आवाज सुनते ही पूरे प्लाजा में भारी दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई पुलिस अधिकारी प्लाजा के अंदर हथियारों के साथ तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। इस बड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ एफबीआई की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई है। अन्य कई संघीय जांच एजेंसियां भी इस बड़े मामले की जांच करने में स्थानीय प्रशासन की मदद कर रही हैं। कारोबार के विवाद में किया हमला स्थानीय पुलिस के अनुसार व्यावसायिक मीटिंग के दौरान ही किसी बात को लेकर इन लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसी गंभीर विवाद के चलते हमलावर ने गुस्से में आकर अपने ही साथियों पर जानलेवा फायरिंग करना शुरू कर दिया था। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इस पूरे मामले की सच्चाई का पूरी तरह पता चल सके।

खैबर पख्तूनख्वा में मौलाना की हत्या, लोग सड़कों पर उतरे, हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग

इस्लमाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रसिद्ध मौलाना मोहम्मद इदरीस की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से गोलीमार कर हत्या कर दी है। इस भयानक हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और लोग भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। जेयूआई-एफ के नेता मौलाना इदरीस पार्टी प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बेहद करीबी माने जाते थे। पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने इस पूरी घटना को टारगेट किलिंग करार देते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मौत की खबर फैलते ही आक्रोशित समर्थकों ने चारसादा शहर में मार्च निकालकर मुख्य सड़कों को पूरी तरह जाम कर दिया। हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर फारूक-ए-आजम चौक पर लोगों ने बड़ा धरना शुरू कर दिया है। आतंकवादियों ने की मौलाना की हत्या, जांच जारी काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट और पुलिस की संयुक्त जांच टीम ने बताया कि चार आतंकवादियों ने मिलकर मौलाना को निशाना बनाया। सेफ सिटी कैमरों की मदद से इन सभी संदिग्ध हमलावरों की तस्वीरें निकाल ली गई हैं और आगे की पहचान की जा रही है। पुलिस इन सभी आतंकवादियों को जल्द पकड़ने के लिए कई अहम ठिकानों पर लगातार भारी छापेमारी कर रही है। मौलाना इदरीस के परिवार में इस तरह का यह पहला भयानक हमला नहीं है, इससे पहले भी उनके ससुर की जान जा चुकी है। उनके ससुर और प्रसिद्ध विद्वान मौलाना हसन जान की भी साल 2007 में आतंकवादियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने उस समय देश में सशस्त्र संघर्ष का भारी विरोध किया था जिसके कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी थी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दुखद हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी कायरतापूर्ण हरकतें पूरे देश का मनोबल किसी भी कीमत पर बिल्कुल नहीं गिरा सकती हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने भी इस बड़े हमले की कड़ी निंदा की है। अवामी नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ऐमल वली खान ने इस घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर अमेरिकी विदेश मंत्री का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से चल रही अशांति का अंत हो गया है, जो अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए एक बड़े सैन्य संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी। अली खामेनेई की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू हुए इस संघर्ष ने तेहरान में भी भारी राजनीतिक उथल-पुथल मचा दी थी। खामेनेई की हत्या के बाद, उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जो सत्ता में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इज़राइल की साझेदारी में शुरू किया गया व्यापक सैन्य अभियान, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी, 28 फरवरी को शुरू हुआ और खाड़ी क्षेत्र और व्यापक मध्य पूर्व को तीव्र अस्थिरता और संघर्ष के दौर में धकेल दिया।

ऑपरेशन की समाप्ति की घोषणा करते हुए रुबियो ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। हमने इस अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है। हम ऐसी किसी और स्थिति की कामना नहीं करते। हम शांति का मार्ग अपनाना चाहेंगे। ट्रम्प एक समझौते को प्राथमिकता देंगे... जो कि अब तक ईरान ने नहीं चुना है। रुबियो ने क्षेत्र में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग है, समुद्री स्थिरता को बहाल करने के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। कई देशों ने - कुछ ने निजी तौर पर और कुछ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका से अपने जहाजों को मुक्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने में मदद करने का अनुरोध किया... और इसलिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे बढ़कर उनकी मदद की गुहार सुनी और अमेरिकी सेना को इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया और यह जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और इस शासन के आर्थिक विनाश के कृत्य को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। हम यह सिर्फ इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमसे अनुरोध किया गया था, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे हैं जो ऐसा कर सकते हैं... राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने मित्रों की मदद करेगा। हम तेहरान जैसे दुष्ट शासनों का डटकर सामना करेंगे और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने में संकोच नहीं करेंगे। तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए रुबियो ने कहा, 'उनके लिए यह समझना बेहद ज़रूरी है कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की इच्छाशक्ति को परखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, कम से कम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शासनकाल में तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने बार-बार साबित किया है कि वे अपने कहे पर खरे उतरते हैं। और अगर वे उन्हें चुनौती देंगे।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, 'हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है।' उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता। इसके साथ ही, पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को परमाणु तकनीक से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमेरिका ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे ईरान को परमाणु उद्योग रखने का अधिकार ही नहीं है। वह अत्यधिक मांगें सामने रखकर देश पर अतिरिक्त दबाव डालता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आगे कहा कि पिछली सभी वार्ताओं में ईरान पूरी तरह तैयार था कि अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक निगरानी के तहत जो भी आवश्यक हो, वह सब कुछ उपलब्ध कराए ताकि उसके परमाणु गतिविधियों के शांतिपूर्ण स्वरूप को सुनिश्चित किया जा सके।

दूसरी ओर, अल-जैदी ने इराक की ओर से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की तत्परता जताई, ताकि क्षेत्रीय संकटों को कम किया जा सके। अल-जैदी के मीडिया कार्यालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने भविष्य में आधिकारिक यात्राओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति जताई, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके। बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर हमले किए थे, जिसमें तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, वरिष्ठ कमांडरों और नागरिकों की मौत हुई थी। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ, जिसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई, लेकिन वह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। फिलहाल, अमेरिका और ईरान लगातार समझौते के तहत युद्धविराम को जारी रखने की कोशिशों में जुटे हैं।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया। अराघची की यह पहली चीन यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

अपने चीन दौरे को लेकर अराघची ने क्या कहा था : अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा : कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

अमेरिका में फिर शुरू होगा पुराना 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए। ट्रंप ने कहा, 'आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।'

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था। ट्रंप ने अपने भाषण में खेल प्रतियोगिता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा अमेरिका की पहचान है और देश को आगे बनाए रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा, 'अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज़्यादा वज़न वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक ऐसी यादगार और अहम रस्म थी, जिसे मेरी पीढ़ी का हर व्यक्ति आज भी याद करता है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि युवाओं की शारीरिक फिटनेस सीधे सेना की तैयारी से जुड़ी हुई है। उन्होंने चिंता जताई कि लगभग तीन-चौथाई अमेरिकी युवा सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं हैं। प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट को शीत युद्ध के दौर में राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था, जब यूरोपीय युवाओं की तुलना में अमेरिकी युवाओं की शारीरिक तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। इस टेस्ट में आम तौर पर पुल-अप्स, सिट-अप्स, शटल रन और सहनशक्ति वाले व्यायाम शामिल होते थे और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते थे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत समेत कई देशों में बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे, मोबाइल और स्क्रीन की लत तथा कोविड महामारी के बाद कम हुई शारीरिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसी कारण कई सरकारें फिटनेस, खेल और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रही हैं।

ठंडक से भरपूर हैं घर के बने ड्रिंक

- मैंगो शेक गर्मियों का सबसे उत्तम ड्रिंक है, यह आपको स्फूर्ती के साथ-साथ ताकत भी देता है
- आम पना पीने से शरीर पूरी तरह से ठंडा हो जाता है और गर्मियों में डीहाइड्रेशन भी नहीं होता
- नींबू निचोड़ कर चीनी और बहुत कम काला नमक व पीसा हुआ जीरा मिला लें, इसको पीने से शरीर ठंडा रहता है

आप गर्मी भगाने के लिए क्या पीते हैं। पानी, जूस या सॉफ्ट ड्रिंक। बाजार में सॉफ्ट ड्रिंक्स तो बहुत से मिलते हैं पर इनको पीने से आपकी ठंडक थोड़ी देर बाद गुम हो जाती है, जबकि घर के बने देसी ड्रिंक्स आपकी गर्मी को मारने के साथ-साथ आपका स्वास्य भी बरकरार रखते हैं। इनको पीने से आपको डिहाइड्रेशन, थकान, चक्कर, पेट की गड़बड़ी आदि नहीं होगी। गर्मी का पारा दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है, ऐसे में आपको अपने साथ-साथ घर वालों का भी ख्याल रखना ही होगा। यदि आप कहीं बाहार काम करते हैं, तो अपने साथ एक पानी की बोतल ले कर निकलें। अगर आप दिनभर एक्टिव रहते हैं तो आपके शरीर को बहुत सारे तरल पदार्थ की आवश्यकता होगी। गर्मियों में अक्सर लोग डीहाइड्रेशन के शिकार बन जाते हैं और इसका कारण होता है शरीर में पानी की कमी। गला सूखना, मिचली आना, डायरिया, उल्टी, कब्ज, बेहद पसीना आना या कम पसीना आना आदि समस्याएं गर्मियों में आम हो जाती हैं। इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए पीजिए कुछ देसी ठंडा, जो मिटाए तन मन की प्यास। हमारे शरीर के अंगों को ठीक से काम करने के लिए भी पानी की आवश्यकता पड़ती है, अगर आप उन्हें उनके हक का पानी नहीं देगें तो आपको तमाम बीमारियां होने के चांस बढ़ सकते हैं। अच्छी त्वचा और स्वस्थ शरीर के लिए आपको गर्मी में पीने चाहिए स्वस्थ और कूल ड्रिंक्स। ये देसी ठंडा आपकी गर्मी भगाती है और स्वास्य भी बनाएंगे।

मैंगो शेक : मैंगो शेक गर्मियों का सबसे उत्तम ड्रिंक है, यह आपको स्फूर्ती के साथ-साथ ताकत भी देता है। इससे ज्यादा पोषण और किसी भी चीज को पी कर नहीं मिल सकता। यह एक समर ड्रिंक है जो कि बच्चों को बहुत पसंद आता है। इसमें बहुत सारा प्रोटीन होता है, जिसे आप वर्कआउट करने के बाद पी सकते हैं।

आम पना : आम पना कच्चे आम को भून कर बनाया जाता है, जिसमें बहुत सारा विटामिन ''सी' और एंटीऑक्सीडेंट होता है। इसको पीने से शरीर पूरी तरह से ठंडा हो जाता है और गर्मिंयों में डीहाइड्रेशन भी नहीं होता।

छाछ बटर मिल्क : छाछ गर्मिंयों का सबसे सस्ता पेय माना जाता है। इसे ज्यादातर खाना खाने के बाद ही पिया जाता है। यह दही, पानी, नमक, अदरक, जीरा और मिर्च को डाल कर बनाया जाता है। इसे पीने से पेट को ठंडक मिलती है।

मौसमी का जूस : गर्मी के दिनों में आपको मौसमी और संतरे का रस बहुत सी जगहों पर बिकता दिख जाएगा। इसको पीने से पूरा तन-मन प्रसन्न हो जाएगा। इसमें विटामिन सी होता है। जो आपके शरीर की गर्मी को कम करता है।

तरबूज का रस : अगर आप रोज तरबूज का जूस पिएंगे तो आप जल्दी वजन घटा सकते हैं क्योंकि इसमें 90 फीसदी पानी होता है। यह किडनी, आंखों और दिल के लिए अच्छा फल माना जाता है। इस जूस में थोड़ा काला नमक मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है।

जलजीरा : यह पेय उत्तर भारत में बहुत प्रचलित है। इसमें जीरा, इमली, काला नमक, पुदीना और पानी मिलाया जाता है। आप जलजीरा पॉवडर का पैकेट बाजार से भी खरीद सकते हैं। यह भी ठंड देता है।

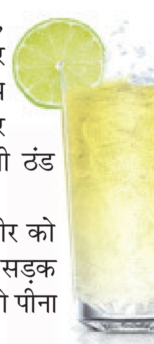

नारियल पानी: तेज धूप में शरीर को फिर से एनर्जी पहुंचाने के लिए सड़क किनारे बिक रहे नारियल पानी को पीना ठीक रहेगा। नारियल पानी शरीर को डीहाइड्रेशन से बचाता है, त्वचा पर चमक लाता है और किडनी स्टोन से बचाए रखता है।

नींबू की शकिंजी : ठंडे पानी में एक नींबू निचोड़ कर चीनी और बहुत कम काला नमक व पीसा हुआ जीरा मिला लें। इसको पीने से शरीर ठंडा रहता है। कई लोग इसे टेस्टी बनाने के लिए इसमें सोडा भी मिलाते हैं।

गन्ने का रस : गर्मिंयों में गन्ने का रस पीने से दिल की बीमारी नहीं होती। इसे पीने से तुरंत एनर्जी मिलती है। यह जूस पोटैशियम, ग्लूकोज, एंटीऑक्सीडेंट, कैल्शियम और मैगनीशियम से भरा होता है। इसको पीने से गर्मी में ठंडक मिलती है।

यदि बिस्तर से उठते ही होता है पीठ दर्द

- पीठ दर्द हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर सबसे ज्यादा असर डालता है, ऐसे में आप ना ठीक से चल पाते हैं और ना ही बैठ पाते हैं
- पीठ दर्द सही प्रकार के गद्दे पर ना सोने की वजह से होता हो या फिर यह गठिया की शुरु आत है
- पीठ या कमर दर्द के लिए हमेशा कठोर गद्दे का ही चुनाव करें, इससे बैक को पूरा सपोर्ट मिलता है
- अगर ये दर्द और कड़ापन बिस्तर से उठने के 30 मिनट तक बना रहता है तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें

हमारी रीढ़ की हड्डी पर ही हमारे शरीर का अंधिकांश भार टिका हुआ होता है। यदि रीढ़ की हड्डी कमजोर हुई तो जीवन वहुत कष्टकारी हो सकता है। यदि आपको सुबह उठते ही पीठ दर्द होना शुरू हो जाता है, जो कि या तो 30 मिनट में ठीक हो जाता है या फिर पूरे दिन बना रहता है। तो जरा ध्यान देने की जरूरत है। पीठ दर्द एक ऐसा दर्द है जो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर सबसे ज्यादा असर डालता है। ऐसे में आप ना ठीक से चल पाते हैं और ना ही बैठ पाते हैं। अगर आपको भी सुबह उठते ही पीठ दर्द झेलना पड़ता है तो उसके पीछे छुपे कारण को ढूंढिए। हो सकता है कि पीठ दर्द सही प्रकार के गद्दे पर ना सोने की वजह से होता हो या फिर यह गठिया की शुरु आत हो। कारण कुछ भी हो सकता है इसलिए आप यहां दिए गए बिंदुओं को जरूर पढ़ें और समझें।

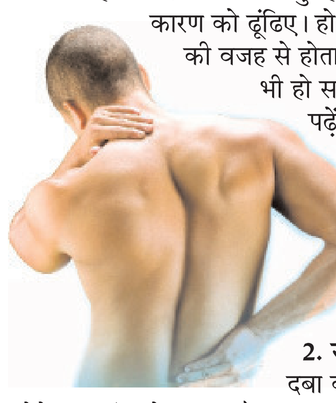

पीठ दर्द के कुछ भी कारण हो सकते हैं

1. अपने गद्दे को बदलें : अपने गद्दे को परखें और देखें कि क्या आपका गद्दा आपको पूरा सपोर्ट दे रहा है या नहीं। कमर दर्द के लिए हमेशा कठोर गद्दे का ही चुनाव करें, इससे बैक को पूरा सपोर्ट मिलता है।

2. सोने की पोजिशन : अगर आप अपने मुंह को नीचे दबा कर यानी की पेट के बल सोते हैं तो आपको पीठ दर्द होने का चांस हो सकता है। आरामदायक पोजिशन के लिए तकिए का प्रयोग करें।

3. मोटापा भी हो सकता है कारण : आपका अतिरिक्त वजन रीढ़ की हड्डी पर दबाव डालता है इसलिए हमेशा अपना वजन नियंत्रित रखें।

4. धूम्रपान : सुबह के समय जब बैक पेन होता है तो उसकी सबसे अहम वजह होती है बैक का टिशू डैमेज होना जो कि अक्सर स्मोकिंग की वजह से होता है। जो लोग स्मोकिंग करते हैं उनकी लाइफस्टाइल अनहेल्दी होती है।

5. दवाइयों का सेवन : लंबे समय से दवाइयों के सेवन से हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं जिसकी वजह से बैक पेन सुबह हो सकता है।

6. गठिया : चलने पर पीठ दर्द या फिर जोड़ों में दर्द होना गठिया की शुरु आत हो सकती है। अगर शरीर में दर्द और कड़ापन बिस्तर से उठने के 30 मिनट तक बना रहता है तो अपने डॉक्टर से संपर्क करना न भूले।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यो में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

काकुरो पहेली - 4047

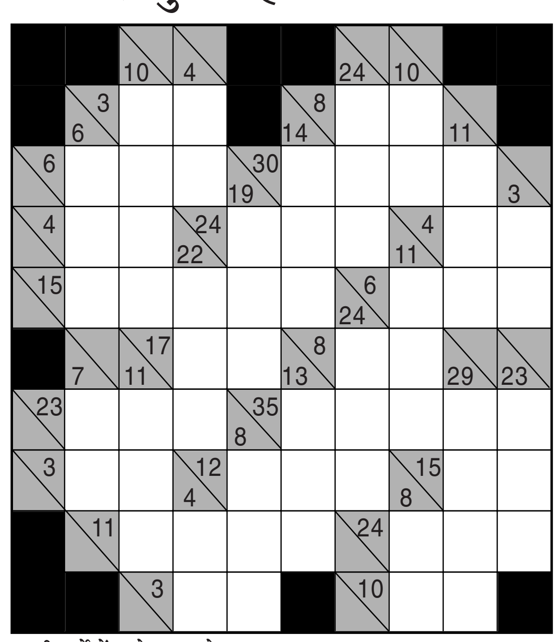

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

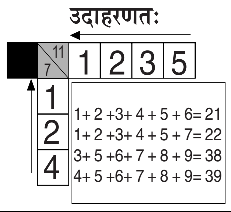

काकुरो - 4046 का हल

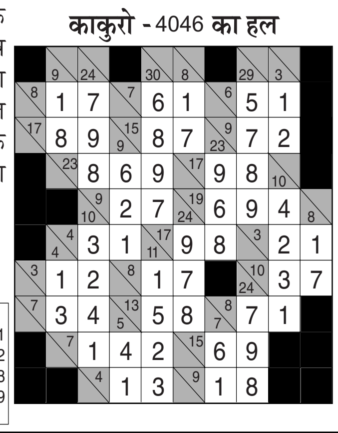

फिल्म वर्ग पहेली - 4047

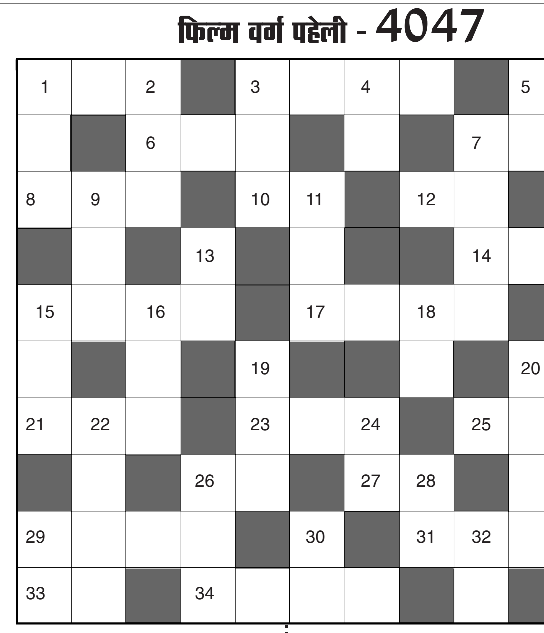

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी ?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था ?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी ?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका ?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका ?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4046

सूडोकु 4047

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -683 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	44045			8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 4047

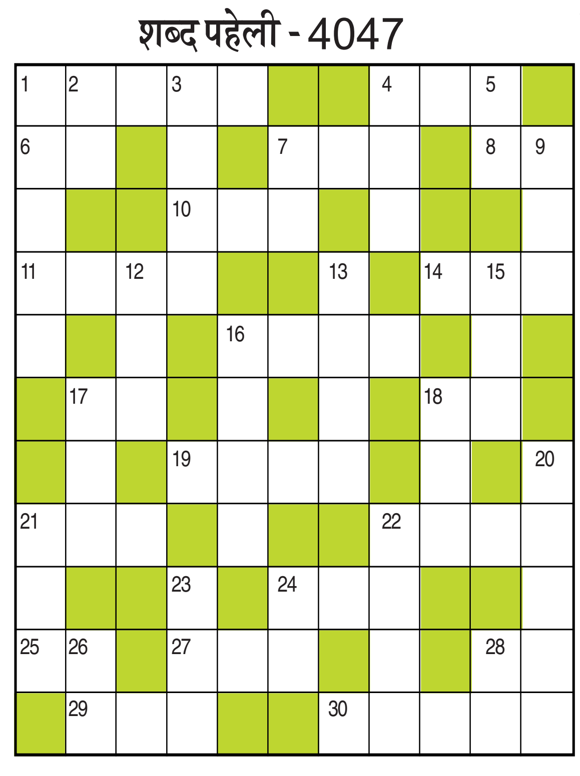

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -4046 का हल

विधानसभा चुनाव के नतीजों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी तृणमूल, विधायकों के साथ बैठक में ममता ने किया ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। विधानसभा चुनाव की मतगणना में धांधली के आरोप को लेकर तृणमूल कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जा रही है। बुधवार दोपहर विधायकों के साथ बैठक के दौरान ममता बनर्जी ने इसका ऐलान किया। विधानसभा चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद दोपहर तृणमूल सुप्रीमो ममता ने कालीघाट में नवनिर्वाचित विधायकों के साथ एक आपात बैठक की। इस बैठक में उन्होंने दावा किया कि सौ से अधिक सीटों पर तृणमूल उम्मीदवारों को 'जबरन हराया' गया है। वोट लूटने का आरोप लेकर तृणमूल कांग्रेस जल्द ही देश की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाली है। आज की बैठक में ममता बनर्जी ने साफ कर दिया कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। उनके मुताबिक यह हार 'अनैतिक' और साजिशपूर्ण है। बैठक में उन्होंने भावुक स्वर में कहा, मैंने इस्तीफा नहीं देने का फैसला किया है। वे चाहें तो राष्ट्रपति शासन लगा सकते हैं, मुझे बर्खास्त कर सकते हैं, लेकिन वह दिन इतिहास में काले दिन के रूप में दर्ज किया जाएगा।तृणमूल नेता ने पार्टी के आंतरिक कामकाज की निगरानी और व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक नई 'अनुशासन सुरक्षा समिति' का गठन किया है।

मप्र में सिंहस्थ 2028 को लेकर हुई उच्च स्तरीय बैठक, भीड़ प्रबंधन, कड़ी सुरक्षा और आधारभूत ढांचे पर जोर

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 (महाकुंभ) के सुव्यवस्थित आयोजन के दृष्टिगत भोपाल में पुलिस, रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें सिंहस्थ के दौरान संभावित अत्यधिक भीड़, यातायात प्रबंधन, रेल संचालन, सुरक्षा व्यवस्था तथा आधारभूत संरचना के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत योजना पर चर्चा की गई। कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय समन्वय बैठक में विशेष रूप से महाकुंभ-2025, प्रयागराज के अनुभवों से सीख लेते हुए आधुनिक तकनीकों, बेहतर समन्वय एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया गया। बैठक में मप्र के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि आगामी सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ एवं जिला प्रशासन के मध्य बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस बार श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक रहने की संभावना है, जिसके लिए पूर्व से ही व्यवस्थित एवं चरणबद्ध योजना बनाई जा रही है।

सरसंघचालक भागवत के सानिध्य में होगा महाराणा प्रताप का 450वां विजय दिवस समारोह

चित्तौड़गढ़। हल्दीघाटी में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की ऐतिहासिक विजय के 450वें विजय दिवस के उपलक्ष्य में उदयपुर में ऐतिहासिक और अविस्मरणीय समारोह 17 जून को आयोजित किया जाएगा। संघ के चित्तौड़ प्रांत में आयोजित हो रहे मेवाड़ एवं वागड़ के संयुक्त सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का सानिध्य प्राप्त होगा। इस बृहद स्तरीय कार्यक्रम की पूर्व तैयारी बैठक विद्या निकेतन गांधीनगर चित्तौड़गढ़ में संपन्न हुई। बैठक में जिले से प्रत्येक खंड एवं नगर से सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक हेमंत कुमार जैन, जिला संघचालक अनिरुद्ध सिंह भाटी एवं विभाग कार्यवाह दिनेशचंद्र भट्ट का पाथेय प्राप्त हुआ। विभाग कार्यवाह दिनेशचंद्र भट्ट ने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध के 450 वर्ष होने के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का पावन सानिध्य प्राप्त होने वाला है। इसके निमित्त 17 जून 2026 को मेवाड़ एवं वागड़ का संयुक्त कार्यक्रम आयोजित होने वाला है। उसमें चित्तौड़ जिले से सभी जाति बिरादरी के प्रमुख, प्रबुद्ध जन, युवा, मातृशक्ति, विभिन्न संगठनों के प्रमुख, व समाज के प्रबुद्ध जनों को कार्यक्रम में ले जाना है।

डीआरडीओ ने दिल्ली में सीबीआरएन फील्ड ट्रेनिंग और प्रदर्शन केंद्र खोला

नई दिल्ली। रेडियोलॉजिकल और परमाणु आपात स्थितियों का मुकाबला करने के लिए राजधानी में एक फील्ड ट्रेनिंग और प्रदर्शन केंद्र खोला गया है। दिल्ली के बुराड़ी मैदान में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) फील्ड ट्रेनिंग और प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने किया। डीआरडीओ के मुताबिक इस प्रशिक्षण और प्रदर्शन केंद्र में विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। यहां रेडियोलॉजिकल और परमाणु परीक्षण सुविधा के साथ ही आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और वास्तविक समय फील्ड प्रतिक्रिया इकाइयां भी होंगी। यह केंद्र 'इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज' के तहत आने वाले सीबीआरएन उत्कृष्टता केंद्र का एक हिस्सा है। इस केंद्र में रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और सीबीआरएन आपात स्थितियों की तैयारी तथा संकट प्रतिक्रिया में शामिल विभिन्न अन्य एजेंसियों को प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

सर्बिया दौरे पर उत्तराखंड का प्रतिनिधिमंडल, नोवी साद विधानसभा का किया भ्रमण

एजेंसी

सर्बिया/नोवी साद। निर्वाचन प्रक्रियाओं के अध्ययन के उद्देश्य से उत्तराखंड का एक प्रतिनिधिमंडल इन दिनों यूरोपीय देश सर्बिया के दौरे पर है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर यह दल मुख्य निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में वहां की चुनाव प्रणाली और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का अध्ययन कर रहा है।दल का नेतृत्व डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम कर रहे हैं। उनके साथ अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे, टिहरी की जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं।प्रतिनिधिमंडल ने सर्बिया के नोवी साद प्रांत की विधानसभा का भ्रमण किया, जहां उन्हें प्रशासनिक ढांचे और लोकतांत्रिक संस्थाओं के संचालन से जुड़ी विस्तृत जानकारी

दी गई। इस दौरान स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी आयोजित हुई।नोवी साद विधानसभा की चेयरपर्सन दीना वुचिनिच ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए भारत और सर्बिया के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनावी प्रक्रियाओं में सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सर्बिया की प्रांतीय निर्वाचन आयोग के साथ बैठक कर वहां की चुनाव प्रणाली, प्रशासनिक कार्यप्रणाली और मतदाता जागरूकता अभियानों का अध्ययन किया।प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि इस अध्ययन भ्रमण से दोनों देशों के बीच निर्वाचन प्रबंधन और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के क्षेत्र में अनुभव साझा करने का अवसर मिला है, जिससे भविष्य में सहयोग और मजबूत होगा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे, जिलाधिकारी टिहरी नितिका खण्डेलवाल, ईआरओ काशीपुर गौरव पांडे एवं बीएलओ मोहम्मद कलीम शामिल हैं।

मप्र की जैव विविधता संरक्षण में बड़ी उपलब्धि, कलियासोत एवं भदभदा डेम क्षेत्र में दिखा दुर्लभ पक्षी स्किमर

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के प्राकृतिक जलाशयों एवं आर्द्रभूमियों में जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। विगत कुछ महीनों से भोपाल के कलियासोत एवं भदभदा क्षेत्र में दुर्लभ पक्षी स्किमर (Indian Skimmer) को नियमित रूप से देखा जा रहा है।जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि भोपाल के प्राकृतिक जलाशयों में दुर्लभ पक्षी स्किमर की उपस्थित अत्यंत उत्साहवर्धक संकेत है। इससे पूर्व भोपाल क्षेत्र में इस पक्षी की उपस्थिति दर्ज नहीं की गई थी। उन्होंने बताया कि स्किमर एक संवेदनशील जलीय पक्षी है, जो स्वच्छ जल, शांत वातावरण एवं उपयुक्त तटीय आवास वाले क्षेत्रों में ही निवास करता है। इसका भोपाल में दिखाई देना इस बात का प्रमाण है कि कलियासोत एवं भदभदा क्षेत्र में पक्षियों के लिए अनुकूल आवास विकसित हुआ है। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, यह उपलब्धि मध्य प्रदेश में वन विभाग द्वारा किए गए सतत संरक्षण के प्रयास एवं जलाशयों के संरक्षण, हरित क्षेत्र संवर्धन तथा स्थानीय नागरिकों एवं प्रकृति प्रेमियों के सहयोग का सकारात्मक परिणाम है। भोपाल वासियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दिखाई गई जागरूकता एवं सहभागिता भी इस सफलता में महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा भविष्य में भी आर्द्रभूमियों के संरक्षण, पक्षी आवासों की सुरक्षा तथा जैव विविधता संवर्धन के लिये निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने विद्यालयों में एसएमसी पर नए दिशा-निर्देश किए जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए। इन दिशानिर्देशों में पहली बार माध्यमिक स्तर तक एसएमसी का विस्तार, एक महीने के भीतर गठन की अनिवार्यता और पारदर्शी कार्यप्रणाली जैसे कई अहम बदलाव किए गए हैं। स्कूल प्रबंधन समिति के दिशानिर्देशों को जारी करते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए, हमारे देश में लगभग 15 लाख स्कूल हैं। इन सभी स्कूलों में, स्कूल प्रबंधन समिति छात्रों, शिक्षकों और समाज के बीच एक सेतु का काम करेगी। हम शिक्षा और स्कूल प्रबंधन को समाज के हाथों में सौंपने का प्रयास कर रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) को लेकर व्यापक संशोधित दिशा-निर्देश 2026 जारी किए हैं, जो पहले जारी सभी गाइडलाइंस को प्रतिस्थापित करेंगे। नए निर्देशों में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब एसएमसी केवल प्राथमिक स्तर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि कक्षा 12 तक के माध्यमिक विद्यालयों में भी लागू की जाएगी। इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन विकास समिति (एसएमडीसी) की जगह एसएमसी को लागू करने का प्रावधान किया गया है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र शुरू होने के एक महीने के भीतर एसएमसी का गठन करना अनिवार्य होगा। समिति के सदस्यों की संख्या बच्चों के नामांकन के आधार पर निर्धारित की जाएगी। अधिकतम 100 विद्यार्थी पर 12-15 सदस्य, 100-500 विद्यार्थी पर 15-20 सदस्य और 500 से अधिक विद्यार्थी पर 20-25 सदस्यों की अनुमानित संख्या निर्धारित की जा सकेगी।एसएमसी के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। किसी सदस्य को एक और कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त किया जा सकता है लेकिन एक सदस्य लगातार दो कार्यकाल से अधिक कार्य नहीं कर सकता, सिवाय सदस्य सचिव के जोकि स्कूल के प्राचार्य होंगे। एसएमसी के गठन के बाद नई समिति की पहली बैठक अगले कार्यदिवस या अधिकतम एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जा सकती है। पहली बैठक में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। नई व्यवस्था में समिति की संरचना को अधिक समावेशी बनाया गया है। इसमें 75 प्रतिशत सदस्य बच्चों के अभिभावक या संरक्षक होंगे, जबकि शेष 25 प्रतिशत में स्थानीय प्राधिकरण, शिक्षक, शिक्षाविद्, विषय विशेषज्ञ, अकादमिक, वरिष्ठ एवं पूर्व विद्यार्थी और समुदाय के अग्रिम कार्यकर्ता जैसे आंगनवाड़ी व आशा कार्यकर्ता और सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) जो विद्यालय के आसपास कार्यरत हों।

फ्रूट होराइजन 2026 से भारत के बागवानी और निर्यात क्षेत्र को नई गति मिलेगीः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान दो दिवसीय प्रवास पर लखनऊ में हैं। इस दौरान उन्होंने 'फ्रूट होराइज़न 2026' के तहत आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लिया। गोमतीनगर स्थित होटल रेनेसां में आयोजित इस सत्र में केंद्रीय मंत्री ने प्रगतिशील निर्यातकों, निदेशकों, उद्यमियों और अन्य हितधारकों के साथ विस्तृत संवाद किया। बैठक में देश के फल निर्यात की वर्तमान स्थिति, वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता मानकों की चुनौतियां और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फलों के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए ज़मीन से जुड़े मुद्दों को समझना और उनका समाधान करना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि निर्यातकों और किसानों ने रिसर्च, जीएसटी और फ्रेट जैसे अहम मुद्दों को खुलकर उठाया है, जिन पर सरकार गंभीरता से काम कर रही है।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वैज्ञानिकों की एक विशेष टीम गठित की गई है, जो

शोध और नवाचार के जरिए उत्पादन और गुणवत्ता दोनों को बेहतर बनाने पर काम करेगी।उन्होंने कहा कि पॉलिसी से जुड़े बदलावों में समय लगता है, लेकिन दिशा सही है और प्रयास लगातार जारी हैं। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि देश में उत्पादन पहले से ही पर्याप्त है, अब जरूरत है उसे सही तरीके से प्रोसेस, ब्रांडिंग और निर्यात करने की। बैठक के दौरान बाजार विस्तार, नए निर्यात गंतव्यों की खोज, ब्रांडिंग और कृषि उत्पादों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, फल क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहन देने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिकों, केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों तथा फल क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे यह संवाद नीति निर्माण और जमीनी स्तर के अनुभवों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु साबित हुआ। उल्लेखनीय है कि 'फ्रूट होराइज़न 2026' का मुख्य कार्यक्रम 7 मई को आईसीएआर के केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ में आयोजित होगा।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर राजनाथ सिंह ने सेना के शौर्य को किया सलाम, बोले- हमारे सशस्त्र बल हर चुनौती को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य को याद किया है। उन्होंने कहा कि सेना के साहस और समर्पण ने देश की सुरक्षा को मजबूत बनाए रखा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' राष्ट्रीय संकल्प और तत्परता का एक सशक्त प्रतीक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर हम अपने सशस्त्र बलों की वीरता को नमन करते हैं, जिनका साहस और समर्पण राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करता आ रहा है। इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेनाओं ने अद्वितीय सटीकता, बेहतरीन समन्वय और तीनों सेनाओं के बीच गहरी तालमेल का प्रदर्शन किया, जिसने आधुनिक सैन्य अभियानों के लिए एक नया मानक स्थापित किया।' उन्होंने आगे लिखा,

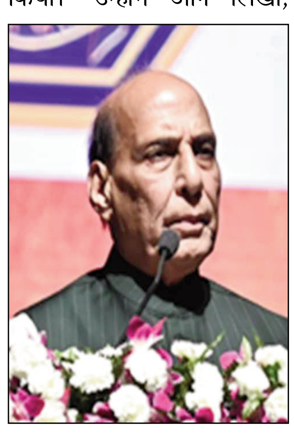

''ऑपरेशन सिंदूर' राष्ट्रीय संकल्प और तत्परता का एक सशक्त प्रतीक है। यह दर्शाता है कि जब भी देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण घड़ी आती है, तो हमारे सशस्त्र बल निर्णायक कार्रवाई करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। ' रक्षा मंत्री ने कहा कि यह अभियान भारत के 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में लगातार बढ़ते कदमों का भी प्रमाण है, जिसके माध्यम से हम अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए अपनी सहनशक्ति और दृढ़ता को भी सुदृढ़ कर रहे हैं।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में रक्षा मंत्री की वह कड़ी चेतावनी भी शामिल है, जिसमें उन्होंने कहा था, 'भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा, तो आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। 'वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, '145 करोड़ भारत वासियों की एकजुटता, अदम्य इच्छाशक्ति, सशस्त्र सेनाओं के असाधारण पराक्रम और भारत की स्पष्ट नीति की गौरवशाली अभिव्यक्ति 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक वर्ष पूर्ण होने पर देश वासियों को हार्दिक बधाई और भारतीय सेना के रणबांकुरों का हृदयतल से अभिनंदन। '

सीएम पोस्ट में पोस्ट किया, 'यह ऑपरेशन 'नए भारत' के आत्मविश्वास, साहस और निर्णायक नेतृत्व का सशक्त प्रतीक है। इसने विश्व को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से कोई समझौता नहीं करता है। हमारे वीर जवानों का शौर्य, त्याग और तप ही भारत की अजेय शक्ति है। राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। यह विजयगाथा केवल इतिहास नहीं, भविष्य की प्रेरणा है। '

भोजशाला मामले में जैन समाज की भी एंट्री, कहा- हमें भी मिले पूजा का अधिकार

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला विवाद मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में चल रही नियमित सुनवाई के दौरान जैन समाज की एंट्री ने कानूनी और धार्मिक बहस को और तेज कर दिया है। जैन समाज ने भी याचिका दायर पर भोजशाला में पूजा के अधिकार की मांग की है। इसके साथ ही महाधिवक्ता ने न्यायालय में शासन का पक्ष रखा। भोजशाला मामले में मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ में हुई सुनवाई के दौरान जैन समाज की ओर से उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश प्रसाद राजभर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जैन समाज भोजशाला पर दावा नहीं करता, लेकिन यह चाहता है कि उसे भी पूजा का अधिकार मिले।

अधिवक्ता राजभर ने ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्राचीन संदर्भों का हवाला देते हुए अदालत को बताया कि राजा भोज ने यह भूमि जैन आचार्य मानतुंग को दान में दी थी। मानतुंग वही आचार्य हैं, जिन्होंने जैन धर्म के प्रसिद्ध धार्मिक सूत्र 'भक्तामर स्तोत्र' की रचना की थी। उन्होंने कोर्ट में कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सात अप्रैल 2003 को जारी आदेश में हर मंगलवार को हिंदुओं को पूजा और मुस्लिमों को हर शुक्रवार को नमाज की अनुमति दे दी, लेकिन जैन समाज के धर्मावलंबियों के लिए कुछ नहीं कहा। भोजशाला जैन गुरुकुल है। राजा भोज ने ही इसका निर्माण कराया था। उस समय बड़ी संख्या में जैन शोधार्थी यहां अध्ययन करते थे। एएसआई के सर्वे में जो मूर्तियां मिली हैं, उन्हें जैन धर्म के देवी-देवताओं की मूर्तियों के रूप में संरक्षित किया जाए। लंदन संग्रहालय में रखी मूर्ति जैन यक्षिणी अंबिका की है। इसे लंदन से वापस लाया जाए। दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े अधिवक्ता राजभर ने करीब एक घंटे तक अपनी बात रखी।

संजय कपूर संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को किया मध्यस्थ नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवंगत उद्योगपति और सोना ग्रुप के मालिक संजय कपूर की मौत के बाद शुरू हुआ करोड़ों की संपत्ति और फैमिली ट्रस्ट का विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। लंबे समय से अदालतों में चल रही इस कानूनी लड़ाई को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। अदालत ने देश के पूर्व सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ को इस मामले में मध्यस्थ नियुक्त किया है। इसमध्यस्थता प्रक्रिया के लिए परिवार के सभी पक्षों ने अपनी सहमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर यह मामला इसी तरह अदालतों में चलता रहा, तो इसे सुलझने में कई दशक लग सकते हैं, इसलिए अब अदालत चाहती है कि परिवार आपसी बातचीत और समझौते के जरिए इस विवाद को खत्म करने की कोशिश करे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सभी पक्षों को सख्त निर्देश भी दिए। अदालत ने कहा कि अब इस विवाद को लेकर कोई भी पक्ष मीडिया में बयान नहीं देगा और न ही सोशल मीडिया पर इस मामले से जुड़ी कोई बात पोस्ट करेगा। कोर्ट अब इस मामले की अगली सुनवाई अगस्त में करेगा। दरअसल, यह पूरा मामला संजय

कपूर की मौत के बाद उनकी संपत्ति, फैमिली ट्रस्ट और विरासत को लेकर शुरू हुआ था। संजय कपूर की मां रानी कपूर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर फैमिली ट्रस्ट को रद्द करने की मांग की। उनका आरोप है कि यह ट्रस्ट उनकी जानकारी और अनुमति के बिना बनाया गया था।

रानी कपूर का कहना है कि इस ट्रस्ट के जरिए परिवार की संपत्तियों और विरासत पर कब्जा करने की कोशिश की गई। उन्होंने अदालत से मांग की कि जब तक मामले का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक संपत्तियों के ट्रांसफर और किसी भी तरह की बिक्री पर यथास्थिति बनाए रखी जाए। इससे पहले की सुनवाई में भी सुप्रीम कोर्ट ने संजय कपूर की पत्नी प्रिया कपूर को नोटिस जारी किया था। उस सुनवाई में भी अदालत ने दोनों पक्षों को सलाह दी थी कि वे मध्यस्थता के जरिए समाधान निकालने की कोशिश करें।

इस विवाद में प्रिया कपूर और रानी कपूर के अलावा अभिनेत्री करिश्मा कपूर और उनके बच्चों समायरा कपूर और कियान कपूर का नाम भी सामने आ चुका है। करिश्मा कपूर ने अपने बच्चों की ओर से उत्तराधिकार से जुड़ा मामला दायर किया था। वहीं रानी कपूर ने दावा किया कि उनके दिवंगत पति डॉ. सुरिंदर कपूर की पूरी संपत्ति की वह इकलौती कानूनी उत्तराधिकारी हैं। उनका कहना है कि साल 2017 में कथित रूप से कई अवैध लेन-देन के जरिए उनकी संपत्तियों को फैमिली ट्रस्ट में डाल दिया गया। रानी कपूर ने यह भी आरोप लगाया था कि जब वह स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं, तब उनसे कई दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए गए, जिनमें कुछ दस्तावेज खाली थे और उन्हें पूरी जानकारी दिए बिना साइन करवाए गए। उन्होंने अपने बेटे संजय कपूर और बहू प्रिया कपूर पर बीमारी का फायदा उठाकर संपत्ति ट्रांसफर करने का आरोप लगाया था। दूसरी ओर प्रिया कपूर ने इन आरोपों को गलत बताया और परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ मानहानि का मामला भी दायर किया। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर उनकी छवि खराब करने की कोशिश की गई।

दिल्ली विधानसभा में 'अपने अपने राम - राम कथा' का आयोजन, 'श्रीराम का जीवन आज भी कर्तव्य और न्याय की राह दिखाता है'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में आज 'अपने अपने राम - राम कथा' का आयोजन किया गया, जिसमें कवि एवं राम कथा वक्ता डॉ. कुमार विश्वास की प्रभावशाली प्रस्तुति ने लोगों से भरे सभागार को गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव और सभ्यता संबंधी चिंतन के वातावरण में परिवर्तित कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि राम केवल आस्था के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि आचरण के जीवंत सिद्धांत हैं। उनका जीवन हमें व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में कर्तव्य, संतुलन और न्याय को समझने की दिशा देता है, और इसी विचार ने पूरे कार्यक्रम की दिशा निर्धारित करी।इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक,मुख्य सचिव दिल्ली सरकार मौजूद रहे। कार्यक्रम के अनुरूप दिल्ली विधानसभा परिसर को केसरिया रंग से आलोकित किया गया, जिसने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण को और सशक्त बनाया। जनप्रतिनिधियों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की,

वहीं भारी जनसमूह की सहभागिता ने इसकी व्यापक जनस्वीकृति को दर्शाया। कार्यक्रम का केंद्र बिंदु डॉ. कुमार विश्वास की 'अपने अपने राम - राम कथा' रही, जो अपनी विशिष्ट प्रस्तुति शैली और समकालीन प्रासंगिकता के लिए जानी जाती है। उन्होंने कविता, कथन और चिंतन के समन्वय के माध्यम से श्रीराम के विविध आयामों को जीवंत किया, केवल एक महाकाव्य के नायक के रूप में नहीं, बल्कि एक शाश्वत नैतिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक आधार के रूप में। कथा में राम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' के रूप में प्रस्तुत करते हुए उनके जीवन के जटिल निर्णयों और मानवीय परिस्थितियों को भी उकेरा गया। परंपरागत कथा-वाचन से आगे बढ़ते हुए इस प्रस्तुति ने यह दर्शाया कि श्रीराम का जीवन आत्म-त्याग, संयम, करुणा और न्याय के सिद्धांतों का सशक्त उदाहरण है। कथा ने श्रोताओं को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि राम केवल पूजनीय नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक नैतिक ढांचा भी हैं, जहां धर्म के मार्ग पर चलना व्यक्तिगत कठिनाइयों के बावजूद सर्वोपरि रहता है। इस बहुस्तरीय प्रस्तुति ने राम कथा की सार्वभौमिकता को उजागर करते हुए उसे समकालीन शासन, जिम्मेदारी और नैतिक स्पष्टता से जोड़ा। पूरे संध्या काल तक चला यह कार्यक्रम एक गहन अनुभव बन गया, जिसमें श्रोता प्रारंभ से अंत तक पूरी तरह से लीन रहे। सभागार में एक विशेष शांति का वातावरण रहा, जिसे कथा के विभिन्न प्रसंगों ने और गहराई दी। त्याग, सत्यनिष्ठा, करुणा और साहस जैसे मूल्यों की अनुभूति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी उपस्थित रही, जिससे श्रोताओं पर गहरा प्रभाव पड़ा।

मणिपुर में उग्रवादी संगठनों के अनेक कैडर गिरफ्तार, हथियार व विस्फोटक बरामद

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के कई कैडरों को गिरफ्तार किया। गुरुवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी, हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान भी बरामद किए गए। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग थाना क्षेत्र स्थित लामलोंगेई आवांग लेकाई निवासी केसीपी (पीएससी- पोलित ब्यूरो स्टैंडिंग कमेटी) के कैडर हाओबाम जॉनसन मैतेई (25) उर्फ सनाथोई उर्फ सागेई को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया। इसी संगठन की एक महिला कैडर सलाम ओंगबी कोंजेंगबाम करुणा देवी (51) उर्फ पिपिक को भी इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद मेइनो लेइराक स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 6.81 लाख रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया। एक अन्य अभियान में प्रीपाक (पीआरओ) के कैडर वांगखेम रोहित सिंह उर्फ अंगखेई (25) को चिंगमेइरोंग मानिंग लेकाई स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और 1400 रुपये नकद बरामद हुए। वहीं, मणिपुर पुलिस ने तीन मई को इंफाल एयरपोर्ट के निकट हुए विस्फोट मामले में संलिप्त केसीपी (पीएससी) के कैडर लैशराम इबोमचा मैतेई (47) को इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपित को 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा गया है और मामले की आगे जांच जारी है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड भी बरामद किया गया। इससे पहले सुरक्षा बलों ने यूकेएनए के स्वयंभू लेफ्टिनेंट सीमेनलाल हाओकिप (22) को चुराचांदपुर जिले के एम सोंगगेल गांव से गिरफ्तार किया था। पूछताछ के आधार पर सुरक्षा बलों ने एस खोलें और उखा लोइखाई के जंगल क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक 7.62 एमएम एके-47 राइफल, एक एके मैगजीन, एक ब्लॉक .32 एसीपी पिस्तौल, एक 9 एमएम पिस्तौल मैगजीन, विभिन्न बोर के 26 जिंदा कारतूस, दो हैंड ग्रेनेड, चार आईईडी, एक रेडियो सेट, एक मारुति जिप्सी वाहन तथा एक स्मार्टफोन बरामद किया गया।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली और केकेआर का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुकाबला करेगी। कैपिटल्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखना है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स अब तक 9 मैचों में 8 अंकों के साथ ही 7वें स्थान पर हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उसे इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक तीन मैच जीते हैं जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार वह कुल 7 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर हैं। ऐसे में उसे भी प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने ये मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों एक ही स्तर पर है। दोनो के ही बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले गये हैं। इसमें से 15 दिल्ली जबकि 19 केकेआर ने जीते हैं। दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल और पथुम निसांका पर आधारित है। वहीं गेंदबाजी की कमान मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी के पास रहेगी।

दूसरी ओर केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज रहाणे के अलावा, रिंकू सिंह, कैमरुन ग्रीन पर निर्भर करेगी। उसकी गेंदबाजी सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती पर अर्धारित रहेगी।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आम तौर पर बड़े स्कोर बनने हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन।

इम्पैक्ट प्लेयर- करुण नायर

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर- वैभव अरोड़ा

आईपीएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सनराइजर्स, पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर खिसकी

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीसकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में बदलाव आया है और शुरुआत से ही शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स अब दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं सनराइजर्स पहले नंबर पर आ गयी है। पंजाब किंग्स को सनराइजर्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण उसके हाथ से नंबर एक स्थान निकल गया। वहीं इस मैच के परिणाम से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर भी प्रभाव पड़ा है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गयी है।

सनराइजर्स अब अंक तालिका में शीर्ष पर है, जिसने 11 मैचों में 7 जीत के साथ कुल 14 अंक हो गये हैं। इतने अंक फिलहाल अन्य किसी टीम के नहीं हैं। वहीं, लगातार तीन मैचों में हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स 10 मैचों में 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी, जो इस मैच से पहले दूसरे पायदान पर थी, अब 9 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। बेहतर नेट रन रेट के कारण वह चौथे स्थान पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से आगे है, जिसने 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हासिल किये हैं।

वहीं शीर्ष चार से बाहर, पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटन्स (जीटी) है। जीटी ने भी 10 मैचों में 6 मुकाबले जीते हैं और उसके भी 12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण वह शीर्ष 4 से बाहर है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक लेकर छठे स्थान पर बरकारार है। दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ सातवें नंबर पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 9 में से 3 मैच जीते हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा, जिससे उसके खाते में 7 अंक हैं और वह आठवें स्थान पर है। अंक तालिका में नौवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है, जिसने 10 मैचों में केवल 3 जीत हासिल की हैं और उसके 6 अंक हैं। सबसे निचले पायदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने इस सीजन के आधे से अधिक मुकाबले खेलने के बाद भी 9 मैचों में केवल दो जीत दर्ज की हैं और उसके पास सिर्फ 4 अंक हैं।

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रॉयल्स की कप्तानी : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रॉयल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं।

मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है। मांजरेकर ने आगे यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को बेकार ही ये जिम्मेदारी दी।

साथ ही कहा, मेरा मतलब है, संजू सैमसन ने कुछ सालों तक उनके लिए कप्तानी की और फिर उन्हें हटा दिया गया और रियान ने उनकी जगह ले ली। मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ? लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट के नज़रिए से, इसका कोई मतलब बनता है। मांजरेकर ने साफ शब्दों में अपनी असहमति जताते हुए कहा, यह कहना थोड़ा कठोर है, लेकिन उसे इनाम के तौर पर बहुत ज़्यादा मिल गया है। उन इनामों के लिए सच में कड़ी मेहनत नहीं की। इसलिए यह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प मामला है। रियान 2019 से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं। आईपीएल 2026 के मौजूदा सीज़न में, उन्होंने 10 पारियों में 207 रन बनाए हैं।

दिल्ली कैपिल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं, बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

उसे प्लेऑफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16 अंकों वाली टीम को प्लेऑफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर , अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा, जो वर्तमान में माइनस में है और करीबी मुकाबलों में निर्णायक साबित हो सकता है। दिल्ली कैपिटल्स को अब हर मैच जीतना होगा। एक भी हार उसे बाहर कर देगी। यदि वे बचे हुए चार मैचों में से एक भी मुकाबला हारते हैं, तो उनके अधिकतम अंक 14 तक ही पहुंच पाएंगे। इस बार 14 अंकों के साथ प्लेऑ में पहुंचना लगभग असंभव है। अंक तालिका की स्थिति देखें तो पाएंगे कि पहले से ही छह टीमों के खाते में 10 या उससे अधिक अंक हैं। इनमें से एक टीम के पास 13 अंक हैं और चार टीमें 12-12 अंकों के साथ शीर्ष-4 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में 14 अंक पर टीम बाहर हो जाएगी। अधिकतर टीमें 16 या उससे अधिक अंक तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली के लिए राह और भी कठिन इस कारण से है क्योंकि उनके बाकी बचे चार मुकाबले आसान नहीं हैं। उन्हें दो बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। इसके अलावा उसे पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से भी खेलना है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली टक्कर में दिल्ली को 264 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे पंजाब से सतर्क रहना होगा। वहीं, राजस्थान रॉयल्स इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में से एक रही है, हालांकि लीग चरण में दिल्ली ने उन्हें एक बार हराया है।

ईशान ने पंजाब किंग्स का खराब फील्डिंग के लिए मजाक उड़ाया

हैदराबाद ।सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली 33 रनों जीत पर खुशी जताते हुए विरोधी टीम की खराब फील्डिंग पर तंज कसा है।इस मैच में पंजाब ने कई कैच छोड़े जिससे उसके हाथ से ये मैच निकल गया।इसी के साथ ही पंजाब टीम को छह जीत के बाद लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। मैच के बाद ईशान ने पंजाब किंग्स की खराब फील्डिंग की हंसी उड़ाते हुए सोशल मडिया में एक पोस्ट किया, जो तेजी से छा गयी।ईशान ने अपनी पोस्ट में केवल तीन शब्द लिखे अगर मुझे पकड़ सकते हो तो पकड़ों।इस पोस्ट से ईशान ने पंजाब के फील्डरों का एक प्रकार से मजाक उड़ाया है क्योंकि उनके तीन कैच पंजाब ने गिरा दिये थे।ईशान पहली बार जब 9 रन पर थे तभी कूपर कॉनॉली ने उनका कैच छोड़ दिया था।इसके बाद जब वह 18 रन पर थे, तब लॉकी फर्ग्यूसन ने भी कैच गिरा दिया।वहीं इसके बाद 20 रन पर प्रभसिमरन सिंह ने उनकी स्टंपिंग का अवसर छोड़ दिया था।इसी कारण ईशान 32 गेंदों में 55 रन बनाने में सफल रहे।ईशान ही नहीं, सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का भी कैच गिरा था।इसके बाद क्लासने ने 43 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली थी।इसका नुकसान पंजाब को हुआ था।

मुम्बई इंडियंस के साथ रायपुर नहीं पहुंचे हार्दिक , टीम में मतभेद की अटकलें लगीं

रायपुर।मुंबई इंडियंस टीम 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफा होने वाले मैच के लिए पहुंच गयी है पर टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं पहुंचे हैं।जिससे कई सवाल उठ रहे हैं।ये भी अटकले हैं कि टीम में सब कुछ ठीक नहीं हैं। महत्वपूर्ण मैच से पहले कप्तान की अनुपस्थिति से प्रशंसकों का आशंकित होना जायज भी है।वहीं आधिकारिक रूप से यह बताया नहीं गया है कि हार्दिक बाद में टीम के साथ जुड़ेंगे या नहीं।हार्दिक को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ पिछले मैच से पहले पीठ में जकड़न आ गयी थी।इसी कारण वह तब मुकाबले से बाहर हो गये थे।ऐसे में उनकी जगह पर अनुभवी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी।उस मैच में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ को हराया था, जिससे टीम ने प्लेऑफ की अपनी संभावनएं बरकरार रखीं थीं।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

नई दिल्ली।बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं।अब तक सीएसके को जीत मिली हैं।उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है।सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है। वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेऑफ की दौड़ में भी बनाये रखा है।इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया।अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं।सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है।संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है।गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है।अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं।संजू के प्रदर्शन के कारण ही सीएसके 10 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है।अब उसकी नजरें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अगले दो बेहद महत्वपूर्ण मुकाबलों पर होगी।

विनेश फोगाट डब्ल्यूएफआई द्वारा घोषित मानदंडों पर खरी नहीं उतरी, एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्सन ट्रायल में रही अयोग्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल के लिए बुधवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया। फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है।

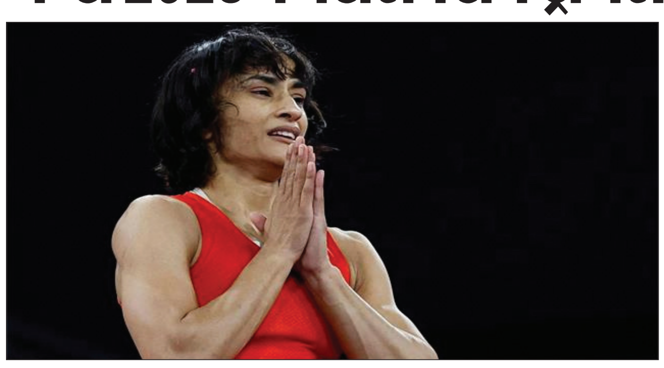

सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी।

मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में माँ बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी।

ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिसिप्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

खराब फील्डिंग के कारण सनराइजर्स से हारे : श्रेयस अय्यर

हैदराबाद ।पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुई हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया है।पंजाब की टीम को इस मुकाबले में 33 रनों से हार का सामना करना पड़ा।इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 4 विकेट पर 235 रन बनाये।इस दौरान पंजाब के खिलाड़ियों ने तीन आसान कैच गिरा दिये।वहीं एक स्टंपिंग का अवसर भी टीम ने खो दिया।श्रेयस के अनुसार अगर इन अवसरों का लाभी उठाया जाता तो 30 से 40 रन कम बनते और मैच का परिणाम कुछ और होता।मैच के बाद अय्यर ने कहा, हमने खेल की शुरुआत में ही कई कैच गिरा दिये।अगर ऐसा नहीं होता से सनराइजर्स 30 से 40 रन कम बना पाती।कप्तान ने कहा कि टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी भी इस मैच में उम्मीद के अनुसार नहीं रही।वहीं सनराइजर्स ने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि मैच किस प्रकार अपने नाम किया जा सकता है।इस मैच में स्पिनर यजुवेन्द्र ने अच्छी गेंदबाजी की पर उन्हें एक ही विकेट मिल पाया क्योंकि उनके एक ही ओवर में एक कैच और स्टंपिंग का अवसर निकल गया।इस सत्र में चहल की गेंदों पर कुल 16 कैच उछले पर 8 कैच ही पकड़े जा सके।अय्यर ने चहल की प्रशंसा करते हुए कहा, उसने बिना किसी डर के आक्रामक गेंदबाजी की।उससे अपनी गेंदबाजी से दबाव भी बनाया पर हम उसका लाभ नहीं उठा पाये। इस मैच में पंजाब के बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये।युवा बल्लेबाज कूपर कोनोली ही टिक पाये।कोनोली ने 59 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए।इस मैच के साथ ही सत्र में पंजाब किंग्स की लगातार तीसरी हार है।टीम अब पांच दिन के आराम के बाद 11 मई को दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी।श्रेयस ने कहा है कि अब हमें बचे हुए मैच में अपनी गलतियां सुधारनी होंगी।

नेमार ने टीनेजर रोबिन्हो जूनियर से माफी मांगी, थप्पड़ मारने का था आरोप

रियो डी जेनेरो ।स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने 'हद पार कर दी' और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस टीनेजर को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को 'चेहरे पर जोरदार थप्पड़' मारने का आरोप लगाया था।यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे। अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना 'पूरी तरह सुलझ गई है'। नेमार ने कहा, 'अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते हैं, तो यह रही।' नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं जिनके नाम 79 गोल हैं। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सब्स्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया। रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व अटैकर रोबिन्हो के बेटे हैं। नेमार ने कहा, 'हां, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी उसमें मैंने थोड़ी ज़्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी। यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया। हर कोई गलतियां करता है। यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी; मैंने थोड़ी बड़ी गलती की। वह एक ऐसा लड़का है जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं जिसके लिए मेरे मन में खास लगाव है। फुटबॉल में ऐसा होता रहता है - आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं। यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है।' रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को 'तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं' और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए 'कई बार' माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी स्थिति थी जिसने मुझे परेशान कर दिया, क्योंकि बचपन से ही वह मेरे आदर्श रहे हैं। हमारे आस-पास के लोग बहुत सी ऐसी बातें कहते हैं जो सच नहीं होतीं, और यह देखकर दुख होता है कि बात इस हद तक बढ़ गई। लेकिन मैं ठीक हूँ, मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूँ। हमने आपस में बात कर ली है और सब कुछ सुलझ गया है।'

ईरान की फुटबॉल टीम फीफा विश्वकप शुरु होने दो सप्ताह पहले पहुंच सकती है अमेरिका

तेहरान ।ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि उनकी फीफा विश्वकप शुरू होने से दो सप्ताह पहले अमेरिका पहुंचने की योजना है। ईरानी मीडिया ने यह जानकारी दी। घालेनोई ने कहा कि योजना टीम को विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अभी भी दो या तीन अच्छे अभ्यास मैच कराने की जरूरत है। तय कार्यक्रम के मुताबिक, टीम 16 मई को तुर्किये के लिए रवाना होगी और वहां दो सप्ताह रहेगी। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि वे विश्वकप में हिस्सा लेने के बारे में सबसे अच्छा फैसला लेने के लिए काम कर रहे हैं। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबान में 11 जून से 19 जुलाई होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है। टीम 15 जून को लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, उसके बाद 21 जून को उसी जगह पर बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलेगी। ईरान का आखिरी ग्रुप मैच 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ होगा।

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम (एजेंसी)। विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं।

सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है।

गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है।

हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक का मौका मिलेगा और उसमें समाधान निकलेगा। खिलाड़ियों ने हाल ही में फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा को पर्याप्त नहीं करार दिया है।

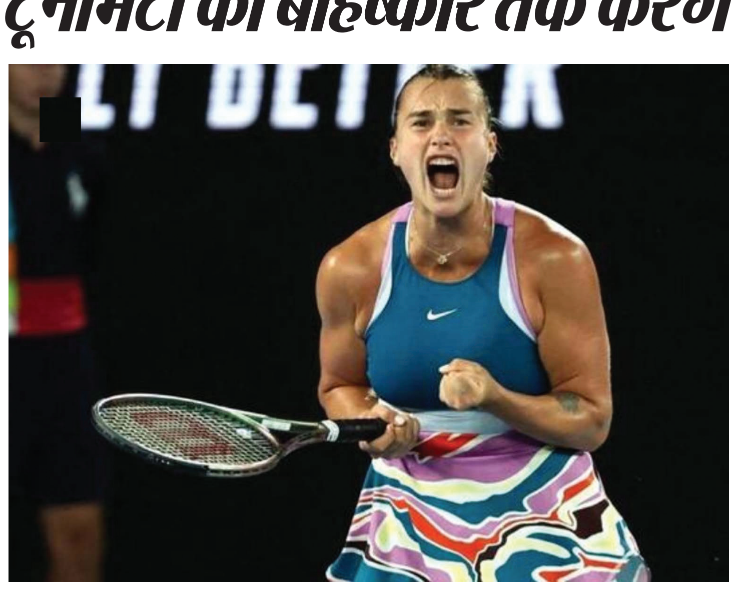

'टॉक्सिक' जैसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी

'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएंशंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा
इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं। उर्वशी रौतेला ने कहा, ''मेरे लिए 'इंस्पेक्टर अविनाश' सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा, ''सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है।''

अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, ''तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं। मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।'' उर्वशी ने कहा, ''मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे।'' उन्होंने कहा, ''यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।''

दिलजीत दोसांझ का अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, 'दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।' गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, 'जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।' दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज डेट का एलान

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। यह एक सोशल-पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। फिल्म का नाम 'द इंडिया' स्टोरी है। इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। फिल्म जुलाई में दर्शकों तक पहुंचेगी।

कब रिलीज होगी काजल-श्रेयस की फिल्म?

काजल और श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में खेती में रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों के बारे में दर्शाया जाएगा। खासतौर पर यह फिल्म कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह फिल्म मूल रूप से किसी एक व्यक्ति की कहानी से आगे बढ़कर एक बड़े व्यवस्थागत संकट पर केंद्रित है। यह पर्यावरणीय चिंताओं और औद्योगिक लापरवाही पर प्रकाश डालती है और साथ ही कॉर्पोरेट जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। स्क्वूत्र प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी सागर बी. शिंदे ने लिखी और इसका निर्माण भी उन्होंने ही किया है।

लोगों को जागरुक करने की कोशिश

फिल्म की थीम के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सागर बी. शिंदे ने कहा कि यह कहानी एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है, जो अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है, लेकिन अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है जो अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है, लेकिन पूरे देश में अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है।

केमिकल्स का गलत इस्तेमाल, खासकर कीटनाशक वाली खेती में, सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंता ही नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय संकट भी है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के जरिए लोगों में जागरूकता फैले और वे जवाबदेही और बदलाव के बारे में सार्थक बातचीत शुरू करें'। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और निगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं। बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चिंत रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी।

कॉमेडी को नहीं मिलता सम्मान

अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है। या क्या रोमांस और ड्रामा में माहिर होना एक सीमा बन जाता है। तो फिर कॉमेडी में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा क्यों माना जाता है?

कॉमेडी करने वाले लोगों को अक्सर सतही, गैर-गंभीर और कम बुद्धिमान समझा जाता है। जबकि असल में मजेदार होने के लिए आपको बेहद बुद्धिमान, जानकार, तेज और गंभीर होना पड़ता है। हर कोई जानता है कि कॉमेडी एक्टिंग का सबसे कठिन रूप है। ऐसे बहुत कम अभिनेता हैं जो वास्तव में कॉमेडी कर सकते हैं। कृपया उन्हें वह सम्मान दें जिसके वे हकदार हैं।

अरशद वारसी की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी पिछले साल 'जॉली एलएलबी 3' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। इस साल भी उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें 'वेलकम टू द जंगल' और 'धमाल 4' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उनके राजकुमार हिरानी के निर्देशन में भी नजर आने की संभावना है। वहीं अरशद तिग्मांशु धूलिया की आगामी फिल्म 'घमासान' में भी नजर आएंगे, इसमें वो कुख्यात डाकू ददुआ की भूमिका में दिखाई देंगे। जबकि इन दिनों अरशद 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

ओटीटी को लेकर चिंतित नहीं हैं अरशद

ओटीटी के बढ़ते वर्चस्व को लेकर अरशद वारसी का कहना है कि मुझे जिस तरह की फिल्में पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। मैं हमेशा से ऐसा अभिनेता रहा हूं जिसे कमर्शियल फिल्में पसंद थीं, लेकिन उनमें वास्तविकता का पुट होना चाहिए। मुझे तर्कहीन कहानी कहने का तरीका पसंद नहीं था। इसलिए मेरे लिए यह एक शानदार समय है क्योंकि जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। सिनेमा में आए सभी बदलावों को दिल से पसंद करता हूं। चाहे वो पहले कैसा भी रहा हो और आज जैसा भी हो। मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का यह दौर अच्छा लगता है और मैं फिल्ममेकिंग के कमर्शियल और पैरलल दोनों पहलुओं की सराहना करता हूं। आखिरकार हमारी फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिख रही हैं।

इंजीनियरिंग में बेस्ट आप्शंस

स्टूडेंट्स के बीच इंजीनियरिंग हमेशा से हॉट सब्जेक्ट रहा है, क्योंकि बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग के बाद करियर के कई ऑप्शंस खुल जाते हैं। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, पीएसयू, प्राइवेट सेक्टर में शानदार जॉब हासिल कर सकते हैं। अगर आप इंजीनियरिंग में एडमिशन लेने जा रहे हैं, तो जानें यहां आपके लिए क्या बेस्ट ऑप्शंस हैं..

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए 12वीं में साइंस सब्जेक्ट यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स/ बायोलॉजी जैसे सब्जेक्ट होने चाहिए। अधिकतर एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी एग्रीकल्चर इंजीनियर के बीई/बीटेक प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन करती है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष की होती है। इसमें डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है। कुछ संस्थानों में एडमिशन बारहवीं के अंक के आधार पर भी होता है। आज इस फील्ड में अवसर भी कम नहीं है। स्किल्ड प्रोफेशनल्स प्रोडक्शन, सेल्स, मैनेजमेंट, रिसर्च आदि फील्ड में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

12वीं साइंस (मैथ्स) के स्टूडेंट्स बीई/बीटेक एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या एयरोनॉटिक्स में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। विभिन्न कॉलेजों और आईआईटीज में एयरोनॉटिक्स में डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स उपलब्ध है। कई पॉलिटेक्निक्स द्वारा एविएशन में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। देश में कुछ संस्थान एविएशन में पोस्ट ग्रेजुएट (एमटेक) और डॉक्टोरल प्रोग्राम (पीएचडी) भी कराते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का बीई/ बीटेक कोर्स चार साल का होता है, जबकि डिप्लोमा कोर्स की अवधि दो-तीन साल होती है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर गवर्नमेंट और प्राइवेट एयरलाइंस में जॉब की तलाश कर सकते हैं। इसके अलावा, नेशनल एयरोनॉटिकल लैब, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, इसरो आदि में भी जॉब पा सकते हैं।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग

इन दिनों ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। आप आईआईटी (गुवाहाटी) से बीटेक इन डिजाइनिंग (चार वर्षीय) का कोर्स कर सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) अहमदाबाद, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में चार वर्षीय प्रोग्राम ऑफर करती है। इन सभी कोर्स में 12वीं (पीसीएम) के बाद जेईई मेन्स और एडवांस क्वालिफाई करके एडमिशन लिया जा सकता है। आईआईटी, दिल्ली से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) हासिल कर सकते हैं। आईआईटी, कानपुर भी इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में दो वर्षीय मास्टर डिग्री कोर्स कराती है। इसके अलावा, इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर, आईआईटी-मुंबई से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) प्राप्त कर सकते हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

इस कोर्स में एंट्री के लिए 12वीं बायोलॉजी, केमिस्ट्री और मैथ्स से पास होना जरूरी है। इस समय अधिकतर यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट में जेनेटिक इंजीनियरिंग के लिए अलग से कोर्स ऑफर नहीं किया जाता है, लेकिन इसकी पढ़ाई बायोटेक्नोजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री में सहायक विषय के रूप में होती है। बायोटेक्नोलॉजी के अडंर ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट में जेनेटिक इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। गेजुएट कोर्स, बीई/बीटेक में एंट्री प्रवेश परीक्षा के आधार पर होती है। जेनेटिक इंजीनियर के लिए भारत के साथ-साथ विदेश में भी जॉब के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। मेडिकल और फार्मास्युटिकल कंपनी, एग्रीकल्चर सेक्टर, प्राइवेट और गवर्नमेंट रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर में जॉब हासिल कर सकते हैं। टीचिंग को भी करियर ऑप्शन के रूप में आजमाया जा सकता है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनने के लिए स्टूडेंट को जेईई या फिर स्टेट लेवल पर आयोजित होने वाले इंजीनियरिंग एग्जाम को क्वालिफाई करना जरूरी है। 12वीं साइंस के स्टूडेंट्स इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। इसके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ होना चाहिए। मौजूदा समय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इंडस्ट्रीज मैन्युफैक्चरिंग, टेलीविजन, कंप्यूटर, माइक्रोवेब्स से संबंधित इंडस्ट्रीज में इसकी खूब मांग है। इसके अलावा, एटमी प्लांट्स, हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट्स, थर्मल पावर आदि के डिजाइन और डेवलपमेंट इलेक्ट्रिक इंजीनियर की अहम भूमिका होती है।

फायर इंजीनियरिंग

फायर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए साइंस सब्जेक्ट्स से बारहवीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा, इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए कई संस्थान नेशनल लेवर पर एंट्रेंस एग्जाम और साक्षात्कार आदि भी आयोजित करते हैं। फायर इंजीनियरिंग से रिलेटेड सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। कोर्स के दौरान आग बुझाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज में फिजिकल फिटनेस के मार्क्स भी जोड़े जाते हैं। दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर ऐंड सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकड़ा के मुताबिक, फायर इंजीनियरिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए गवर्नमेंट और पब्लिक सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। इस फील्ड में जुड़े प्रोफेशनल्स रेलवे, एयरफोर्ट ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया, डिफेंस फोर्स, इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, ओएनजीसी, माइंस, रिफाइनरिज, पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स आदि में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर साइंस में करियर बनाने के लिए मैथ्स और साइंस (फिजिक्स, केमेस्ट्री) में अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इस ब्रांच में बीई या बीटेक करने के बाद पोस्टग्रेजुएशन यानी एमई/एमटेक किया जा सकता है। कंप्यूटर इंजीनियर्स के लिए देश-विदेश दोनों जगहों पर अच्छी संभावनाएं हैं। ये सॉफ्टवेयर्स को डिजाइन, डेवलप और मेंटेन करते हैं। इस फील्ड से जुड़े लोगों को सॉफ्टवेयर कंपनीज और आईटी कंपनियों में जॉब मिलती है। कंप्यूटर इंजीनियर अपनी टीम के साथ मिलकर मैथ और साइंस का प्रयोग करके कंप्यूटर को डिजाइन और डेवलप करते हैं। आमतौर पर कंप्यूटर के पुजरें के साथ काम करने वाले प्रोफेशनल्स को हार्डवेयर इंजीनियर कहा जाता है और जो कंप्यूटर के प्रोग्राम्स के साथ काम करते हैं, उन्हें सॉफ्टवेयर इंजीनियर कहा जाता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

इन दिनों पेट्रोलियम इंजीनियर्स की काफी डिमांड है। अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच की ही तरह पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स का 12वीं साइंस (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स) से पास होना जरूरी है। इस कोर्स में एडमिशन के लिए जेईई पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन ऑयल, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एचपीसीएल, ओएनजीसी, बीपी आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है।

माइनिंग इंजीनियरिंग

माइनिंग इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए मैथ, फिजिक्स और केमिस्ट्री से 12वीं पास होना जरूरी है। माइनिंग इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए जेईई जैसे एंट्रेंस एग्जाम को पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, आईपीसीएल, नेवली लिग्नाइट कॉरपोरेशन, यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आदि में जॉब की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसके अलावा, रिसर्च और टीचिंग में भी काफी स्कोप है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरूआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकती हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकती हैं।

कलैक्शन के लिए जुनून

कलैक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से ले कर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलैक्शन लंबे समय में आपको अच्छी रिटर्न दे सकता है।

शुरूआत के लिए

यदि आप कुछ संग्रह करना शुरू करने वाली हैं, तो बेहतर है कि आप आम कलैक्शन के साथ शुरूआत करें। उदाहरण के लिए यदि आप स्टांप इकट्ठी करने वाली हैं, तो जितनी ज्यादा संभव हो, उतनी स्टांप इकट्ठी करें और जब कुछ समय के बाद आपके पास स्टांप का अच्छा-खासा कलैक्शन हो जाए, तो आप किसी खास देश की खास स्टांप पर भी फोकस कर सकती हैं। इससे मिलने वाली खुशी एक संकलनकर्ता का प्रोत्साहन होती है, न कि उसके संकलन की मार्कीट वैल्यू उसके लिए मायने रखती है।

अभिभावकों की भूमिका

अगर किसी बच्चे में कलैक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलैक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें। वे अपने बच्चे का परिचय ऐसी विभिन्न सोसायटियों से करा सकते हैं, जहां पर पुराने और बड़े संकलनकर्ता दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए मीटिंग और सैमीनार आयोजित करते हैं। ये सोसायटियां किसी संकलनकर्ता के संकलन की जानकारी को लोगों से सांझा करने और उनके संकलन को विस्तृत बनाने के लिए जानकारियां देने में मददगार होती हैं।

विशिष्ट कलैक्टरों की जमात में शामिल होने के लिए संकलनकर्ता को अपने संकलन के विषय की गहन जानकारी होनी चाहिए। उसके लिए अपने विषय के अन्य संकलनकर्ताओं और उनके संकलन के स्तर के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है, सो इसके लिए आप प्रदर्शनियों में जाएं तथा नैट पर सर्च करती रहें।

उपलब्धता भी रखती है मायने

आप जिस चीज का संकलन करने जा रहे हैं, उसकी उपलब्धता का स्तर जानना बेहद महत्वपूर्ण है। यह भी समझें कि विशिष्ट संकलनकर्ताओं के पास संजोई गई चीजें आसानी से नहीं मिलतीं।

डीलर की पहचान जरूरी

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणित हो। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आप धोखाधड़ी का शिकार तो नहीं हो रहे हैं, क्योंकि बहुत सी नई चीजों को पुराना रूप देकर एंटीक बता दिया जाता है।

संग्रहणीय वस्तुओं की सुरक्षा

एक संकलनकर्ता को अपनी संग्रहणीय वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ किसी हाल में समझौता नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने संग्रहण की स्थिति की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। ऐसी चीजों को इकट्ठा करने से बचना चाहिए, जो सही स्थिति में न हों, हालांकि पुराने इस्तेमाल हो चुके स्टांप इसके अपवाद हो सकते हैं। संकलनकर्ता आम तौर पर अपनी कलैक्शन को लेकर बेहद पोजैसिव होता है। अपनी कलैक्शन को लोगों के हाथ में देकर दिखाने की अपेक्षा दूर से दिखाना बेहतर तरीका है। सिक्कों के संग्रहणकर्ताओं को अपने सिक्के साफ पानी से धोने चाहिएं। ऐसे रसायनों से बचना चाहिए जिनसे सिक्कों की वास्तविक चमक कम हो जाती हो।

संकलनकर्ताओं को अपने संकलनको दुर्लभ, अति दुर्लभ जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत कर उनका कैटालॉग बनवा कर उनके विषय में लोगों को जानकारी देनी चाहिए।

संकलन का बाजार

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाणपत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

पैशन को दें दिशा

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलैक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं अर्थात आपकी हॉबी भी पूरी होगी और पैसा कमाने की चाहत भी। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

ऑफिस और आपका व्यवहार

ऑफिस में कभी काम को कल पर टाल कर, तो कभी काम ज्यादा होने पर छुट्टी ले लेना जैसी आदतें पुरुषों में ही नहीं, बल्कि महिला कर्मचारियों में भी पाई जाती हैं। उन्हें तो शायद यह महसूस भी नहीं होता कि उनकी यह आदत धीरे-धीरे उनकी ही परफार्मैंस पर भारी पड़ते हुए उन्हें बॉस की नजरों में गैर-जिम्मेदार ठहराती जा रही है।

महिलाएं अक्सर दूसरों के सामने यह राग अलापती हैं कि वे तो मजे की नौकरी कर रही हैं। ऐसी बातें जब बॉस के कानों में पहुंचती हैं, तो वह निल-परफार्मैंस के साथ सहज ही आपकी तुलना कर लेता है। यही कारण है कि जब प्रमोशन की बात आती है तो कई बार आपके जूनियर बाजी मार जाते हैं। ऐसी कई गलतियां हैं, जिनकी आदी हो चुकीं महिला कर्मचारी इन्हें अपनी आदत बना लेती हैं। यदि आप में भी कोई ऐसा अवगुण है तो उसे समय रहते ही सुधार लेना आवश्यक है।

अपनी गलती दूसरों के सिर न मढ़ें

अपनी गलती को छिपाने वाले तथा बॉस की नजरों में अच्छी इमेज साबित करने वाले लोग हर जगह होते हैं। ऐसे लोग अपनी गलती दूसरे के सिर मढ़ कर बच निकलना चाहते हैं, परंतु अपनी इस आदत के कारण दूसरों की परेशानी की वजह बन जाते हैं। यदि आप में भी यह आदत है तो इसे सुधार लेना ही बेहतर है। हो सकता है कि आरंभ में अपनी गलती मानते हुए आपको शर्मिंदगी महसूस हो, लेकिन यकीन मानें कि उसे छिपाने में आपको कहीं ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। अपने किसी कुलीग के सिर गलती मढने़ की कोशिश हर बार कामयाब नहीं हो सकती और गलती साबित हो जाने पर वह स्थिति अधिक कष्टदायक हो सकती है।

रोज की बहानेबाजी तौबा-तौबा

कई बार आप सुबह उठती हैं और काम पर जाने का मन नहीं हो रहा या बच्चों ने घूमने की फरमाइश कर दी तो तुरंत फोन कर बॉस से पेट दर्द, सिरदर्द या किसी और बीमारी का बहाना बना कर आप लीव ले लेती हैं। छुट्टी लेना तो आपका अधिकार है और उस समय आप अभिनय में कलाकारों को भी मात दे देती हैं। कुछ दिन की छुट्टी चाहिए तो मैडीकल सर्टीफिकेट देकर लंबी छुट्टी ले ली परंतु ऐसी बहानेबाजी आपके दूसरे कुलीग्स का वर्क प्रैशर बढ़ा देती है। कभी यह सोचा है कि आपकी इस आदत के चलते आप अपने सहयोगियों का ही नहीं, बल्कि अपने बॉस का भी विश्वास खोने लगती हैं, क्योंकि वह आपको जिम्मेदारी का काम या ओहदा देने से कतराने लगते हैं।

व्यवहार हो संतुलित

किसी ने आपके काम पर उंगली उठाई या फिर आपको क्रिटीसाइज किया तो आप अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पातीं और गुस्से में लाल-पीली होकर सामने वाले पर बरस उठती हैं या फिर आप सामने वाले की कही गलत बातों को भी चुपचाप सुन स्वयं में ही सिमटे हुए वहां से उठ कर चल देती हैं। प्रोफैशनल नजरिए से देखा जाए तो दोनों तरह के व्यवहार सही नहीं हैं, क्योंकि तुरंत रिएक्ट करने से आप सबकी नजरों में एग्रैसिव साबित होते हैं तो चुपचाप हर किसी की नाराजगी झेलने से आप सॉफ्ट टार्गेट बन जाते हैं। इसलिए बेहतर है कि व्यवहार को संतुलित रखें क्योंकि दोनों ही स्थितियों में आप अपना सही पक्ष नहीं रख सकतीं। इसलिए बेहतर है कि भीतर का आक्रोश थम जाने पर ही सामने वाले से बात करें। इससे आप जहां सही ढंग से अपना पक्ष रख सकेंगी, वहीं आपकी एनर्जी बेकार की बातों में वेस्ट नहीं होगी और काम पर भी उसका नैगेटिव असर नहीं पड़ेगा।

पर्सनल काम करें अवॉयड

ऑफिस के फोन से पर्सनल कॉल करना, ई-मेल पर चैट करना, प्रिंट पर पर्सनल डॉक्यूमैंट्स के प्रिंट लेना या फिर घरेलू कामों को निपटाना जैसे काम एक दिन बॉस के नोटिस में आ ही जाते हैं। ये सब आपकी कार्यक्षमता पर सवालिया निशान भी लगाते हैं। इसलिए बेहतर है कि इस प्रकार के पर्सनल कामों को अवॉयड किया जाए।

शालीन पहनावा

जब बात ऑफिस में प्रोफैशनल बिहेवियर की चल रही हो तो सही ड्रैसिंग भी उसी में आती है। यदि ऑफिस में कोई ड्रैस कोड नहीं है तो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, इसलिए ऑफिस में हमेशा ग्रेसफुल पोशाक ही पहनें, क्योंकि इसी से आपके सहयोगी आपके बारे में अपनी राय कायम करते हैं।